हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 21 अक्टुबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :156 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन का समय निर्धारित करना भाजपा की चाल है: संजय राउत,

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन के लिए केवल 48 घंटे का समय निर्धारित किया जाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चाल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार बनाने का दावा करने में असमर्थ हो जाए। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होना हैं और 23 नवंबर को मतगणना होगी। राज्यसभा सदस्य ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, अमित शाह के साथ-साथ भाजपा ने यह स्वीकार कर लिया है कि पार्टी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। ऐसा लगता है कि महा विकास आघाडी को सरकार बनाने के बारे में चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए समय समिति करने की रणनीति है। अगर एमवीए के घटक दावा करने में विफल रहते हैं, तो राज्यपाल छह माह के लिये राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करेंगे।

मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर हुआ बिहार,

सीएम नीतीश ने बताया ड्रोन तकनीक से मत्स्य पालन के फायदे

नीतीश कुमार ने कहा कि ड्रोन तकनीक का उपयोग मछली के बीज तालाब में डालने से लेकर दाना देने, मछली मारने तक में होगा। इससे मछुआरों का काम आसान होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

एजेंसी

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि मछली उत्पादन के मामले में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। ड्रोन तकनीक के उपयोग से मत्स्य पालकों को काफी लाभ होगा। वे शनिवार को सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में मत्स्य पालन के क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के उपयोग एवं प्रत्यक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक का उपयोग मछली के बीज तालाब में डालने से लेकर दाना देने, मछली मारने तक में होगा। इससे मछुआरों का काम आसान होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे अपने कार्य से अपनी तरक्की के साथ-साथ राज्य की तरक्की में भी योगदान दे रहे हैं। मछली उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। वर्ष 2005 से पहले मछली उत्पादन बहुत कम था। पहले दूसरे राज्य की मछलियां बिहार में मंगाई जाती थीं और अब बिहार की मछलियां दूसरे राज्यों में भेजी जाती हैं। वर्ष 2005 में मछली का उत्पादन 2.88 हजार मीट्रिक टन था जो अब बढ़कर 8.73 हजार मीट्रिक टन हो गया है।

नीतीश कुमार ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार में विकास कार्यों की क्या स्थिति थी, सभी को पता है। 24 नवंबर, 2005 को जब हमलोग सरकार में आए तो राज्य के विकास के लिए नीति और कार्यक्रम बनाए गए। कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन सहित सभी क्षेत्रों का विकास किया गया। लोगों की सुविधाओं के लिए कई कदम उठाए गए। साथ ही महिलाओं की तरक्की के लिए कई कार्य किए गए। कार्यक्रम को केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने भी संबोधित किया।सीएम ने मत्स्य बीज व आहार वितरित किया मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की लाभार्थी अंजू देवी, ऊषा देवी, मीरा देवी, रीता रानी एवं निशांत कुमार को अनुदान राशि का चेक प्रदान किया। साथ ही प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 15 मत्स्य पालकों को 0.50 लाख मत्स्य बीज वितरित किया गया। सांकेतिक रूप से संजीव कुमार, सुरेंद्र प्रसाद एवं ललिता देवी को मुख्यमंत्री ने मत्स्य बीज प्रदान किया। जबकि, 19 मत्स्य पालकों के बीच 7 टन मत्स्य आहार वितरित किया गया। इसमें सांकेतिक रूप से धर्मराज सहनी और रेखा देवी को मुख्यमंत्री ने मत्स्य आहार प्रदान किया। इसके पहले पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव डॉ. एन. विजयालक्ष्मी ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत के पूर्व लगाई गई ड्रोन की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

नीतीश कुमार ने कहा कि ड्रोन तकनीक का उपयोग मछली के बीज तालाब में डालने से लेकर दाना देने, मछली मारने तक में होगा। इससे मछुआरों का काम आसान होगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन के क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

वाराणसी में पीएम मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर साधा निशाना, कहा- पिछली सरकारों के घोटाले अखबारों में छाये रहते थे

एजेंसी

वाराणसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के सिगरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित 6700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसके बाद पीएम मोदी ने जनता को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने देश की पिछली सरकारों पर लाखों करोड़ रुपये के घोटाले करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि 10 साल पहले तक इन घोटालों की चर्चा अखबारों में छाई रहती थी, लेकिन अब उनके नेतृत्व वाली सरकार के नए कार्यकाल के सिर्फ सवा सौ दिन में ही 15 लाख करोड़ रुपये का काम शुरू होने की चर्चा हर घर में हो रही है।नरेंद्र मोदी ने कहा, 'यही तो वह बदलाव है जो देश चाहता है। जनता का पैसा जनता पर खर्च हो, देश के विकास पर खर्च हो और पूरी ईमानदारी से खर्च हो, यह उनकी सरकार की बड़ी प्राथमिकता है।'

पीएम ने पिछली सरकारों पर लाखों करोड़ रुपये के घोटाले करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि 10 साल पहले तक इन घोटालों की चर्चा अखबारों में छाई रहती थी, लेकिन अब उनके नेतृत्व वाली सरकार के नए कार्यकाल के सिर्फ सवा सौ दिन में ही 15 लाख करोड़ रुपये का काम शुरू होने की चर्चा हर घर में हो रही है

उन्होंने कहा, 'बीते 10 सालों में हमने देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण का एक बहुत बड़ा अभियान शुरू किया है और इस अभियान के दो सबसे बड़े लक्ष्य हैं। पहला लक्ष्य, निवेश से नागरिकों की सुविधा बढ़ाने का और दूसरा लक्ष्य निवेश से नौजवानों को नौकरी देने का। आज देश में नए-नए राजमार्ग बन रहे हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर अखाड़ा बनी मालेगांव सीट, कांग्रेस और AIMIM में होगी मुस्लिमों का रहनुमा बनने की जंग

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के नासिक क्षेत्र के तहत मालेगांव मध्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में आता है। साथ ही यह सीट धुले लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है। जो एक अनारक्षित विधानसभा सीट है। यह सीट मुस्लिम बहुल इलाके में आती है। मालेगांव मध्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र मुस्लिम बहुल होने के कारण पार्टियां यहां मुस्लिम उम्मीदवार ही उतारती है। अब तक यहां से मुस्लिम उम्मीदवारों ने ही जीत हासिल की हैं। इस विधानसभा में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या लगभग 222,398 है, जो 2019 विधानसभा चुनाव के आंकड़ों के अनुसार लगभग 78.4% है। मालेगांव मध्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में अनुसूचित जाति के मतदाताओं की संख्या लगभग 5,560 है, जो कुल मतदाताओं की संख्या के अनुसार 1.96 प्रतिशत है। तो वहीं, अनुसूचित जनजाति के मतदाताओं की बात करें तो उनकी संख्या लगभग 1,248 है जो 0.44% है। इस विधानसभा सीट पर 1978 से 1999 तक निहाल अहमद मौलवी मो. उस्मान का कब्जा रहा। जो पहले तीन बार जनता पार्टी और बाद में बाद बार जनता दल के टिकट पर चुनाव जीते। 1999 में यह सीट कांग्रेस के कब्जे में आई।

असम पुलिस ने घुसपैठिये को पकड़कर वापस बांग्लादेश भेजा: हिमंत

एजेंसी

असम: असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य पुलिस ने करीमगंज जिले में एक कथित बांग्लादेशी घुसपैठिए को पकड़कर बांग्लादेश के अधिकारियों के हवाले कर दिया।मुख्यमंत्री ने ह्यएक्सह्न पर लिखा, ह्नअसम पुलिस ने करीमगंज जिले में एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को पकड़कर उसे वापस भेज दिया।ह्न शर्मा ने कहा, ह्नपकड़े गए घुसपैठिए की पहचान मोहम्मद आरिफ के रूप में हुई है। हमारे जवान भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ के ऐसे प्रयासों को विफल करने के लिए पूरी तरह सतर्क हैं।ह्न बांग्लादेश में अशांति फैलने के बाद से लगभग 115 लोगों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में पकड़कर वापस भेज दिया गया है।

पिछले चुनावों में धुले ग्रामीण क्षेत्र को जीतकर कुणाल दे चुके हैं अपनी राजनैतिक समझ का परिचय

एजेंसी

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रहे रोहिदास पाटिल के पुत्र कुणाल पाटिल ने पिछले दो विधानसभा चुनाव में धूले ग्रामीण सीट को जीतकर अपनी राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दे दिया है। अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए कुणाल ने दोनों ही चुनाव कांग्रेस के टिकट पर जीते हैं। उनके पहले 2009 में इस सीट से शिवसेना के शरद पाटिल जीतने में सफल रहे थे। 2017 में विधायक कुणाल पाटिल को विधानसभा में अनुशासनहीनता के कारण निलंबित भी किया गया था।कुणाल रोहिदास पाटिल 14वीं महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य हैं । उन्होंने लगातार दूसरी बार विधायक के रूप में इस निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की है। वे धुले ग्रामीण विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से हैं। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और पूर्व मंत्री रोहिदास पाटिल के पुत्र हैं। उन्होंने 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धुले ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार ज्ञानज्योति मनोहर पाटिल (भडाने) के खिलाफ 14564 मतों से जीत हासिल की।उन्होंने धुले लोकसभा क्षेत्र से 2019 में कांग्रेस पार्टी के नेताओं के आदेश पर लोकसभा चुनाव भी लड़ा था। जिसमें उनको हार का सामना करना पड़ा था। 22 मार्च 2017 को पाटिल को राज्य के बजट सत्र के दौरान महाराष्ट्र के वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को बाधित करने और चार दिन पहले विधानसभा के बाहर बजट की प्रतियां जलाने के लिए 18 अन्य विधायकों के साथ 31 दिसंबर तक निलंबित कर दिया गया था।

आत्मचिंतन की जरूरत है कि क्या राजनीतिक अलगाव से लोगों का कल्याण प्रभावित होता है: राणे

एजेंसी

मुंबई । विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे ने कहा कि समय की मांग है कि आत्मचिंतन किया जाए कि क्या राज्य में खंडित राजनीतिक परिदृश्य लोगों के कल्याण और उनके हितों के अनुकूल है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राणे ने शनिवार को यहां ह्यपीटीआई-भाषाह्न से कहा कि विचारधारा और निर्वाचन क्षेत्र में बार-बार बदलाव से राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है और राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। राणे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति को केंद्र में भाजपा के मजबूत नेतृत्व के कारण 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में बढ़त हासिल है। उन्होंने यह भी कहा, हमें (सभी को) आत्मचिंतन करने की जरूरत है कि क्या (राजनीतिक) बिखराव लोगों के कल्याण और हितों को प्रभावित करता है। महायुति में भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में जून 2022 में बगावत के बाद शिवसेना विभाजित हो गई थी। इसके बाद शिंदे ने सरकार बनाने के लिए भाजपा से हाथ मिला लिया। शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा भी पिछले साल तब विभाजित हो गई थी।

बिहार उपचुनाव की चार सीटों के लिए महागठबंधन के प्रत्याशी घोषित, आरजेडी को 3, माले को 1 सीट

एजेंसी

पटना: बिहार की चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए महागठबंधन ने अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। तीन सीट पर लालू यादव की पार्टी आरजेडी और एक सीट पर माकपा माले लड़ेगी। इमामगंज से आरजेडी के रौशन कुमार मांझी उर्फ राजेश मांझी, बेलागंज से राजद के विश्वनाथ कुमार सिंह, रामगढ़ से राजद के अजीत कुमार सिंह और तरारी से भाकपा माले के राजू यादव उम्मीदवार घोषित किये गए।रविवार को प्रदेश राजद कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने इसकी घोषणा की। इस मौके पर राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह सहित सीपीआई,सीपीएम और वीआईपी के नेता भी मौजूद थे।सभी नेताओं ने बिहार के उपचुनाव में भारी मतों के अंतर से महागठबंधन उम्मीदवारों के जीत होने का दावा किया। राज्य और केंद्र की एनडीए सरकार की विफलता भी गिनाई। आपको बता दें 13 नवंबर को बिहारा की चारों सीटों पर उपचुनाव है, 23 नवंबर को मतगणना होगी।महागठबंधन ने बिहार की चार विधानसभा सीटों के उपचुनाव को लेकर प्रत्याशी की घोषणा कर दी है।

झारखंड में अकेले चुनाव लड़े, तो भी इंडियागठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे :मनोज

एजेंसी

रांची । झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए झामुमो और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर हुए समझौते पर निराशा व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रविवार को कहा कि 12 से कम सीट उसे स्वीकार्य नहीं होगा और अगर अकेले चुनावी मैदान में उतरना पड़ा, तो उस स्थिति में भी वह ह्यइंडियाह्न गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों ने ह्यइंडियाह्न गठबंधन बनाया है, जिसमें कांग्रेस, राजद और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) भी घटक हैं। झामुमो और कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की कि दोनों दल राज्य की 81 विधानसभा सीट में से 70 पर चुनाव लड़ेंगे। राजद प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने कहा, ह्यह्य12-13 सीट से कम हमें स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि राजद की 18-20 सीट पर मजबूत पकड़ है। अगर हमें तीन-चार सीट पर चुनाव लड़ने के लिए कहा जाता है, तो हम कोई त्याग करने के लिए तैयार नहीं हैं।उन्होंने कहा, ह्यह्यहमारा एकमात्र उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)को हराना है, हम ह्यइंडियाह्न गठबंधन को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे।ह्न राज्यसभा सदस्य झा ने कहा कि यदि पार्टी अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय भी लेती है, तो भी वह 60-62 सीट पर ह्यइंडियाह्न गठबंधन के उम्मीदवारों को अपना समर्थन देगी। राजद ने 2019 के विधानसभा चुनाव में सात सीट पर चुनाव लड़ा था और एक सीट पर जीत हासिल की थी।

सी.आर.पी.एफ स्कूल के पास जोरदार धमाका, प्रशांत विहार में दहशत का मौहाल,

घटना स्थल पर पहुंचे NSG Commando

एजेंसी

नई दिल्ली: रविवार सुबह हुए एक जोरदार धमाके ने रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके का माहौल बिगाड़ दिया है। जानकारी के लिए बता दें कि प्रशांत विहार इलाके में स्थित सी.आर.पी.एफ स्कूल के पास आज सुबह एक जोरदार धमाका हुआ। ये धमाका इतना जोरदार था कि स्कूल की दीवार टूट गयी, पास की दुकानों और एक कार को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इसकी वजह से कोई हताहत नहीं हुआ है। दिल्ली पुलिस इस धमाके की जांच में जूट गई है। इसके अलावा ठरक्र कमांडो भी घटना स्थल पर पहुंच गए हैं।दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि रोहिणी के सेक्टर-14 में सी.आर.पी.एफ स्कूल के पास हुए धमाके के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां, बम निरोधक दस्ता और पुलिस की फोरेंसिक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। डीएफएस के अधिकारियों ने बताया, 'हमें सीआरपीएफ स्कूल की एक दीवार के पास सुबह सात बजकर 50 मिनट पर धमाका होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद हमने तुरंत दमकल की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा। धमाका होने के कारण आग नहीं लगी है और न ही कोई घायल हुआ है, इसलिए हमारी गाड़ी वापस लौट आई।'दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और विशेष प्रकोष्ठ सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हमारी फोरेंसिक टीम और अपराध इकाई घटनास्थल से नमूने एकत्र करने के लिए मौके पर मौजूद है। एक पटाखे के कारण यह धमाका हो सकता है, लेकिन हम इस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं।' पुलिस ने बताया कि वे घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं।पुलिस ने एक बयान में कहा कि उसे सुबह 7.47 बजे एक जोरदार धमाका होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने कहा, 'धमाका होने से स्कूल की दीवार क्षतिग्रस्त पाई गई और वहां दुर्गंध आ रही थी।

एएमपी नेशनल टैलेंट सर्च 2024 का पटना में शुभारंभ: प्रमुख नेताओं और शिक्षाविदों की उपस्थिति में पोस्टर का अनावरण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, बिहारः बहुप्रतीक्षित नेशनल टैलेंट सर्च 2024 का आधिकारिक शुभारंभ कल पटना में एक भव्य समारोह में हुआ, जिसमें कार्यक्रम के पोस्टर का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षा, सामाजिक सेवा, और सामुदायिक नेतृत्व से जुड़े कई प्रमुख गणमान्य लोगों ने भाग लिया, जो युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाने और भारत के उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एएमपी बिहार के स्टेट हेड रेयाज आलम ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की और क्षेत्र में युवा प्रतिभाओं का समर्थन करने के लिए सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रतिष्ठित अतिथियों के प्रेरक भाषण थे, जिनमें उन्होंने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने और विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्रों को उत्कृष्टता के अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान करना, उनका मार्गदर्शन करना और उन्हें अपनी पूरी क्षमता का एहसास कराने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथिः

1. जनाब अब्दुल कदीर साहब, चेयरमैन, शाहीन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बीदर, कर्नाटकः उन्होंने समावेशी शिक्षा के महत्व और संस्थानों द्वारा भविष्य के नेताओं को तैयार करने की भूमिका पर प्रकाश डाला।

2. मोहम्मद अशफाक, डायरेक्टर, ग्रेविटी इंस्टीट्यूशन, लखनऊः उन्होंने प्रतिभाओं की समय पर पहचान और निरंतर मार्गदर्शन की आवश्यकता पर बल दिया।

3.मौलाना सैयद शाह शमीमुद्दीन मुनेमी साहब, सज्जादा नशीन, खानकाह मुनेमियाः उन्होंने अपने आशीर्वचन में इस पहल की सराहना की और इसे सभी वर्गों के छात्रों को सशक्त बनाने का प्रशंसनीय प्रयास बताया।

4.फारूक सिद्दीकी, एनसीटी हेड, एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (एएमपी): उन्होंने शिक्षा में उत्कृष्टता और सामुदायिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एएमपी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

5.मोहम्मद सोहैब, चेयरमैन, एआईसीटी ग्लोबलः उन्होंने तकनीक और वैश्विक मंचों की भूमिका पर चर्चा की, जो शिक्षा के अवसरों को आगे बढ़ा सकते हैं।6.अब्दुल्ला इकबाल, स्टेट हेड, एएमपी झारखंडः उन्होंने विभिन्न राज्यों में युवा प्रतिभाओं का सहयोग करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।इस कार्यक्रम के साथ एक रोमांचक यात्रा का आरंभ हुआ, जिसका उद्देश्य प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान करना और उन्हें छात्रवृत्तियों, मार्गदर्शन और कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से सफलता की दिशा में प्रेरित करना है। आयोजकों ने घोषणा की कि नेशनल टैलेंट सर्च के तहत आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों को मुफ्त परामर्श सत्र और तैयारी सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि शिक्षा सभी के लिए सुलभ बनी रहे।विभिन्न राज्यों से आए नेताओं की सक्रिय भागीदारी इस पहल के राष्ट्रीय स्तर और सहयोगी भावना को दशार्ती है। एएमपी और शाहीन तथा ग्रेविटी जैसे शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी यह दशार्ती है कि यह पहल पूरे भारत में प्रतिभाओं को निखारने के प्रति प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम का समापन नेशनल टैलेंट सर्च 2024 के आधिकारिक पोस्टर के अनावरण के साथ हुआ, जो पूरे देश में प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान और प्रोत्साहन के अभियान की शुरूआत का प्रतीक है।अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:रेयाज आलम

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) देवधा मध्य पंचायत के पूर्वी एवं पश्चिमी ब्रांच का सम्मेलन हुआ संपन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) देवधा मध्य पंचायत के पूर्वी एवं पश्चिमी ब्रांच का सम्मेलन हुआ संपन।पर्वी ब्रांच सचिव कॉमरेड अलीहसन शेख एवं पश्चिमी ब्रांच सचिव कॉमरेड मंजूर को सर्वसम्मति से चुनाव किया गया।सम्मेलन का उदघाटन समारोह को पार्टी जिला मंत्री कॉमरेड मनोज कुमार यादव ने किया। अपने सम्बोधन में कहा कि देश में बढ़ते साम्प्रदायिकता के खिलाफ पूरे मजबूती से सभी साथी को लड़ना होगा।ताकि अमनचैन का माहौल कामत होगा।जयनगर पार्टी सचिव कुमार राणा प्रताप सिंह ने कहा कि आज का सम्मेलन तय करेगा कि आप का नेतृत्वकारी कौन होगा।

सम्मेलन में कॉमरेड मोहमद मंजूर, मोहम्मद आली हसन, मो. इब्राहिम, मो शकील, मो इब्राहिम दफाली,श्याम कुमार, मो. कुर्बान, मो, कलीम ने खुला सत्र को सम्बोधित किया। वही पार्टी के वरिष्ठ नेता कॉमरेड रामजी यादव ने समापन भाषण दिया। पार्टी अंचल सचिव ने कहा कि संगठन के विस्तार के लिए साथियों को प्रेरित किया।मंच की अध्यक्षता कॉमरेड शकील तथा संचालन कॉमरेड मंजूर ने की

मजदूर अपनी मजदूरी का पैसा मांगा तो डॉक्टर ने दिया जान मारने की धमकी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के खेतुवाहा वार्ड संख्या 12 निवासी मुकेश कुमार पिता परमेश्वर दास ने पुलिस कप्तान को आवेदन दिया है जिसमें आवेदक ने कहा है कि मैं डॉक्टर रतनलाल के यहाँ बारह (12000) हजार रूपया महिना पर उनके क्लिनीक में रह रहे मरीज की सेवा तथा सफाई का काम करता हूँ।दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को खानपुर पुलिस के द्वारा मुझे खानपुर थाना काण्ड संख्या। 222/2024 जिसके सूचक राकेश कुमार है के मुकदमा में पुछताछ के लिए मुझे बुलाया गया तथा घटना के सम्बन्ध में मुझसे पुछताछ किया गया जिसकी जानकारी डॉक्टर रतनलाल को हुई, तो डॉक्टर रतनलाल मुझे ढूंढ़ते हुए चकवाखड़ चौक मंदिर से पहले मुझे थाना से आते देख मुझे रोककर यह जानते हुए की में अनुसूचित जाति के (कहार) चौपाल जाति से हूँ मेरे साथ जाति सूचक शब्द साला मादरचोद कहाड़वा मेरे यहाँ रहकर

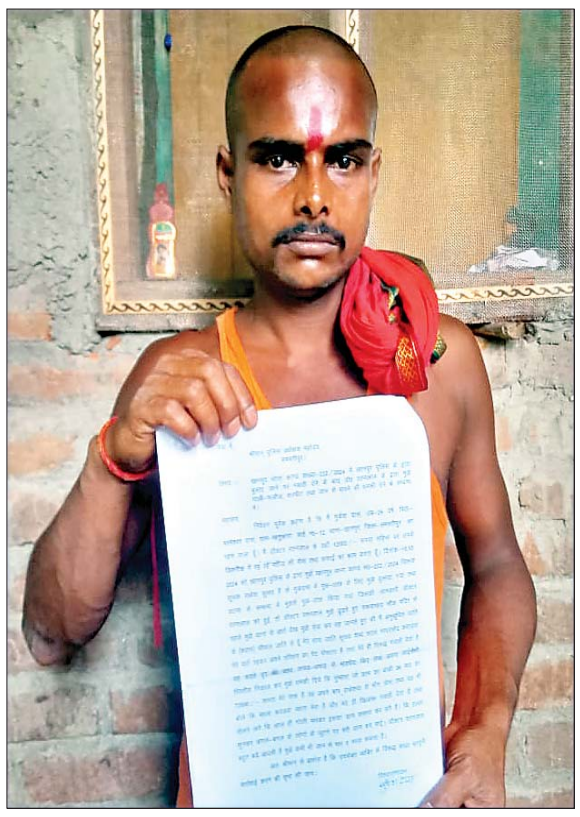

अपने परिवार का भरण पोषण करता है तथा मेरे ही विरुद्ध गवाही देता है यह कहते हुए मेरे साथ लप्पड़ - थप्पड़ से मारपीट किए तथा अपना लाईसेंसी पिस्तौल निकालकर मुझे धमकी दिए कि तुम्हारा जो काम का बांकी 06 माह का 72 हजार रूपया मेरे पास है वह अपने बाप राकेशवा से माँग लेना तथा यह भी बोले कि साला कहड़वा खाता मेरा है और मेरे ही खिलाफ गवाही देता है तथा बोलने लगे कि आज ही गोली मारकर इसका काम समाप्त कर दते हैं। इतने में हल्ला सुनकर अगल - बगल के लोगों के जूटने पर मेरी जान किसी तरह बच पाई। डॉक्टर रतनलाल बहुत बड़े आदमी हैं मुझे कभी भी जान से मार व मरवा सकता है। आवेदक ने कहा है कि इस मामले को अपने स्तर से जांचों प्रांत डॉक्टर के उपर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग के अलावा आवेदक मुकेश कुमार ने अपने सुरक्षा के लिए गुहार लगाई है। अब देखना है कि इस मामले में पुलिस कप्तान क्या कदम उठाते हैं।

चकमहेसी पुलिस ने डकैती शराब कांड के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के तहत चकमहेसी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना कांड संख्या 5/22 के अलावे अन्य कई कांडों के आरोपी मालीनगर गांव के वार्ड संख्या 13 निवासी अमरेंद्र कुमार मिश्र के पुत्र रोहित कुमार मिश्रा को छापेमारी कर गिरफ्तार किया। इस संबंध में थानाध्यक्ष दिव्या ज्योति कुमारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गये आरोपों की तलाश पुलिस को थी यह कई कांडों के आरोपी हैं जिसे जेल भेज दिया गया।बिहार के सिवान, सारण और गोपालगंज जिलों में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामलों में दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और सात महिलाओं समेत 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीनों जिलों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से 37 लोगों की मौत हुई है। मशरख थाने के प्रभारी और भगवानपुर चौकी पर तैनात एक अन्य पुलिस अधिकारी को उनके क्षेत्राधिकार में संदिग्ध जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के मामले में कर्तव्य में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है।

विधानसभा प्रभारी एवं प्रखंड प्रभारियों की संयुक्त बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। रविवार को शहर के लोहिया आश्रम में जदयू के प्रमंडल प्रभारी एवं पूर्व विधान पार्षद भूमि पाल राय के उपस्थिति में प्रखंड अध्यक्षों, प्रखंड प्रभारियों एवं प्रदेश पार्टी द्वारा नियुक्त विधानसभा प्रभारी की एक संयुक्त बैठक जिला अध्यक्ष डॉक्टर दुर्गेश राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में प्रमंडल प्रभारी ने सभी विधानसभा प्रभारी को निर्देश दिया कि अपने - अपने प्रभार वाले विधानसभा क्षेत्र में जाकर प्रखंड अध्यक्ष और प्रखंड प्रभारी के साथ मिलकर पंचायत स्तरीय कमिटी का निर्माण एवं उसका सत्यापन कर प्रतिवेदन राज्य पार्टी को समर्पित करें। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉक्टर दुर्गेश राय ने जिले में पहली बार आये हुए प्रमंडल प्रभारी एवं विधानसभा प्रभारी का माला, पाग और चादर से जिला पार्टी के द्वारा स्वागत करवाया। इस बैठक में पुर्व सांसद अश्वमेघ देवी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस बैठक में मुख्यालय प्रभारी सुबोध कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी अनस रिजवान, विधानसभा प्रभारियों में रीना चौधरी, क्रांती कुमारी, रामनाथन रमण, अनिल राम के अलावा प्रखंड प्रभारी मौजूद थे।

घनश्याम की हत्या करने वाले आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया हवालात

संवाददाता
मोहम्मद आरीफ

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के होटल मजदूर जटमलपुर तीरा निवासी लगभग 45 वर्षीय घनश्याम महतो की हत्या कर कल्याणपुर बिजली ऑफिस के पीछे धान के खेत में 10 अक्टूबर को हत्यारा द्वारा शव फेकने के मामले में स्थानीय पुलिस ने एसएफ टीम के वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद हत्यारे के समीप पहुंच गई।इस संबंध में प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना अध्यक्ष विकास केशव ने बताया कि विज्ञानी साक्ष्य के अनुसार थाना क्षेत्र के लदौरा निवासी मोहम्मद मलीन के पुत्र मोहम्मद सलीम को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। मृतक अपनी पुत्री के यहां 7 अक्टूबर की शाम रोजी-रोटी की तलाश में आया था।उसके पैतृक घर पर पिता स्वर्गीय ध्यानी महतो पूर्व में ही स्वर्गवास हो चुके थे, पत्नी बाल बच्चे भी नहीं थे। जिसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई थी, दाहिने कंधे पर हल्के खून के छींटे पुलिस ने शव पर देखा।देवरी, प्रतिनिधि। भेलवाघाटी थाना कांड संख्या 24/24 मामले में नामजद अभियुक्त पुरहारा गांव निवासी नारायण उर्फ टेकन यादव की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी घनश्याम यादव ग्राम डुमरबकी (पुरहारा) तथा अन्य मामले में हरकुंड गांव गणेश तुरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत के लिए गिरिडीह जेल भेज दिया। भेलवाघाटी के थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने उक्त जानकारी दी। बताया कि घटना के बाद से आरोपी घनश्याम यादव फरार चल रहा था।

दहेज के लालचियों ने नई नवेली दुल्हन की कर दी हत्या, ससुराल वाले फरार

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के मथुरापुर थाना क्षेत्र के शेखोपुर जानकीनगर मुसहरी टोल वार्ड संख्या 04 निवासी रंजू देवी पति फुलेंद्र सदा ने रविवार को मुजफ्फरपुर जिला के बरियारपुर थाना अध्यक्ष को एक आवेदन दिया है। जिसमें आवेदिका ने लिखा है कि दिनांक 26 अप्रैल 2024 को अपनी 20 वर्षीय पुत्री खुशबू कुमारी की शादी मुजफ्फरपुर जिला के बरियारपुर थाना के तहत गौरीहार (खालिकनगर) निवासी भूषण कुमार पिता रुदल मांझी के साथ हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार हुआ। उन्होंने बताया कि शादी के समय अपने हैसियत के मुताबिक तीन लाख रुपया दान स्वरूप दिया और शादी सम्पन्न हुआ। विवाह के बाद मेरी पुत्री ससुराल भी गई। शादी

के बाद पति भूषण कुमार, सास अंजू देवी, ससुर रुदल मांझी बराबर मेरी बेटी से कहता था कि इतने दहेज से काम नहीं चलेगा अपने मां बाप से कहो एक मोटरसाइकिल देने के लिए। इस पर मेरी पुत्री ने कहा कि हमलोग गरीब परिवार से हैं अब मेरे माता पिता मोटरसाईकिल देने के लायक नहीं हैं। बाईक नहीं देने पर मेरी पुत्री को सभी लोग प्रताड़ित करने के अलावा मारपीट किया करते थे। आवेदिका ने लिखा है कि बाईक नहीं देने के कारण दिनांक 17 अक्टूबर 2024 को ससुराल के लोगों ने मिलकर मेरी पुत्री को जान से मारकर हत्या कर दिया और उसके लाश को जलाकर गायब कर दिया और सभी लोग घर से फरार हैं। इधर थाना अध्यक्ष ने आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रेल सुरक्षा बल चौकी दुरौंधा के क्षेत्राधिकार मे स्टोन प्लेटिंग की घटना न होने के बाबत जागरूकता अभियान चलाते

वरिष्ट संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 20 अक्टूबर रविवार ।दिनांक 20.10.2024 को चौकी प्रभारी दुरौधा अरकग्यास सरवर साथ हे. कान्स जावेद अख्तर, उच्चाधिकारियो द्वारा प्राप्त निदेशो के अनुपालन मे दुरौंधा स्टेशन से सीवान स्टेशन के मध्य लाइन के किनारे स्थित ग्राम सोना पीपर , गहमरिया बाजार, जसौली, चांप के ग्रामीणों को व पचरुखी स्टेशन पर यात्रियों को , पचरुखी यार्ड में स्थित गेट संख्या 86 पर लोगों को ट्रेन पर पत्थर न मारने , रेल लाइन पार नही करने व रेल लाइन/ स्टेशनों पर विडियो न बनाने तथा गाडियों में चैनपुलिंग न करने के वावत जागरूक किया गया ' तथा यह भी बताया गया कि ऐसा कार्य करने वालो के खिलाफ रेल अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

ट्रेन से कट कर विक्षिप्त महिला की मौत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 20 अक्टूबर रविवार। दारौंदा जंक्शन के पश्चिमी रेल खंड पर स्थित कमसडा.गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप शनिवार की रात ट्रेन की चपेट में आने से एक विक्षिप्त महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना ग्रामीणों ने थाना पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि कमसडा. गांव स्थित पेट्रोल पंप के समीप शनिवार की रात एक विक्षिप्त महिला पटरी के बगल से होकर जा रही थी तभी किसी ट्रेन की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौके पर ही महिला की मौत हो गई। महिला की पहचान थाना क्षेत्र के कमसडा.गांव निवासी हवलदार महतो की 55 वर्षीय पत्नी सीता देवी के रूप में की गई।ग्रमीणों ने बताया कि महिला लंबे समय से विक्षिप्त थी। दिनभर इधर-उधर भटकती रहती थी

प्रखंड के हाजीपुर में चारमीनार एवरेस्ट एस्वेसट्स जोन के हेड शांतुन कुमार ने डिपो का उद्घाटन किया

केवटी (दरभंगा) : प्रखंड के हाजीपुर में चारमीनार एवरेस्ट एस्वेसट्स जोन के हेड शांतुन कुमार ने डिपो का उद्घाटन किया। डिपो उद्घाटन के दौरान चारमीनार एवरेस्ट एस्वेसट्स जोन के हेड शांतुन कुमार ने चारमीनार एवरेस्ट ब्राण्ड की गुणवता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यहां से दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सहरसा एवं सीतामढ़ी को आपूर्ति की जायगी। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री लक्ष्मी इंटरप्राइजेज दरभंगा (दिल्ली मोड़) के प्रोपराइटर बद्री पूर्वे, मनोज कुमार सिन्हा, प्रवीण कुमार, मो० चांद, चन्दन यादव, राज कुमार यादव व ललन झा आदि मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में "मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना से संबंधित जिला संचालन समिति की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ सभी माननीय विधायकगण एवं विधान पार्षद गण द्वारा सेतु एवं मिसिंग लिंक पथ निर्माण से संबंधित प्राथमिकता सूची कराई गई उपलब्ध, स्थलीय जाँच के उपरांत जिले की समेकित प्राथमिकता सूची भेजी जाएगी विभाग

सारण, छपरा 20 अक्टूबर, 2024 बिहार सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध सम्पर्कता के लिए मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना अंतर्गत पुलों एवं मिसिंग लिंक पथों का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा किया जाना है।

योजनाओं के चयन हेतु जिला स्तर पर प्राथमिकता सूची के निर्धारण हेतु आज माननीय मंत्री विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग -सह- प्रभारी मंत्री सारण श्री सुमित कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज "मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना" से संबंधित जिला संचालन समिति की बैठक आहुत की गई। इस योजना के तहत निर्धारित मापदंडों के आधार पर योजनाओं की प्राथमिकता का निर्धारण किया जाना है। जिनका आधार निम्नवत है-
(1) पूर्व से निर्मित जर्जर पुल की जगह नये पुल का निर्माण।
(2) पूर्व से निर्मित पथ में ट्र२२ल्लॅ इ१ी का निर्माण।(3) बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुल की जगह नये पुल का निर्माण।
(4) निर्मित पुलों के पहुंच पथ का निर्माण। (5) मिसिंग लिंक पथ का निर्माण।(6) अद्यतन असम्पर्कित अवशेष टोलों/बसावटों को सम्पर्कता प्रदान करने हेतु पथों/पुल- पुलियों का निर्माण। (7) "जनता के दरबार में मुख्यमंत्री" कार्यक्रम से आच्छादित योजना।(8) माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सार्वजनिक सभा में की गयी घोषणा से सम्बन्धित पथों/पुलों का निर्माण।

योजनाओं की प्राथमिकता का निर्धारण इस क्रम में किया जाना है-(1) लाभान्वित होने वाले गाँवों की संख्या एवं कुल जनसंख्या के आधार पर(2) जिलामुख्यालय/अनुमंडल मुख्यालय/प्रखंड मुख्यालय/ पंचायत मुख्यालय/ महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र / बाजार / पर्यटन स्थल इत्यादि को संपर्कता प्रदान करने के आधार पर
(3)उच्च स्तरीय पथ यथा ठल्/रल्/टउफ श्रेणी वाले सड़कों को संपर्कता प्रदान करने के आधार पर
(4) पुलों/पथों के निर्माण के लिये वोट बहिष्कार के आधार पर बैठक में सभी माननीय विधायकगण एवं विधान पार्षद द्वारा एक एक कर अपने क्षेत्र अंतर्गत आवश्यक ग्रामीण पुलों एवं संपर्क पथ/मिसिंग लिंक पथ के बारे में जानकारी दी गई तथा प्राथमिकता सूची उपलब्ध कराई गई। प्राप्त सूची में वर्णित सभी आवश्यक योजनाओं की स्थलीय जाँच संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं विभागीय अभियंता संयुक्त रूप से तीन दिनों में सुनिश्चित करेंगे। इसके आधार पर जिले की समेकित प्राथमिकता सूची का निर्धारण कर ग्रामीण कार्य विभाग को क्रियान्वयन के लिये भेजा जायेगा।

बैठक में विधान पार्षद श्री वीरेंद्र नारायण यादव,विधायक तरैया श्री जनक सिंह, विधायक मढ़ौरा श्री जितेंद्र राय, विधायक सोनपुर श्री रामानुज यादव, विधायक छपरा श्री सी एन गुप्ता, विधायक अमनौर श्री कृष्ण कुमार मंटू, विधायक मांझी श्री सतेंद्र यादव,विधायक परसा श्री छोटे लाल राय, विधायक एकमा श्री श्रीकांत यादव, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती जयमित्रा देवी, जिलाधिकारी श्री अमन समीर, पुलिस अधीक्षक श्री कुमार आशीष, अन्य विधायक प्रतिनिधि, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग/नलकूप प्रमण्डल/बाढ़ नियंत्रण/ एलएईओ, परियोजना प्रबंधक बुडको सहित अन्य पदाधिकारी तथा विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ।

दिवाली और छठ पर बिहार आने वालों के लिए खुशखबरी, पटना से 6 जोड़ी नई फ्लाइट्स की होगी शुरूआत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दीपावली और छठ पर बिहार आने वालों की भारी भीड़ उमड़ रही है। ट्रेनों से लेकर बसों तक की बुकिंग फुल है। लेकिन इस बीच बिहार आने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। स्पाइस जेट की ओर से 6 जोड़ी नई उड़ानें शुरू की जाएंगी। जो पटना से उड़ान भरेंगी। जिसमें ज्यादातर उड़ानें 28 अक्टूबर को शुरू होंगी। मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु गुवाहाटी और अहमदाबाद के लिए विमान सेवा शुरू की जाएगी, जो छठ के बाद भी जारी रहेगी।

हालांकि स्पाइस जेट की नई उड़ानों का किराया कितना होगा। जिसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। त्योहारों पर फ्लाइट्स का किराया आसमान पर पहुंच जाता है। दीपावली और छठ पर बिहार लौटने के लिए फ्लाइट के टिकट के दाम की बात करें, तो 27 अक्टूबर को बेंगलुरु से पटना आने के लिए 16 से 17 हजार तक का किराया देना पड़ेगा। वहीं दिल्ली से पटना आने के लिए बाकी शहरों की अपेक्षा किराया थोड़ा कम है। दिल्ली से पटना आने के लिए 11 से 12 हजार देने पड़ेंगे. वहीं ज्यादा परेशानी मुंबई से बिहार आने वालों के लिए है। मुंबई से पटना आने के लिए 19 से 20 हजार रुपये देने पड़ सकते हैं। ऐसे में स्पाइस जेट की 28 अक्टूबर से शुरू हो रहीं उड़ानों का किराया कितना होगा। क्या यात्रियों की जेब पर भारी पड़ेगा। या फिर थोड़ा राहत देने वाला होगा।हालांकि पश्चिम रेलवे ने दिवाली और छठ पूजा के लिए 21 अक्टूबर से 10 नवंबर के दौरान 16 फेस्टिवल वीकली स्पेशल ट्रेनें चला रही है, जिसमें अहमदाबाद से पटना, दरभंगा, दानापुर, बरौनी, कानपुर सेंट्रल, आगरा कैंट और तिरुचिरापल्ली, गांधीधाम से भागलपुर और बांद्रा टर्मिनस और साबरमती से पटना, सीतामढ़ी और हरिद्वार के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं

जयनगर में है स्टैंड का अभाव, रेलवे की जमीन पर खड़े होते वाहन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर अनुमंडल मुख्यालय के शहरी क्षेत्र में स्टैंड नहीं रहने से शहर के विभिन्न जगहों पर अनाधिकृत रूप से रेलवे की जमीन से सभी स्टैंड चलते हैं, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत क्षेत्र के शहरी क्षेत्रों के विभिन्न जगहों में अधिकांश रेलवे की जगह पर स्टैंड को संचालित किया जा रहा है। माल गोदाम स्थित तीन बस स्टैंड चल रहे हैं, जिसमे एक सरकारी स्टैंड भी शामिल हैं। सरकार द्वारा स्टैंड के लिए चिन्हित स्थलों पर स्टैंड के निर्माण नहीं करने से कई तरह के बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव देखने को मिलता है, जिस कारण सरकारी राजस्व को भारी क्षति पहुंच रही है। एक तरफ जहां तहां स्टैंड संचालित होने के कारण शहर में जाम जैसी समस्या अपना पाव पसार रही है, तो दूसरी ओर घंटों जाम से प्रशासन के लिए सर का दर्द साबित होता है। बहरहाल शहीद चौक स्थित मिनी बस स्टैंड के अलावे माल गोदाम रोड के पास स्थित बस स्टैंड के लिए जमीन तलाशी जा रही है। जयनगर से

मधुबनी, रहिका दरभंगा व पटना के बीच बडी छोटी बस से यात्री अपने गणतव्य तक आना-जाना करते हैं। लेकिन स्टैंड नहीं रहने से बस यात्रीयो को कई तरह की परेशानीयां झेलनी पड़ती है। बस स्टैंड रेलवे के जमीन पर होने के कारण नगर पंचायत प्रशासन भी यात्री हितों में कुछ नहीं कर सकते। सभी स्टैंड पर एक जैसा हाल देखने को मिल रहा है। मिनी बस स्टैंड, सरकारी व प्राईवेट बस स्टैंड, नेपाली रेलवे गुमती स्टैंड समेत अन्य जगहों पर चल रहे प्राईवेट स्टैंड से प्रति दिन दर्जनों की संख्या में यात्री बस का विभिन मार्गों पर आना जाना होता है। सूत्रों की मानें तो बस स्टैंड से जयनगर से लदनियां, लौकहा खुटौना व जयनगर उमगांव, हरलाखी, बासोपट्टी के बसों में काफी भीड़ रहती है।भीड़ भाड़ वाले इन स्टैंड पर प्रशासनिक स्तर पर यान्नियों के लिए कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराएं गए हैं। यात्री शेड, रात्री में लाईट का प्रबंध, शौचालय एवं मूत्रालय के साथ शुद्ध पेयजल की व्यवस्था का घोर अभाव है। जयनगर के विभिन्न जगहों से संचालित प्राईवेट यात्री बस संचालकों के द्वारा सरकार को टैक्स दी जाती है, लेकिन स्थायी स्टैंड नहीं होने से इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। जयनगर बीडीओ राजीव रंजन ने बताया कि स्टैंड के लिए उपयुक्त जमींन मिलने के बाद बस स्टैंड को स्थानान्तरित किया जाएगा। बता दें कि जयनगर के तत्कालीन अनुमंडल पदाधिकारी आईएस राघवेन्द्र सिंह ने बस स्टैंड को डी.बी. कॉलेज के समीप कुआढ गांव स्थित सरकारी जमीन पर स्थानांतरित करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा था, लेकिन उनके द्वारा भेजे गए प्रस्ताव ठंडे बस्ते में है, जो कहीं सरकारी दफ्तारों के फाइलों में दब सा गया है।

विगत 24 घंटे में मद्यनिषेध विशेष अभियान चलाकर कुल-775 ली0 शराब के साथ 47 गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ पिछले 04 दिनों के विशेष अभियान में 1135 स्थानों पर छापामारी कर 4772 ली0 शराब जप्त करते हुए 197 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया एवं 53500 ली0 अर्धनिर्मित शराब विनिष्ट किया गया।

■ विगत 24 घंटे में मद्यनिषेध विशेष अभियान चलाकर कुल-775 ली० शराब के साथ 47 गिरफ्तार।

दिनांक-19/20.10.24 को पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा ज़िले में अवैध शराब / मादक पदार्थ का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाकर 285 जगहों पर छापामारी की गई। जिसमें 18 कांड एवं 20 सनहा दर्ज कर कुल 47 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, तथा 591 लीटर देशी शराब, 32.65 लीटर विदेशी शराब, 151 लीटर स्प्रीट, चार पहिया वाहन-01, मोहर-01, मोटरसाईकिल-02, तराजू-01 जप्त किया गया। इस अभियान में कुल 07 शराब की भठ्ठी ध्वस्त कर लगभग 3860 लीटर अर्धनिर्मित शराब विनष्ट किया गया।
नशीले पेय पदार्थ के सेवन से हुई घटना में गठित 02 अलग-अलग रक्ळ टीम द्वारा की गई कारवाईयां निम्नांकित है :-
शराब की आवाजाही पर पूर्णतः रोक लगाने गठित रक्ळ टीम द्वारा विगत 24 घंटे में 51 स्थानों पर छापामारी कर 03 कांड एवं 01 सनहा दर्ज करते हुए 06 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 150 लीटर देसी शराब, 131.2 लीटर स्प्रिट, चार पहिया वाहन-01, मोहर-01, मोटरसाईकिल-02, तराजू-01 जप्त किया गया। साथ ही 03 शराब की भट्टियों को ध्वस्त करते हुए 3000 लीटर अर्धनिर्मित शराब विनष्ट किया गया।
घटना से संबंधित दर्ज कांड और इसके फॉरवर्ड / बैकवर्ड लिंकेज का पता कर त्वरित कार्रवाई हेतु गठित रक्ळ टीम द्वारा विगत 24 घंटे में 95 अलग-अलग स्थानों पर छापामारी कर 10 कांड एवं 08 सन्हा दर्ज करते हुए कुल 22 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर 605 लीटर देशी और 20 लीटर स्प्रिट, जप्त किया गया है।विगत 04 दिनों में सारण पुलिस द्वारा 1135 स्थानों पर छापामारी कर 96 कांड एवं 57 सनहा दर्ज कर कुल 197 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा 3591 लीटर देशी शराब, 963 लीटर विदेशी शराब, 217.50 लीटर स्प्रीट, 10 गैस सिलेन्डर, 03 तसला, 07 गैस चुल्हा, 06 शराब बनाने वाला बर्तन, 01 मोटर, 01 ट्रक, 01 चार पहिया वाहन एवं 09 मोटरसाईकिल जप्त किया गया। इस अभियान में कुल 81 शराब की भट्ठियों को ध्वस्त कर लगभग 53500 लीटर अर्धनिर्मित शराब विनष्ट किया गया।सारण पुलिस, आपकी सेवा में सदैव तत्पर

औरतें सिंदूर नहीं लगातीं, मर्दों ने लुंगी पहनना शुरू कर दिया; गिरिराज सिंह ने पूर्णिया में क्यों कहा ऐसा?

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पूर्णिया पहुंची हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हिन्दू समाज को एकजुट बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम दंगा कराने नहीं दंगा रोकने आये हैं। वहीं बांग्लादेशी घुसपैठ पर कहा कि बांग्लादेशी पहले नदी के पास आकर बसते हैं। बाढ़ के बाद शहर के किनारे आकर बसने लगते हैं। बिहार से लेकर हैदराबाद तक मंदिर टूटते हैं, तो कहते हैं विक्षिप्त ने ऐसा किया है। हिंदू अगर बंटेंगे तो बचेंगे नहीं, इसलिए एकजुट होना जरूरी। अमौर और बायसी में कई जगहों पर डर से महिलाएं सिंदूर नहीं लगाती है। पुरुष भाई लुंगी पहनना शुरू कर दिए हैं।हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दौरान जिला स्कूल मैदान में गरजते हुए गिरिराज ने कहा कि यह लड़ाई धर्म की है। इसलिए हमें अपने अस्तित्व की सुरक्षा के लिए सामने आने की जरूरत है। जिस दिन हमने एक रहने का सोच लिया उस दिन से परेशानी दूर होती जायेगी।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज लव जिहाद और लैंड जिहाद चल रही है। हम हिन्दुओं को जगाने के लिए आए हैं। मेरे शरीर में एक बूंद भी खून रहेगा तो यह यात्रा चलती रहेगी। उन्होंने कहा कि पूर्णिया जिले के अमौर और बायसी में कई जगहों पर डर से महिलाएं सिंदूर नहीं लगाती है। पुरुष भाई लुंगी पहनना शुरू कर दिए हैं। स्थिति बदली हुई है अब कसबा भी इसी दिशा में जा रहा है।उन्होंने कहा कि अमौर, बायसी और कसबा आदि क्षेत्र में लैंड जिहाद हो रहा है। पूर्णिया के कई क्षेत्र में बाढ़ आती है। बाढ़ आने से पूर्व इस क्षेत्र में लोग बस जाते हैं। बाढ़ के बाद शहर के किनारे आकर बसने लगते हैं। आप सोचते हैं कि हम सुरक्षित हैं तो आप सुरक्षित नहीं है। जब लव जिहाद हो रहा है तो फिर आप सुरक्षित कहां हैं? इसलिए समझने और संभलने की जरूरत है।उन्होंने लव जिहाद से जुड़ी सीमांचल क्षेत्र में हुई कई घटना का जिक्र किए। और कहा की देश के अंदर कहीं कश्मीर की घटना तो कहीं बहराइच की जैसी घटना हो रही है। बेगूसराय और भागलपुर में मंदिर में तोड़फोड़ हो रही है।

सशस्त्र सीमा बल के जवानों द्वारा भारत नेपाल सीमा पर किया प्रतिबंधित दवाइयों के साथ एक संदिग्ध नेपाली व्यक्ति को गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

सशस्त्र सीमा बल के जवानों द्वारा भारत नेपाल सीमा पर किया प्रतिबंधित दवाइयों के साथ एक संदिग्ध नेपाली व्यक्ति को गिरफ्तार
48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल,जयनगर के कार्यक्षेत्र भारत-नेपाल सीमा चौकी पीपरोंन के जिम्मेवारी के इलाके में वाह्य सीमा चौकी पीपरोंन के जवानो द्वारा चैक पोस्ट ड्यूटी के दौरान मुख्य आरक्षी बरिंदर पाल के साथ अन्य जवानों द्वारा की गई कार्यवाही में भारतीय-नेपाल सीमा स्तम्भ संख्या 284/35 से 40 मीटर भारतीय क्षेत्र में एक नेपाली व्यक्ति उमेश महतो (उम्र 29 वर्ष) सुपुत्र विशेश्वर महतो, गांव कोरी नकतझड़, वार्ड नंबर -9, जिला -धनुषा (नेपाल) को प्रतिबंधित दवाइयां Exiplo»»f cough syrup (100 ML eÔch) :- 35 बोतलों , के साथ गिरफ्तार किया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति मोटरसाईकिल के ऊपर प्रतिबंधित दवाइयां लेकर भारत से नेपाल जा रहा था , स.सी.बल के जवानों को उक्त व्यक्ति के ऊपर संदेह होने पर उसे रोक कर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास उपरोक्त दवाइयों को बरामद किया, दवाइयां के बाबत पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति दवाइयां के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं देने पर जवानों द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया ।जब्त की गई दवाइयों, बरामद मोटरसाइकिल एवं गिरफ्तार संदिग्ध नेपाली व्यक्ति को अग्रिम कार्यवाही हेतु हरलाखी थाने के सुपुर्द कर दिया गया है ।भारत नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल लगातार अभियान चला रही है । आने वाले समय में भी इसी प्रकार अभियान चलाकर सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों को रोका जाएगा । श्री गोविंद सिंह भंडारी कमांडेंट, 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर ने बताया कि भारत नेपाल सीमा पर होने वाली तस्करी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिये विशेष अभियान के माध्यम से निरन्तर प्रयासरत है, ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्णरूप से प्रतिबंधित लगाया जा सके ।

मायावती का बिहार में खेल, रामगढ़ में राजद और भाजपा के राजपूत के मुकाबले बसपा का यादव

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार उपचुनाव में मायावती की बहुजन समाज पार्टी भी किस्मत आजमा रही है। रामगढ़ की विधानसभा सीट पर महागठबंधन और एनडीए ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। इस बीच बीएसपी ने भी प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है। दो राजपूतों के बीच यादव कैंडिडेट को उतारा है। रामगढ़ से महागठबंधन समर्थित आरजेडी प्रत्याशी अजित कुमार सिंह चुनावी मैदान में है। जो राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे हैं।वहीं एनडीए की ओर से बीजेपी प्रत्याशी अशोक कुमार सिंह हैं। जो इस सीट से विधायक भी रह चुके हैं। इस बीच बीएसपी ने सतीश कुमार यादव को बीएसपी प्रत्याशी के तौर पर चुनावी रण में उतारा है। आपको बता दें सतीश कुमार के चाचा अंबिका यादव पूर्व में विधायक रहे हैं। बसपा प्रमुख मायावती के निर्देश पर उनके नाम का ऐलान बिहार प्रदेश इकाई ने किया है। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो ने इसकी जानकारी दी है। रामगढ़ की सुधाकर सिंह के बक्सर से सांसद चुने जाने के बाद से खाली हुई थी।रामगढ़ सीट के जातीय समीकरण की बात करें तो राजपूत, यादव, रविदास, मुस्लिम मतदाता अहम भूमिका रही है। आरजेडी के सुधाकर सिंह इस सीट से 6 बार विधायक चुके गए हैं। इस बार बीएसपी भी बिहार उपचुनाव लड़ रही है। और कह चुकी है कि बसपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। किसी दल से किसी तरह का कोई गठबंधन नहीं करेगी।तरारी को छोड़ अन्य तीनों सीटों पर महागठबंधन और एनडीए के एक ही जाति के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। ऐसे में प्रभावी जातियों के वोटों का बिखराव रोकना दोनों गठबंधनों के लिए चुनौती है। सभी सीटों पर अन्य जातियां निर्णायक साबित हो सकती हैं। इन दोनों गठबंधनों के अलावा प्रशांत किशोर भी तीसरा कोण बनाने की जुगत में हैं।चार सीटों पर हो रहे उपचुनाव में परिवारवाद की भी खूब झलक दिख रही है। रामगढ़ से पूर्व विधायक नरेन्द्र कुमार पांडेय उर्फ सुनील पांडेय के पुत्र विशाल प्रशांत भाजपा के प्रत्याशी हैं। इमामगंज से हम के संरक्षक और केंद्रीय सूक्ष्म एवं लघु मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी ने अपनी बहू और राज्य सरकार में सूचना प्रावैद्यिकी मंत्री संतोष कुमार सुमन की पत्नी दीपा मांझी को उम्मीदवार बनाया।

भारतीय मित्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनेश्वर महतो ने कहा लूटने के लिए स्मार्ट मीटर लाए है

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के मलंगिया घाट टोल चौक पर भारतीय मित्र पार्टी के कार्यकताओं द्वारा एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया नुक्कड़ सभा को संबोधित करते भारतीय मित्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनेश्वर महतो ने कहा मोदी जी अच्छे दिन का सपने दिखाते दिखाते आज पूरे देश के सिस्टम को बेच दिया है लाल किला बेचा एयरपोर्ट बचा रेलवे बची लिक बची पेट्रोल डीजल बिजली सभी संस्थान को बेचने का काम किया हमारे बच्चों के भविष्य को बेच दिया अब कुछ नहीं बचा तो लूटने के लिए स्मार्ट मीटर लाए हैं सोचिए उन घरों का क्या हाल होगा जिनकी कमाई महीने में चार ?5000 है वह महीने में 2000 का रिचार्ज कराएंगे मोबाइल रिचार्ज कराएंगे आता राशन सब दवाई बच्चों का खर्च पढ़ाई लिखाई कहां से गरीब का बच्चा पूरा करेगा अब समय आ गया है जो जनता से धोखा करते हैं उनको जनता उनकी औकात दिखाएं जब बड़े-बड़े पैसे वाले प्रत्याशी बनेंगे तो हमारे देश में लोकतंत्र समाप्त होगा लोकतंत्र को बचाने के लिए जरूरी है हमें अपने बीच में से किसी गरीब के बेटा को प्रत्याशी बनाएं भारतीय मित्र पार्टी ने मधुबनी 35 बिषपी से रामावतार यादव को उम्मीदवार बनाया है घाटोल मलंगिया ईजरा की जनता पूरे जोश खरगोश के साथ एक साथ नारा लगाकर राम अवतार यादव को अपना समर्थन दिया है मौके पर उपस्थित मधुबनी जिला अध्यक्ष राजेश कुमार महतो संजय महतो रामविलास पासवान रामबाबू चौधरी उमेश भंडारी सेरो कार्यकर्ता उपस्थित थे

लोजपा (रामविलास) की 22 अक्टूबर को पटना में राज्य कार्यकारिणी की होगी बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक श्री राजू तिवारी की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 22 अक्टूबर 2024 को पटना के श्री कृष्ण चेतना परिषद दरोगा प्रसाद राय पथ सभागार में आयोजित की गई है। पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री माननीय श्री चिराग पासवान जी मौजूद रहेंगे। उक्त कार्यक्रम में पार्टी के सभी सांसद, प्रदेश कार्यकारिणी के सभी सदस्य, पार्टी के सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष तथा पार्टी के सभी जिला अध्यक्षों भी मौजूद रहेंगे। यह बैठक बिहार में होने वाले उप चुनाव में एनडीए के सभी सीटों पर जीत सुनिश्चित को लेकर तथा 28 नवंबर को पार्टी की स्थापना दिवस पर गांधी मैदान में आयोजित रैली को लेकर यह बैठक आहूत की गई है।

मां दुर्गा, राम दरबार, राधा-कृष्ण की मूर्ति तोड़ी

लाठी-डंडा लेकर भीड़ ने थाना घेरा, 3 घंटे जाम रही सड़क; एक आरोपी गिरफ्तार

भागलपुर । सन्हौला शिव शक्ति मंदिर में तोड़फोड़ के बाद जमकर हंगामा हुआ। असामाजिक तत्वों ने मंदिर में राम-लक्ष्मण, माता सीता, राधा- कृष्णा और मां दुर्गा की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। जिसके बाद लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। लोगों ने थाना परिसर में घुसकर जमकर हंगामा किया। लाठी-डंडे के साथ लोग सड़क पर उतर आए। सन्हौला से झारखंड को जोड़ने वाली मुख्य मार्ग को थाना के पास जाम कर दिया। घटना सन्हौला थाना क्षेत्र के तालाब स्थित दुर्गा मंदिर की है। स्थानीय लोग दोषी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इधर लोगों की भीड़ को देखते हुए मौके पर भारी फोर्स तैनात की गई। पुलिस-प्रशासन के समझाने पर करीब 3 घंटे बाद लोगों ने प्रदर्शन खत्म कर दिया है। प्रतिमा क्षतिग्रस्त की सूचना पर इलाके के सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। आक्रोशित लोगों का मांग है कि इस घटना में शामिल सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जाए। अपराधियों की जब तक गिरफ्तारी नहीं होती है तब तक हम लोग प्रदर्शन करते रहेंगे। आक्रोशित लोग लाठी-डंडे लेकर सड़क पर उतर रहे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल, स्पेशल फोर्स और कई थानेदार मौके पर पहुंच गए हैं। लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे। पुलिस ने बताया इस मामले में मूर्ति खंडित करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक की जा रही है। इलाके में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। पुलिस-प्रशासन के समझाने के बाद लोगों ने जाम खत्म कर दिया है। जिसकी गिरफ्तारी हुई है, वह विक्षिप्त युवक है। जिसे पुलिस अपने हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। गिरफ्तारी के बाद भी लोग प्रदर्शन कर रहे थे क्योंकि लोगों का कहना था कि एक आदमी ऐसा नहीं कर सकता है। लोगों का आरोप है कि 10 लाख से अधिक के जेवरात की चोरी हुई है। फिलहाल मामले को सुलझा लिया गया है। रविवार की सुबह करीब 7 बजे पुजारी मंदिर पहुंचे थे तो देखा कि 6 मूर्तियां टूटी हुई थी। पुजारी ने ग्रामीणों को सूचना दी। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंचे और थाना गेट के सामने विरोध जताना शुरू कर दिया, तीन घंटे तक सड़क जाम किया। जिसके बाद पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले एक विक्षिप्त को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा कि 10 लाख के जेवर चोरी हुए हैं, पर पुलिस पुष्टि नहीं कर रही। पुजारी ने बताया कि एक व्यक्ति मंदिर में घुसा था। प्रशासन

संक्षिप्त डायरी

पटना के 31 पीएमश्री दर्जा प्राप्त स्कूलों में लगेंगे कैमरे, यूनिफॉर्म में ही आना होगा

पटना। जिले के पीएमश्री से दर्जा प्राप्त 31 स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों और यहां की हर गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाया जाएगा। यह कैमरा वर्ग कक्ष से लेकर पूरे कैंपस में लगाया जाएगा। जिला शिक्षा कार्यालय के अनुसार जिले के 31 स्कूलों पीएमश्री दर्जा के लिए चयन किया गया है। ऐसे सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों को प्रतिदिन यूनिफार्म में आने के लिए कहा गया है। प्राथमिक स्तर के स्कूल में कुछ बच्चे यूनिफार्म में नहीं आते हैं तो उन पर दबाव नहीं दिया जाता है। लेकिन पीएमश्री की श्रेणी में आने वाले स्कूल में विद्यार्थियों को यूनिफार्म में आना अनिवार्य है। यदि यूनिफार्म में नहीं आते तो उनको स्कूल में प्रवेश नहीं मिलेगा। बच्चे अनुशासन में दिखें, इसपर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जिले के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से स्कूलों में बन रहे रैन हार्वेस्टिंग की सूची मांगी है। जिले के कुछ स्कूलों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण किया गया है। इसमें पीएमश्री दर्जा के लिए चयनित स्कूल भी शामिल है। जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा है कि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं सहायक अभियंता यह बताएंगे कि इस कार्य से विद्यालयों को लाभ हो रहा या नहीं। विद्यालय का नाम, रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कब बनकर तैयार हुआ, कार्य कर रहा है या नहीं और प्रखंड एवं स्कूल के नाम के साथ भेजने के लिए निर्देशित किया है। माध्यमिक, उच्च माध्यमिक एवं पीएमश्री की श्रेणी में आने वाले प्रत्येक स्कूलों में कक्षा नौ से 12 वीं तक की पाठ्य पुस्तक की एक-एक सेट लाइब्रेरी में रखा जाएगा। जिला शिक्षा शिक्षा कार्यालय ने जिले के सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से लाइब्रेरी में पाठ्य पुस्तक रखने के लिए सूची मांगी है। इसके अलावा लाइब्रेरी में प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित पत्रिका, हिंदी एवं अंग्रेजी के एक अखबार भी रखना अनिवार्य है।

डेंगू और चिकनगुनिया के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया

पटना। शहरी क्षेत्र में डेंगू एवं चिकनगुनिया का प्रकोप बना हुआ है। इसी को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क है। इससे निपटने के लिए अलर्ट मोड में काम किया जा रहा है। इसी क्रम में पटना के सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को डेंगू व चिकनगुनिया के खतरे के बारे में जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें बचाव की जानकारी दे रहे हैं। वनिता विहार बालक मध्य विद्यालय, राजेंद्रनगर में छात्रों को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रविशंकर सिंह ने कहा कि डेंगू एवं चिकनगुनिया से बचने के लिए घर में साफ-सफाई पर ध्यान रखें, कूलर और गमले का पानी रोज बदलें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, मच्छर भगाने वाली क्रीम का इस्तेमाल दिन में करें, स्कूल में पूरी आस्तीन के कपड़े पहन कर आएं, आस-पास गंदगी जमा नहीं होने दें एवं अपने दोस्तों को भी डेंगू से बचने के उपाय बताएं। वहीं, बेली रोड स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय नंबर-2 में बच्चों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि यदि डेंगू एवं चिकनगुनिया के मरीज को नाक एवं जबड़े से खून आने लगे अथवा काला रंग का शौच हो तो अविलंब डॉक्टर को दिखाएं। यह गंभीर स्थिति का सूचक है। स्कूल के बच्चों को संबोधित करते हुए जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी, डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद ने कहा कि डेंगू के लक्षण सात दिन में स्पष्ट होने लगते हैं। दर्द, उल्टी, बुखार, आंखों के पीछे दर्द होना इसके विशेष लक्षण हैं। दर्द से बुखार आ जाता है, जिसे हड्डी तोड़ बुखार भी कहते हैं। एक व्यक्ति के बुखार से संक्रमित होने पर इसका खतरा अन्य लोगों को भी होता है। घर के आसपास सफाई रखें। जलजमाव नहीं होने दें। मच्छर के पनपने का कोई रास्ता नहीं छोड़ें। इससे डेंगू समेत मच्छर जनित अन्य बीमारियों से भी बचाव होगा।

कर्ज लेने वालों पर बैंक ने चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई

पटना। एचडीएफसी बैंक की ओर से जब्त किए गए कुछ सामानों की चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। यह संपत्ति बाढ़ के एक व्यक्ति को दिए गए ऋण के पैसे चुकता नहीं होने के बाद जब्त की गई थी। इस मामले में एचडीएफसी बैंक के अधिकारी ने थाने में केस दर्ज कराया है। जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि एचडीएफसी बैंक ने मेसर्स जय मां दुर्गा इन्स्ट्रीज को ऋण दिया था। इसके प्रोपाइटर अरविन्द कुमार हैं। इसमें कई लोग बंधक कर्ता व गारंटर हैं। ऋण की राशि नहीं चुकाने के कारण उपरोक्त नामित ऋणी का ऋण खाता एनपीए हो गया तथा ऋण की वसूली के लिए बैंक ने ऋणी पर कार्रवाई की। बैंक के आवेदन पर जिला समाहर्त्ता सह दण्डाधिकारी, पटना ने दिनांक 17 जनवरी 2023 को दण्डाधिकारी एवं पुलिस की प्रतिनियुक्ति संबंधी आदेश पारित किया। इस आदेश के आलोक में दिनांक 15 जून 2023 को पुलिस एवं दण्डाधिकारी के समक्ष बंधक सम्पति,वाजितपुर थाना बाढ़ जिला पटना पर भौतिक दखल कब्जा लिया गया। भौतिक दखल कब्जा के समय सभी चल सम्पतियों की सूची बनाई गई थी तथा इसी परिसर में इसे पुलिस एवं दण्डाधिकारी के समक्ष सील बंद कर दिया था। बैंक अधिकारी का कहना है कि 17 अक्टूबर 2024 को अपराह्न करीब 4 बजे वहां के स्थानीय लोगों की ओर से बैंक कर्मी को सूचना दिया गया कि उक्त परिसर का पिछला दरवाजा तोड़कर सामान की चोरी हो रही है।

आरसीपी का भाजपा से मोहभंग

जदयू के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रहे आरसीपी सिंह भाजपा में गए थे, पर वहां तवज्जो नहीं मिली

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह का भाजपा से मन भर गया है। अब वे नई पार्टी बनाएंगे। बोले- ह्यनई पार्टी, प्रदेश और समाज के लिए बहुत जरूरी है। वे शनिवार को मीडिया से मुखातिब थे। उन्होंने कहा- ह्यराजनीतिक कार्यकर्ता बेहद निराश हैं। यह प्रदेश और समाज के लिए खतरनाक स्थिति है। प्रदेश और समाज की चौतरफा बेहतरी के लिए राजनीतिक कार्यकताओं में उत्साह की बहुत जरूरत है। मैंने पिछले 4 महीनों में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। कार्यकर्ता, शुभचिंतकों से लेकर आम लोगों से बात की। सबका यही कहना रहा कि राजनीतिक तौर पर कुछ नया होना चाहिए। नई पार्टी बननी चाहिए, जो सार्थक विकल्प हो। सो, हमने नई पार्टी बनाने की बात तय की है।ह्न उनके अनुसार, मैंने 6 अगस्त 2022 को जदयू छोड़ा। तब से बड़ी संख्या में नेता-कार्यकर्ता हमारे साथ हैं। मैंने इन सबका भी फीडबैक लिया। इन्होंने भी नई पार्टी बनाने की बात कही। आरसीपी सिंह जदयू में नेक्स्ट टू की हैसियत में रहे। जब नीतीश कुमार केंद्र में मंत्री थे, तब से आरसीपी उनके साथ रहे। नीतीश के मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उनके साथ रहे। पार्टी संगठन से जुड़े। राज्यसभा भेजे गए। पार्टी के कोटे से केंद्र में मंत्री बने। हालांकि, उनका मंत्री बनना बहुत विवादास्पद रहा। खुद जदयू के बड़े नेताओं ने कहा कि वे अपने मन से मंत्री बन गए, जबकि पार्टी

ने उनको केंद्रीय मंत्रिमंडल में हिस्सेदारी के लिए भाजपा नेतृत्व से बात करने को कहा था। मगर वे खुद ही मंत्री बन गए। इसके बारे में जदयू नेतृत्व से सहमति नहीं ली। आरसीपी पर भाजपा के साथ मिलकर जदयू को तोड़ने का आरोप लगा। राजीव रंजन सिंह ह्यललनह्न आदि नेताओं ने उन्हें ह्यभाजपाई एजेंटह्न कहा। यहां तक की नीतीश कुमार ने भी काफी कुछ कहा। आरसीपी ने इन तमाम बातों को कई मौकों पर खारिज किया। कहा- ह्यनीतीश कुमार को घेरे हुए कॉकस ने मुझे साजिशन उनसे दूर कर दिया।ह्न बहरहाल, आरसीपी जदयू छोड़कर भाजपा में आ गए। तब जदयू, राजद के साथ मिलकर सरकार चला रहा था। कुछ दिन बाद जदयू खुद भाजपा के साथ हो गया। यह स्थिति आरसीपी के लिए बहुत परेशान करने वाली रही। जदयू के साथ होते ही भाजपा ने उनको ठंडा कर दिया। यानी कोई जिम्मेदारी या तवज्जो नहीं मिली। लोकसभा चुनाव के दौरान तो आरसीपी बिहार में दिखे भी नहीं। हां, इन सबके बाद पहली बार उनकी तरफदारी के पोस्टर-बैनर राजधानी में जरूर दिखे।

लोग बोले: मैडम के कहने पर ड्राइवर ने गाड़ी चढ़ाई

सारण में उत्पाद विभाग की गाड़ी ने दो शराब तस्करों को कुचला, एक की मौत

सारण । उत्पाद विभाग की गाड़ी ने दो शराब तस्करों को कुचल दिया। इस घटना में एक शराब तस्कर की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे की हालत गंभीर है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सोनपुर के दुधैला बाईपास चौक के पास भिनक टोला की है। हादसे के बाद मौके से उत्पाद विभाग के पुलिस अधिकारी स्कॉर्पियो को गड्ढे में छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक स्कॉर्पियो से उत्पाद विभाग की टीम बाइक सवार शराब तस्करों का पीछा कर रही थी। गाड़ी में बैठी महिला पुलिस कर्मी ने स्पीड बढ़ाने को कहा और चालक ने गाड़ी तेज कर दी। इसके बाद बाइक सवार तस्कर उत्पाद विभाग की गाड़ी की चपेट में आ गए। स्थानीय निवासी रंजन कुमार का आरोप है कि घटना के बाद पुलिस वालों ने गाड़ी बैक कर लाश पर चढ़ाई। वहीं, घटना के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क गया और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बाद सोनपुर थाना के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों को समझाकर मामले को शांत कराया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान बाबुरबानी गांव निवासी सुरेश राय के बेटे सुजीत कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिवार वाले घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय इंद्रजीत राय ने बताया कि सुजीत समेत 2 लोग बाइक से घास लेने जा रहे थे। इतने में एक्साइज की गाड़ी ने उनको कुचल दिया। प्रशासन की गाड़ी स्पीड में थी। उसमें एक मैडम बैठी थीं। बाढ़ आने से सब दह गया है इसलिए ये लोग घास लेकर आ रहे थे। सुजीत शादीशुदा था, उसके परिवार का क्या होगा। हम लोग दोषी पुलिसवालों के खिलाफ सजा देने की मांग करते हैं। सारण एसपी डॉ कुमार आशीष ने बताया कि मृतक शराब डिलिवरी एजेंट था। उसे पकड़ने के लिए उत्पाद विभाग के अधिकारी स्कॉर्पियो से पीछा कर रहे थे। तभी स्कॉर्पियो के चपेट में आ गए, जिसमें से युवक की मौत हुई है। वहीं, सोनपुर थाना अध्यक्ष राजनंदन ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को दे दिया गया है।

8053 पंचायतों के मुखिया की कलमबंद हड़ताल जारी

पटना। राज्य की 8053 पंचायतों के मुखिया मनरेगा योजना में व्यापक सुधार को लेकर 15 अक्टूबर से कलम बंद हड़ताल पर हैं। राज्य से मजदूरों का पलायन रोकने के लिए 100 की जगह 200 दिन काम मिलने, मजदूरी दर 245 से बढ़ाकर 350 रुपए करने और 5 लाख की जगह 20 लाख की योजना की मंजूरी मिलने की मुख्य मांगों को लेकर हड़ताल की गई है। बिहार मुखिया महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय ने बताया कि 15 अक्टूबर से राज्य की किसी भी पंचायत में मजदूरों द्वारा मुखिया और कार्यक्रम पदाधिकारी से रोजगार हेतु आवेदन नहीं किया गया है। पर प्रखंड स्तर के अधिकारी आंकड़ों की जादूगरी दिखाकर कलमबंद हड़ताल को विफल करने में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि किसी भी पंचायत में मजदूर काम नहीं कर रहे, बावजूद प्रखंड स्तरीय अधिकारी काम दिखा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मनरेगा में व्यापक सुधार हेतु आवश्यक कदम नहीं उठाया गया तो मुखिया अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। यह भी कहा कि समय रहते मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी और प्रखंड स्तरीय मनरेगा से जुड़े अभियंता सचेत नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध पोल खोल अभियान चलाया जाएगा।

छठ तक 10-10 अतिरिक्त सफाईकर्मी वार्डों को मिलेंगे

पटना। शहर में त्योहारी रौनक को बढ़ाने के लिए पटना नगर निगम की ओर से कई स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। खासकर वार्डों और कॉलोनियों को साफ-सुथरा रखने के लिए विशेष पहल की गई है। निगम प्रशासन ने निर्णय लिया है कि छठ महापर्व तक शहर के सभी 75 वार्डों में बेहतर साफ-सफाई के लिए 10-10 अतिरिक्त सफाई कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके साथ ही मोहल्ले में कचरा उठाने वाले वाहनों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। ऐसे में कचरा उठाव करने वाले वाहन दिनभर में दो बार वार्डों में चक्कर लगाएंगे। इसके अलावा शहर के सभी छह अंचलों में एक-एक पिंक टॉयलेट की सुविधा शुरू होगी। फिलहाल दो पिंक टॉयलेट का निर्माण कर लिया गया है। नगर निगम ने दावा किया है कि दीपावली से पहले शहर के चौक-चौराहों पर 20 नई हाईमास्ट लाइट लगाई जाएंगी। इसके लिए टेंडर फाइनल करते हुए एजेंसी को वर्क ऑडर जारी हो गया है। इसके अलावा 10 स्वीपिंग मशीन के संचालन और रखरखाव के लिए पुरानी एजेंसी के समय को बढ़ा दिया गया है। अब नया टेंडर होने तक उसी एजेंसी से काम कराया जाएगा।

जिसकी हत्या में पति-ससुर को 3 साल जेल, वो लौट आई

ससुर को मेले में दिखी तो पुलिस बुलाई, बोली- पिता की मुझपर गंदी नीयत थी

भोजपुर । विवाहिता की हत्या के आरोप में पति, ससुर और भसुर को तीन साल तक जेल में रहना पड़ा। लेकिन, इस मामले में तब ट्वीस्ट आया, जब मृतक विवाहिता 4 साल बाद लोगों के सामने जिंदा आ गई। महिला के ससुर ने उसे 8 अक्टूबर को एक मेले में देखा और फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने महिला से पूछताछ शुरू की तो यह पता चला कि 4 साल पहले वो अपने पिता की गंदी हरकतों से तंग आकर मायके से भाग गई थी और उसने दूसरी शादी कर ली। महिला ने पुलिस को यह भी बताया कि हमारी हत्या के आरोप में पति-ससुर को जेल जाना पड़ा है। इस मामले की शुरूआत अक्टूबर 2020 से हुई। पुलिस को महिला ने बताया कि मां की मौत के बाद मैं मायके जनकपुरिया रहती थी। मेरे पिता कहते थे कि तुम्हारा पति साथ में नहीं रहता है। इसलिए तुम मेरे साथ

रहो। तुम मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाओ। मैं कैसे उनके साथ गलत काम करती। जिसने पैदा किया, वही ऐसा काम करने की कोशिश करता था। पिता से तंग आ गई थी। एक दिन सुसाइड करने के लिए आरा रेलवे स्टेशन पहुंची। मैं चलती ट्रेन के आगे कूदने की तैयारी में थी। तभी एक युवक अजय ने मेरा हाथ पकड़ लिया और मुझे बचा लिया। मैंने उसे अपनी पूरी कहानी बताई। इसके बाद वो मुझे अपने घर मीरगंज ले गया। वहां दो दिनों बाद हमने शादी कर ली। इधर, पीड़ित पति ने बताया कि 'मेरी शादी 3 मई 2015 को हुई थी। शादी के एक साल बाद बेटा हुआ, लेकिन पत्नी की लापरवाही से उसकी अस्पताल में मौत हो गई। 2016 में सास तेतरा देवी की मौत के बाद मेरे पूरे परिवार ने पैसा इकट्ठा कर श्राद्ध कर्म कराया

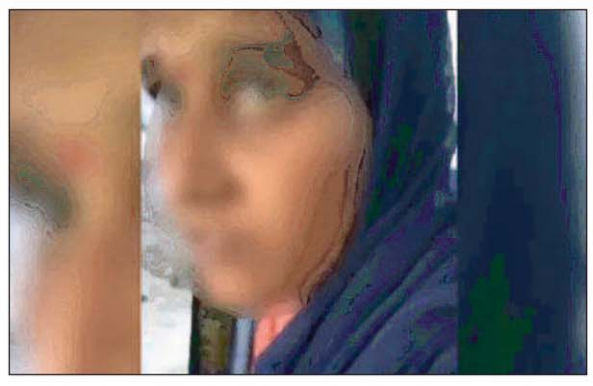

था। मेरी पत्नी का कोई भाई नहीं है। वो मायके अपने पिता के पास चली गई। ससुर मेरी पत्नी को मारते-पीटते थे। ससुर ने पत्नी को डरा धमका कर मेरे परिवार के खिलाफ महिला थाने में दहेज प्रताड़ना का केस करवा दिया। रिश्तेदार भी जान से मारने की धमकी देते थे। पीड़ित पति ने बताया कि एक दिन पत्नी मायके से भाग गई और फिर वो काफी दिनों तक मिली नहीं।' महिला के पति ने बताया कि '29 अक्टूबर 2020 को सहार थाना क्षेत्र के खड़ाव गांव के सोन नदी से एक अज्ञात महिला का शव मिला था। मेरे ससुर ने उस महिला की डेड बॉडी की पहचान अपनी बेटी के रूप में की थी। इसके बाद मेरे, मेरे बड़े भाई और पिता पर हत्या का आरोप लगा दिया। पुलिस ने हम लोगों को घर से पुल के पास बुलाया। इसके बाद हम दोनों भाइयों की बेहरमी से पिटाई की। हम कहते रहे कि यह मेरी पत्नी की लाश नहीं है, लेकिन किसी ने मेरी बात नहीं मानी। बिना जुर्म किए हमें करीब तीन साल तक जेल में रहना पड़ा। मेरा ससुर थाने पर झूठे आंसू दिखाकर पुलिस से कह रहा था कि मेरी बेटी को इन लोगों ने मारा है। तीन साल तक मेरी मां और बड़े भाई के छोटे-छोटे बच्चे दरझदर भटक रहे थे।' लड़के की मां ने बताया कि 'मेरे छोटे बेटे ने पुलिस के डर से पढ़ाई छोड़ दी थी। उस वक्त घर के कमाने वाले लोग जेल चले गए थे। सिर्फ महिला थी। दूसरे के घर जाकर काम करती थी और परिवार का पालन-पोषण करती थी। मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य किसी ने मदद नहीं की। खाने का एक दाना भी नहीं मिलता था। किसी तरह अपनी हिम्मत को बरकरार रखा और पूरे परिवार को एक साथ लेकर चली।'

अनाथालय से 9 लड़कियों के भागने का मामला

7 का नहीं लगा अब तक पता, DM के आदेश पर बालिका गृह कराया खाली

लखनऊ। के अलीगंज स्थित श्रीराम औद्योगिक अनाथालय में रहने वाली 9 बालिकाओं के भागने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। प्रशासन ने आनन-फानन में वहां रहने वाली सभी बालिकाओं को विरोध के बीच रातों रात सरकारी संरक्षण गृह भेज दिया। सुरक्षा के नाम पर अब तक प्रशासन ने क्या इंतजाम किए इस पर कोई बोलने को तैयार नहीं है।अधिकारी सुरक्षा के सवाल पर परिसर में CCTV कैमरा लगा होने की बात कहकर पल्ला झाड़ ले रहे हैं। इसका नतीजा रहा कि आश्रय गृह से नौ लड़कियां ग्रिल की जाली काटकर भागने में कामयाब रहीं। अब तक 2 दो लड़कियों को बरामद किया जा चुका है। बाकी की तलाश की जा रही है। अनाथालय से बालिकाओं के भागने के बाद प्रशासन ने जांच के बाद कठोर कदम उठाए। उट सूर्यपाल गंगवार ने जांच के बाद सभी लड़कियों को राजकीय

बालिका गृह भेजने के निर्देश दिए। जब प्रशासन की टीम वहां पहुंची तो लड़कियों ने इसका विरोध किया। काफी देकर तक गहमागहमी का माहौल रहा। इसके बाद लड़कियों को वहां से ले जाया गया। अनाथालय में सुरक्षा के नाम पर 3 होमगार्ड की ड्यूटी 8-8 घंटे के हिसाब से लगती है। वहीं परिसर में 9 कैमरे लगे हैं। जिस तरफ से लड़कियां भागीं। उधर कैमरा नहीं होने की बात बताई कही जा रही है। इससे साफ है कि छात्राओं को पता था कि पीछे की तरफ से भागने में वह कैमरे में कैद नहीं होंगी। इसी के चलते उन्होंने रूम नंबर 2 के बाथरूम की तरफ की ग्रिल काटी। जिसके बाद एक-एक कर निकल भागीं।श्रीराम औद्योगिक अनाथालय में नौ बालिकाओं के भागने के बाद प्रशासन की नींद टूटी। सूचना मिलते ही डीएम सूर्यपाल गंगवार के साथ ही महिला कल्याण समेत समाज कल्याण के तमाम अधिकारियों ने मौके पर पहुंचे। वहीं जिलाधिकारी ने डीपीओ विकास सिंह को मामले की जांच के आदेश दे दिए। रात होते-होते अनाथालय को खाली कराने के आदेश आ गए। जिसके बाद वहां रहने वाली लड़कियों के भारी विरोध के बाद उन्हें राजकीय बाल संरक्षण गृह पारा भेज दिया। अब वृद्धा आश्रम चलाने के निर्देश जिसके चलते ट्रस्ट की ओर से संचालित इस संस्था को अब वृद्धाश्रम के रूप में चलाया जाएगा। यहां अब पांच साल तक के बच्चों और बुजुर्गों को आश्रय गृह के तौर पर विकसित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। 9 नाबालिग लड़कियां में सभी की उम्र 16-17 के बीच है। सभी पॉस्को पीड़िता है। दो लड़कियों को करीब 3 घंटे बाद बरामद किया गया था। वे पुरनिया के पास बस का इंतजार कर रही थीं। इनमें से एक जम्मू और दूसरी बहराइच की रहने वाली है। अन्य की तलाश में रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप और उनके जिलों को जाने वाले मार्गों पर तलाश की गई, लेकिन पुलिस का सफलता नहीं मिली।

लड़कियों ने किया विरोध

अनाथालय से बालिकाओं के भागने के बाद प्रशासन ने जांच के बाद कठोर कदम उठाए। DM सूर्यपाल गंगवार ने जांच के बाद सभी लड़कियों को राजकीय बालिका गृह भेजने के निर्देश दिए। जब प्रशासन की टीम वहां पहुंची तो लड़कियों ने इसका विरोध किया। काफी देकर तक गहमागहमी का माहौल रहा। इसके बाद लड़कियों को वहां से ले जाया गया।

संक्षिप्त डायरी

सड़क हादसे में महिला की मौत

बस्ती। हरैर्या थाना क्षेत्र के बेलाडे शुक्ल चौराहे के पास गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 55 वर्षीय सुलोचना देवी की जान चली गई। यह हादसा तब हुआ जब वह अपने पति गिरजेश के साथ सुल्तानपुर से एक गृह प्रवेश कार्यक्रम में शामिल होकर वापस घर लौट रही थीं। हाईवे पार करते समय हुआ हादसा सुलोचना देवी और उनके पति बेलाडे शुक्ल चौराहे पर शाम करीब आठ बजे बस से उतरकर अपने घर जाने के लिए हाईवे पार कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन ने सुलोचना देवी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने किया मृत घोषित पति गिरजेश ने तुरंत एंबुलेंस बुलाई और सुलोचना देवी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हरैर्या पहुंचाया। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, जिससे परिवार में गहरा शोक छा गया है। गांव में पसरा मातम सुलोचना देवी की असमय मौत से गांव में मातम छा गया है। परिवारवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में पहले भी सड़क हादसे हो चुके हैं, लेकिन अज्ञात वाहन चालकों का पता नहीं चल पाता है। पुलिस ने शुरू की जांच पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। हाईवे के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है ताकि दुर्घटना के जिम्मेदार वाहन और उसके चालक की पहचान हो सके।

राजस्व परिषद के अध्यक्ष के सामने फूट-फूटकर रोई महिला

बस्ती। हरैया तहसील में राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार, आयुक्त डॉ. अखिलेश सिंह और डीएम रवीश गुप्ता ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्र की समस्याओं का जायजा लेने के लिए अधिकारियों ने जनता से संवाद किया। महिला ने सुनायी आपबीती निरीक्षण के दौरान एक पीड़ित महिला अधिकारियों के पास पहुंची और उनके पैर पकड़कर न्याय की गुहार लगाई। महिला ने बताया कि उसके आवास पर जबरन कब्जा किया गया है, और वह लंबे समय से इस समस्या से जूझ रही है। उसने अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन पहले उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया गया था। प्रशासन की प्रतिक्रिया अधिकारियों ने महिला की शिकायत को गंभीरता से लिया और उसे आश्वासन दिया कि मामले की जांच कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने प्रशासन के सामने स्थानीय स्तर पर कब्जे की समस्या को फिर से उजागर किया, जिससे इसे हल करने के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। विकास कार्यों की समीक्षा निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय जनता की समस्याओं को समझने का प्रयास किया, जिससे पीड़ित महिला को न्याय की उम्मीद जगी है और प्रशासन की तत्परता ने जनता का भरोसा बढ़ाया है।

डॉ. आम्बेडकर की प्रतिमा तोड़ी

बस्ती। के कप्तानगंज थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में मनबढ़ युवक ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा को तोड़ दिया। प्रतिमा खंडित होने के चलते वह चबूतरे से उखड़कर भूमि पर जा गिरी, जिसे लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है और अब वे नई प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग कर रहे हैं। घटना उक्त थाना क्षेत्र के तेलियाडीह गांव की है। गांव के ही युवक जयचंद चौहान पर आरोप है कि उसने शुक्रवार की रात्रि में डॉक्टर आम्बेडकर की प्रतिमा को तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि उसने कुछ लोगों के उकसाने पर ऐसा काम किया है, इस बात की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को हुई उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। डॉक्टर आम्बेडकर की प्रतिमा खंडित होने को लेकर ग्रामीण अब उक्त स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग कर रहे हैं। प्रशासन नई प्रतिमा स्थापित करने के इंतजाम में लगा हुआ है। हरैर्या में प्रतिमा न होने के चलते सोनूपार से अब नई प्रतिमा मंगाई जाएगी। पुलिस ने शुरू की मामले की जांच घटना को लेकर एसओ कप्तानगंज दीपक दुबे ने बताया कि जानकारी होने पर पुलिस टीम मौके पर गई थी, तहरीर प्राप्त होते ही युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है, ग्रामीण नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग कर रहे हैं। नई प्रतिमा लगवाई जाएगी, स्थिति सामान्य है।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 120 का हुआ पंजीकरण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद में स्थित बृद्धाश्रम में सीएचसी कसया के अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुवेर्दी के निर्देश पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 120 बृद्धजनों का पंजीकरण कर 92 की स्वास्थ्य जाँच की गयी। जिसमें चिकित्सको की टीम द्वारा बीपी,सुगर तथा सी 19 के द्वारा पोर्टेबल एक्सरे मशीन द्वारा 55 बृद्धजनों के एक्सरे किया गया तो वही क्षयरोग के टीम के सदस्यों द्वारा सभी के टीबी लक्षणों की स्क्रीनिंग करते हुई सम्भावित व्यक्तियों के बलगम के नमूने एकत्रित कर जाँच हेतु सीएचसी पर लाया गया। चिकित्सको द्वारा सभी बृद्धजनों की स्वास्थ्य की जाँच कर उन्हें दवा भी वितरित किया गया। बताते चले कि सीएचसी के स्वास्थ्य टीम द्वारा समय समय पर शिविर लगाकर बृद्धजनों के स्वास्थ्य की जाँच की जाती हैं। स्वास्थ्य टीम में डॉ संजय सिंह, डॉ सावित्री सिंह, वरिष्ठ क्षयरोग प्रयोगशाला पर्यवेक्षक आशुतोष कुमार मिश्र, एसटीएस शाहिद अंसारी, सीएचओ कल्पना, वीरेंद्र शर्मा, मीरा दुबे, सी 19 टीम से अर्चना गुप्ता,अवनीश आदि उपस्थित रहे। बृद्धाश्रम के प्रबंधक रागिनी सिंह रज्जू द्वारा स्वास्थ्य टीम के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान रुचि, ऋषभ, रमावती, सुजीत, मनोज पांडेय,अरुव आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोपालगढ़ पर स्वास्थ्य कैम्प आयोजित कर। 125 व्यक्तियों का रजिस्ट्रेशन कर उनके बीपी,सुगर की जांच कर 106 व्यक्तियों का एक्सरे सी 19 की टीम द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ पल्लवी सिंह,डॉ नाजरीन,अमजद अली,सीएचओ पूनम, एएनएम अंकिता त्रिपाठी, सन्ध्या, सुमित्रा सहित सभी आशा बहुए उपस्थित रही।

मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्तम कृतिः साध्वी सुबुद्धा भारती

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के पावानगर महावीर इंटर कालेज में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय संगीतमयी हरि कथामृत के चौथे दिन कथा सुनाते हुए साध्वी सुबुद्धा भारती ने कहा कि मानव जीवन पाने का एक मात्र उद्देश्य ईश्वर को प्राप्त करना है ।अन्यथा यह जीवन व्यर्थ है। कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि दुर्लभ मानव जीवन का उद्देश्य भोग-विलास का जीवन नहीं है अपितु जीवन का प्रमुख उद्देश्य भगवत प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्त कर जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति पाना है। मनुष्य को ईश्वर की सर्वोत्तम कृति कहा गया है, मानव जीवन क्षणभंगुर होने के कारण धन, स्त्री, संतान आदि की प्राप्ति ही जीवन का उद्देश्य मान लेता है। लेकिन इनकी प्राप्ति से मनुष्य को क्षणिक सुख भले ही मिल जाए, मगर स्थाई सुख एवं आनंद की प्राप्ति केवल ईश्वर की शरण में परमानंद की प्राप्ति से ही संभव है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता में यह कहा गया है कि मनुष्य शरीर प्राप्त करके भी जो परमात्मा को पाने का प्रयास नहीं करता तथा जीवन रूपी भवसागर को पार करने का प्रयास नहीं कर पाता, वह आत्महंता की तरह है। भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को उपदेश देते हुए यही कहा है कि मनुष्य को अपने उद्धार के लिए स्वयं प्रयत्नशील होना चाहिए, क्योंकि मनुष्य स्वयं अपना मित्र तथा स्वयं ही अपना शत्रु भी है। मनुष्य पृथ्वी पर जन्म लेने के उद्देश्य से भटककर अपनी ही आत्मा से शत्रुता कर रहा है। यह सब मनुष्य के बहिमुर्खी होने के कारण हो रहा है, आज का मनुष्य बाहर की दुनिया की चकाचौंध तो देख रहा है किंतु अपने मन के अंधेरे को नहीं देख पा रहा है।कथा का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा तथा रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड ने दीप प्रज्वलित व व्यास गद्दी का पूजन कर किया कर कराया। इस दौरान प्रधानाचार्य डा.अक्षयवर पाण्डेय, मनंजय तिवारी निर्मल, जीतेंद्र प्रजापति, दुर्गेश सिंह, रामाधार वर्मा, शेषमुनि गुप्ता आदि उपस्थित थे।

संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर कस्बे के एक निजी मैरेज हाल में एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विकास खण्ड के सभी ग्राम प्रधान, प्राथमिक व जूनियर हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक सहित प्रबंध समिति के लोगों ने भाग लिया। मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रम जैसे डीबीटी, आपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत मिशन आदि की सफलता के लिए

शिक्षक ग्राम प्रधान सहित विद्यालयों के प्रबंध समिति सदस्य सभी का सामूहिक प्रयास बहुत जरुरी है। इसके लिए शिक्षक सबका सहयोग लेकर कार्य करें तो निश्चित ही बेहतर परिणाम सामने आयेंगे। खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय पाल नारायण तिवारी ने कहा कि शासन के मंशा के अनुसार बेसिक शिक्षा विभाग में गरीब असहाय और वंचित वर्ग के बच्चों के पठन-पाठन पर विशेष ध्यान रखते हुए उन्हें विद्यालय की ओर आकर्षित किया जाए। इसके अलावे विद्यालय परिसर में स्वच्छता पर भी ध्यान दिया जाय। संगोष्ठी को प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कुशवाहा, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विद्यासागर पाण्डेय, जूनियर शिक्षक संघ की प्रांतीय संयुक्त मंत्री कलमदानी सिंह जीतेंद्र सिंह आदि ने संबोधित किया। संगोष्ठी का संचालन आरती दुबे ने किया।इस दौरान बीएस त्रिपाठी, शंभू बरनवाल, सुबोध कुमार सिंह, शंभू सिंह, अजीत राय, संदीप त्रिपाठी, अखण्ड प्रताप शाही, मंजू सिंह, इन्दु गोंड, उषा सिंह, अरुण राय आदि उपस्थित रहे।

लेखपाल संघ ने प्रमुख सचिव को सबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कसया को सौंपा

झूठे मामले में एंटी करप्सन टीम द्वारा बिना जांचे फंसाने का आरोप

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। लेखपाल संघ कसया तहसील द्वारा प्रमुख सचिव गृह को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कसया को सौंपकर एंटी करप्शन टीम द्वारा लेखपालों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही रोकने की मांग की। शनिवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर तहसील पहुंचे लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष नीलेश रंजन राव, कसया तहसील के कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, तहसील मंत्री सुनील कुशवाहा ने उपजिलाधिकारी कसया को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि एंटी करप्सन/विजिलेंस की टीम साजिश के तहत लेखपालों को झूठे मामलों में फंसा कर उन्हें जबरन ट्रैक कर रही है। लेखपाल राजस्व विभाग का फील्ड कर्मचारी होता है। भूमि विवाद में एक पक्ष असंतुष्ट हो जाता है। और वह लेखपाल को क्षेत्र की राजनीति में घसीट लेता है। जिसमें लेखपाल पर रिश्वत लेने का गलत आरोप लगाया जाता है। जांच टीम शिकायतकर्ता से जबरन पैसा दिलवाकर लेखपाल को गिरफ्तार कर लेती है। महराजगंज जिले में एक लेखपाल की हुई गिरफ्तारी को भी गलत बताया गया। इस तरह लेखपालों की छबि को खराब करने के लिए ऐसी कार्रवाई न हो। लेखपाल संघ ने कहा कि कार्रवाई के पूर्व जांच टीम को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि क्या शिकायत कर्ता ने पूर्व में लेखपाल या किसी कर्मचारी के विरुद्ध रिश्वत मांगने की शिकायत प्रशासनिक स्तर पर की थी या नहीं। ऐसे मामलों में जांच टीम द्वारा जबरन ट्रैक करने की कार्रवाई पर रोक लगाया जाना जरूरी है।

युद्ध के मुहाने पर खड़ी दुनिया के लिए बुद्ध के संदेश सबसे बड़ी जरूरतः प्रो0 सदानंद साही

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध दुनिया में भारतीय संस्कृति की अद्भुत देन हैं। आज युद्ध के अनेक मुहानों पर खड़ी दुनिया के लिए बुद्ध और उनके संदेश सबसे बड़ी जरूरत हैं। इस यात्रा का उद्देश्य बुद्ध की प्रासंगिकता को प्रसारित करते हुए विश्व शांति का संदेश देना है। उक्त बातें विश्व शांति के लिए बौद्ध परिपथ की पूर्व निर्धारित दस दिवसीय साहित्यिक सांस्कृतिक यात्रा सह सचल कार्यशाला चरथ भिक्खवे.. के पांचवें दिन आयोजित परिचर्चा को संबोधित करते हुए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष और आयोजन संयोजक प्रो० सदानंद साही ने कही। प्रो० राम सुधार सिंह ने कहा कि सारनाथ से

शुरू हुई इस यात्रा में हमने बोध गया, राजगीर, नालंदा , वैशाली और पटना में हमने भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन के विविध पहलुओं पर चर्चा की है। इस दौरान अरुण कमल, रणेंद्र, राकेश रंजन, वीरेंद्र नारायण यादव और शालिनी मिश्र आदि ने अलग अलग जगहों पर यात्रा का संयोजन किया है। प्रो० अनिल राय ने इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए इसकी तुलना अज्ञेय द्वारा आयोजित जानकी जीवन यात्रा से की और कहा कि इस तरह की यात्राएं साहित्यिक और सांस्कृतिक दुनिया में सकारात्मक हस्तक्षेप करती हैं। परिचर्चा को रामनरेश राम, प्रियंका सोनकर, मनोज सिंह, आदि ने भी संबोधित किया। कुशीनगर में यात्रा और इसमें शामिल साहित्यकारों के लिए स्वागत वक्तव्य प्रोफेसर गौरव तिवारी ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर राजेश मल्ल ने किया। संचालन निरंजन यादव ने किया। परिचर्चा के दौरान प्रकाश उदय , दिनेश तिवारी, विहाग वैभव, अंशु प्रिया आदि ने अपनी कविताएं पढ़ीं। यात्रा में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ रंजना अगड़े, कवयित्री गगन गिल, मृदुला सिन्हा, अनुपश्री विजयिनी, आशुतोष तिवारी, आनंद स्वरूप घोष, पृथ्वीराज सिंह, नरेंद्र पुंडरीक, सना सहाब, राजू मौर्य आदि की उपस्थिति रही। यात्रा दिनांक 18 अक्टूबर की शाम कुशीनगर में प्रवेश की थी। भ्रमण और परिचर्चा के बाद यात्रा लुंबनी के लिए रवाना हो गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना में पैसा मांगने वालों के खिलाफ अब होगी एफ आई आर

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के उपजिलाधिकारी प्रभारी अधिकारी (डूडा) खालिद अंजुम ने बताया कि स्थानीय निकाय में संचालित प्रधानमन्त्री आवास योजना (शहरी) के तहत कुछ आरजक तत्वों के द्वारा वर्णित योजना में आवास दिलाये जाने हेतु आवेदन भरवाते हुए विभाग , अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम पर पैसा लिये जाने बारे जानकारी मिली है। इस बारे में सभी को सूचित किया जाता है कि विभाग द्वारा संचालित आवास के लिये किसी भी योजना के तहत किसी तरह का कोई पैसा ,शुल्क शासन की तरफ से तय नहीं किया गया है, और न ही किसी तरह की कोई धनराशि, शुल्क लिया जाता है। जबकि नये आवासों के लिए कोई भी आवेदन लेने के लिये शासन,विभाग से कोई आदेश जारी नही किया गया है, भविष्य में योजना का संचालन किये जाने के निर्देश शासन से हासिल होने पर सूचना आम आदमी को प्रकाशन के जरिये से सूचना दी जायेगी। इस लिये किसी व्यक्ति के बहकावे में न आये। किसी तरह का कोई शुल्क, पैसा किसी भी व्यक्ति को न दे, अगर आपसे कोई व्यक्ति पैसा मांगने आता है तो उसके खिलाफ फौरन अपने क्षेत्र के थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए जिला प्रशासन हमीरपुर को फौरन लिखित तौर से सूचित करें।

करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, और राजस्थान का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सौभाग्यवती(सुहागिन) स्त्रियाँ मनाती हैं। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चंद्रमा दर्शन के बाद संपूर्ण होता है।

करवा चौथ

प्यार-विश्वास का त्योहार

ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलाओं तक सभी नारियाँ करवाचौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। शास्त्रों के अनुसार यह व्रत कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की चन्द्रोदय व्यापिनी चतुर्थी के दिन करना चाहिए। पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की अर्चना की जाती है। करवाचौथ में भी संकष्टीगणेश चतुर्थी की तरह दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरांत ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवाचौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

व्रत - कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करक चतुर्थी (करवा-चौथ) व्रत करने का विधान है। इस व्रत की विशेषता यह है कि केवल सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। स्त्री किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की हो, सबको इस व्रत को करने का अधिकार है। जो सौभाग्यवती (सुहागिन) स्त्रियाँ अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे यह व्रत रखती हैं।

यह व्रत 12 वर्ष तक अथवा 16 वर्ष तक लगातार हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन (उपसंहार) किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियाँ आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। अतः सुहागिन स्त्रियाँ अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करें।

व्रत की विधि - कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है, उस दिन प्रातः स्नान करके अपने सुहाग (पति) की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें।

पूजन - उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। पूजन करने के लिए बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी बनाकर उपरोक्त वर्णित सभी देवों को स्थापित करें।

नैवेद्य - शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर मोदक (लड्डू) नैवेद्य हेतु बनाएँ।

करवा - काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के करवे अथवा तांबे के बने हुए करवे।

संख्या - 10 अथवा 13 करवे अपनी सामर्थ्य अनुसार रखें।

पूजन विधि - बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाड़ा बाँधकर देवता की भावना करके स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें।

पूजन हेतु निम्न मंत्र बोलें - ओम शिवायै नमः से पार्वती का, ओम नमः शिवाय से शिव का, ओम षण्मुखाय नमः से स्वामी कार्तिकेय का, ओम गणेशाय नमः से गणेश का तथा ओम सोमाय नमः से चंद्रमा का पूजन करें।

करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएँ। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। पति की माता (अर्थात अपनी सासूजी) को उपरोक्त रूप से अर्पित एक लोटा, वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे जीवित न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

पूजन सामग्री

करवा चौथ एक नारी पर्व है। इस व्रत को सौभाग्यवती महिलाएं करती हैं। इस व्रत में प्रमुखतः गौरी व गणेश का पूजन किया जाता है। जिसमें पूजन सामग्री का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। आइए देखते हैं करवा चौथ से जुड़ी पूजन सामग्री की सूची - 1. चंदन 2. शहद 3. अगरबत्ती 4. पुष्प 5. कच्चा दूध 6. शक्कर 7. शुद्ध घी 8. दही 9. मिठाई 10. गंगाजल 11. कुंकू 12. अक्षत (चावल) 13. सिंदूर 14. मेहंदी 15. महावर 16. कंघा 17. बिंदी 18. चुनरी 19. चूड़ी 20. बिछुआ 21. मिट्टी का टोंटीदार करवा व ढक्कन 22. दीपक 23. रुई 24. कपूर 25. गेहूं 26. शक्कर का बूरा 27. हल्दी 28. पानी का लोटा 29. गौरी बनाने के लिए पीली मिट्टी 30. लकड़ी का आसन 31. चलनी 32. आठ पूरियों की अठावरी 33. हलुआ 34. दक्षिणा (दान) के लिए पैसे, इत्यादि।

व्रत की पूजन विधि

हिंदू सनातन पद्धति में करवा चौथ सुहागिनों का महत्वपूर्ण त्योहार माना गया है। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, चूड़ी पहन व सोलह श्रृंगार कर अपने पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं। सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। यदि दो दिन की चंद्रोदय व्यापिनी हो या दोनों ही दिन, न हो तो मातृविद्धा प्रशस्यते के अनुसार पूर्वविद्धा लेना चाहिए। स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है। सार तो सभी का एक होता है पति की दीर्घायु।

करवा चौथ व्रत विधि

- करवा चौथ की आवश्यक संपूर्ण पूजन सामग्री को एकत्र करें।
- व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।
- पूरे दिन निर्जला रहें।
- दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं। चित्रित करने की कला को करवा धरना कहा जाता है।
- आठ पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं।
- पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।
- गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें।
- जल से भरा हुआ लोटा रखें।
- वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।
- रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएं।
- गौरी-गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें।
  नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे॥
- करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें।
- कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।
- तेरह दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें।
- रात्रि में चन्द्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चन्द्रमा को अर्घ्य दें।
- इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें।

पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।

दूध का अर्घ्य चढ़ेगा चंद्र देव को

पति की लंबी उम्र और मंगल कामना के लिए सुहागिनें करवा चौथ का व्रत रखेंगी। इस दिन निर्जला उपवास कर शाम को चंद्र दर्शन के बाद व्रत का समापन करेंगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। सौभाग्यवती महिलाएं अखंड सुहाग की रक्षा और पति के स्वस्थ्य एवं दीर्घायु जीवन के लिए निर्जला व्रत रखेंगी। इस दिन महिलाएं सुबह से ही व्रत रखकर संध्या के समय करवा चौथ की कथा का श्रवण करेंगी और रात में चंद्रदेव को अर्घ्य देकर व्रत तोड़ेंगी। यह व्रत निराहार ही नहीं बल्कि निर्जला के रूप में ही करना अधिक लाभप्रद माना जाता है। इस व्रत में भगवान शिव-पार्वती, कार्तिकेय, चंद्रदेव और गौरा का पूजन करने का विधान है। विधिवत पूजा-अर्चना के लिए एक तांबे या मिट्टी के पात्र में चावल, उड़द की दाल, सुहाग की सामग्री किसी श्रेष्ठ सुहागिन महिला या अपनी सास के चरण स्पर्श कर उन्हें भेंट करना चाहिए। कथा श्रवण करने के बाद रात में जैसे ही चंद्रदेव का उदय हो उसे छलनी से देखकर दूध एवं जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद पहले चंद्रदेव और अपने पतिदेव की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा करने से पति की आयु लंबी होती है।

करवाचौथ की कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी। शाम को भाई जब अपना व्यापार-व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे, लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख-प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है।

वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है। उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है।

सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है। सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है। अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश-श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

भारत भर में मनाया जाता है करवा चौथ

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चौथी तिथि को सदियों से करवा चौथ के रूप में मनाया जाता है। इसे करक, करवा, करूआ या करूवा अनेक नामों से जाना जाता है। कई स्थानों पर इसे करवा गौर के नाम से भी पहचाना जाता है।

करवा मिट्टी या धातु से बने हुए लौटे के आकर के एक पात्र को कहते हैं, जिसमें टोंटी लगी होती है। करवा चौथ का व्रत स्त्रियां अपने सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए रखती हैं। शास्त्रों में दो विशिष्ट संदर्भों की वजह से करवा चौथ व्रत के पुरातन स्वरूप का प्रमाण मिलता है। इस व्रत के साथ शिव-पार्वती के उल्लेख की वजह से इसके अनादिकाल का पता चलता है। संपूर्ण भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी भारत में करवा चौथ का व्रत मनाया जाता है। निर्जला एकादशी व्रत की तरह यह व्रत भी निराहार व निर्जला होता है।

ऐसा माना जाता है कि यह व्रत सिर्फ विवाहिता स्त्रियों के लिए है परंतु अविवाहित कन्याओं द्वारा भी इस व्रत को किए जाने के प्रमाण उपलब्ध हैं। फर्क सिर्फ इतना ही है कि सौभाग्यवती महिलाएं चंद्रदर्शन के पश्चात व्रत तोड़ती हैं और कन्याएं आसमान में पहले तारे के दर्शन के बाद व्रत समाप्त करती हैं। संभव है कि लोकोक्ति पहला तारा मैंने देखा, मेरी मर्जी पूरी इस व्रत के कारण ही शुरू हुई हो। करवा चौथ व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय और चंद्रमा की पूजा की जाती है। इस व्रत के लिए चंद्रोदय के समय चतुर्थी होना जरूरी माना गया है। इस व्रत में करवे का विशेष रूप से प्रयोग होता है। महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं और चंद्रोदय के बाद भोजन-जल ग्रहण करती हैं। करवे में पकवान भरे जाते हैं या पताशे रखे जाते हैं और उन्हें दान में दिया जाता है। कई स्थानों पर चावल से बने व्यंजन भी रखे जाते हैं। इसी दिन शाकप्रस्थपुर के वेदधर्मा ब्राह्मण की विवाहिता पुत्री वीरवती की कथा सुनाई जाती है, जिसने यह व्रत किया था और पुनः अपने पति को प्राप्त किया था। दीवारों पर या जमीन पर सूर्य, चंद्र और करवे के चित्र बनाए जाते हैं। करवे को चावल व अलग-अलग रंगों से आवृत्तियां बनाकर सजाया जाता है। करवे की टोंटी में सरकंडे की सींकें लगाई जाती हैं। टोंटीवाले करवे के लोटे का चयन संकल्प व आचमन हेतु जल निकालने के लिए किया जाना, संभव है इस व्रत के पूर्व में ही विद्यमान रहा होगा।

सर्वे: ब्याज दर 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदारी पर पड़ेगा असर

- वर्ष 2029 तक 1.04 लाख करोड़ डॉलर का आवासीय बाजार होगा

मुंबई ।

भारत की आर्थिक वृद्धि रियल एस्टेट क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही है। आवासीय बाजार हर साल 25.6 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, जिसके 2029 तक बढ़कर 1.04 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, इस वृद्धि में महंगे होम लोन बड़ी बाधा बन सकते हैं। एक मकान खरीदार धारणा सर्वेक्षण सर्वे में शामिल करीब 90 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि होम लोन के 9 फीसदी से अधिक होने पर मकान खरीदने पर उनको` विचार करना पड़ सकता है। सर्वे में कहा गया है कि 71 फीसदी से अधिक लोग मानते हैं कि अगर ब्याज दर 8.5 फीसदी से कम रहती हैं, तो खरीदारी का फैसला प्रभावित नहीं होगा। 54 फीसदी ने कहा` कि ब्याज दर 8.5 फीसदी से 9 फीसदी के बीच होने पर उन्हें अपनी पसंद पर विचार करना पड़ेगा। करीब 98 फीसदी मकान खरीदारों की प्राथमिकता समय पर परियोजनाओं का पूरा होना है। 93 फीसदी लोग बेहतर निर्माण गुणवत्ता चाहते हैं, जबकि 72 फीसदी उत्तरदाता अच्छे हवादार मकान खरीदना चाहते हैं।59 फीसदी से अधिक लोगों के लिए रियल एस्टेट निवेश का पसंदीदा क्षेत्र है। 67 फीसदी से अधिक लोग खुद के इस्तेमाल के लिए मकान खरीदना चाहते हैं। 35 फीसदी से अधिक खरीदारों के लिए 45-90 लाख का बजट पसंदीदा विकल्प है। 28 फीसदी 1.5 करोड़ तक के मकान खरीदना चाहते हैं।

सोना एक हफ्ते में 2,580 रुपए महंगा, दिवाली तक 80,000 तक पहुंचेगा

जून 2025 तक सोना 85,000 रुपए के आंकड़े को छूने की संभावना

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले एक हफ्ते में सोना 2,580 रुपए महंगा हो चुका है और अब इसकी कीमत 77,410 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि दिवाली तक सोने का दाम 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। इसके अलावा जून 2025 तक सोना 85,000 रुपए के आंकड़े को छूने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार ब्याज दरों में गिरावट और डॉलर की कमजोरी के चलते सोने की मांग में तेजी आई है, जिससे इसकी कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। मोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि अगले साल जून तक सोने की कीमत 85,000 रुपए तक जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना पहली बार 2,700 डॉलर प्रति आउंस से ऊपर निकल गया है। आईबीजेए (इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन) के आंकड़ों के मुताबिक इस साल सोने की कीमत में अब तक 14,164 रुपए का इजाफा हुआ है और पिछले 12 महीनों में 18,127 रुपए की वृद्धि देखी गई है। यानी कि एक साल में सोने का रिटर्न 30.6 फीसदी रहा है, जबकि इसी

अवधि में सेंसेक्स का रिटर्न 22.27 फीसदी था। विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा हालात को देखते हुए सोने की कीमतों में तेजी के रुकने के आसार कम हैं। ब्याज दरों में गिरावट और डॉलर की कमजोरी इसकी बड़ी वजह मानी जा रही है। भारत में भी सोने की मांग में भारी इजाफा हुआ है। 2018-19 से लेकर 2023-24 तक, देश में सोने का आयात 45 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया है। अनुमान है कि दिवाली से पहले सोने की कीमत 80,000 रुपए तक पहुंच सकती है, और जून 2025 तक यह 85,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक हो सकता है। अमेरिका में 5 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आएंगे, और 7 नवंबर को अमेरिकी केंद्रीय बैंक दूसरी बार ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। यदि डोनाल्ड ट्रंप जीतते हैं, तो अनिश्चितता बढ़ेगी, जिससे सोना और महंगा हो सकता है।

अशनीर ग्रोवर का भारत-पे से अब कोई संबंध नहीं रहेगा

- समझौता पत्र पेश किए जाने के बाद याचिका वापस लेने की अनुमति मिली

नई दिल्ली ।

भारतपे के को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में दायर अपनी याचिका को फिनटेक कंपनी के साथ समझौते के बाद वापस ले लिया है। ग्रोवर ने पहले बोर्ड पर दबाव डालने और गलत प्रबंधन (मिसमैनेजमेंट) का आरोप लगाते हुए याचिका दाखिल की थी। एनसीएलटी ने 14 अक्टूबर 2024 को 30 सितंबर 2024 का समझौता पत्र पेश किए जाने के बाद ग्रोवर को याचिका वापस लेने की अनुमति दी। गौरतलब है कि ग्रोवर के वकील ने ट्रिब्यूनल के सामने समझौता पेश कर याचिका वापस लेने की अपील की थी। एनसीएलटी के आदेश में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो चुका है, इसलिए अशनीर को याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाती है और मामला समाप्त कर दिया गया है। इसके बाद, 17 अक्टूबर को अशनीर ग्रोवर ने नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल से भी अपनी याचिका वापस ले ली, जिसमें उन्होंने एनसीएलटी मामले की जल्दी सुनवाई की मांग की थी। पहले दायर याचिका में ग्रोवर ने खुद को फिर से भारत पे का एमडी बहाल करने और रेसिलिएंट इनोवेशन के बोर्ड द्वारा किए गए बदलावों को अवैध घोषित करने की मांग की थी। उन्होंने कंपनी का ऑडिट कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा कराने और अपनी पत्नी माधुरी जैन को फिर से नौकरी पर बहाल करने की भी अपील की थी, जिन्हें कंपनी के बोर्ड ने हटाया था। समझौते के तहत अब अशनीर ग्रोवर का भारत से कोई संबंध नहीं रहेगा। उनके शेयर एक पारिवारिक ट्रस्ट द्वारा संभाले जाएंगे, जबकि कुछ शेयर कंपनी के फायदे के लिए रे सि लिएंट ग्रोथ ट्रस्ट को ट्रांसफर किए जाएंगे। अशनीर ग्रोवर को मार्च 2022 में एमडी पद से हटा दिया गया था, जिसके बाद उनके और कंपनी के बीच लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हो गई थी। इस समझौते के साथ ही उनकी सभी कानूनी विवादों का अंत हो गया है, और ग्रोवर ने आधिकारिक रूप से भारत पे से खुद को अलग कर लिया है।

नतीजों के बाद 5 प्रतिशत चढ़े ऐक्सिस बैंक के शेयर

5.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,195.7 रुपये पर बंद हुआ

नई दिल्ली । ऐक्सिस बैंक के शेयरों में शुक्रवार को दिन के कारोबार में 6.3 प्रतिशत तक की तेजी आई। हालांकि बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की सितंबर तिमाही में सुस्त नतीजे पेश किए हैं। यह शेयर बीएसई पर दिन के कारोबार में 1,203.7 रुपये की ऊंचाई पर पहुंच गया और आखिर में 5.6 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,195.7 रुपये पर बंद हुआ। विश्लेषक शेयर में मौजूदा स्तरों से सीमित गिरावट देख रहे हैं। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। हालांकि ब्रोकरों ने दूसरी तिमाही के नतीजों को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2025-27 के लिए अपने आय अनुमान 5 प्रतिशत तक घटा दिए हैं। विश्लेषकों के अनुसार ऐक्सिस बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में मिश्रित आय दर्ज की है। अनुमान से बेहतर रहे शुद्ध लाभ को टैक्स प्रोवीजन रिवर्सल (550 करोड़ रुपये) से मदद मिली और यह 6,918 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 5,864 करोड़ रुपये था। बैंक की ऋण वृद्धि की रफ्तार दूसरी तिमाही में धीमी पड़कर सालाना आधार पर 11 प्रतिशत रह गई जो पहली तिमाही में 14 प्रतिशत थी। तिमाही आधार पर ऋणों में महज 2 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ। रिटेल ऋण तिमाही आधार पर 2 प्रतिशत, छोटे एवं मझोले उद्यम (एसएमई) ऋण 6 प्रतिशत बढ़े और कॉरपोरेट ऋण सपाट रहे। देनदारियों की बात करें तो जमाएं सालाना आधार पर 13.7 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़ीं। इस कारण ऐक्सिस बैंक का चालू खाता-बचत खाता (कासा) मिश्रण तिमाही आधार पर 100 आधार अंक नरम पड़कर 41 प्रतिशत रह गया। एक रिपोर्ट में कहा है कि ऐक्सिस बैंक का मानना है कि वित्त वर्ष 2025 में ऋण वृद्धि जमा वृद्धि/ऋण-जमा अनुपात पर निर्भर करेगी जो अभी भी एक चुनौती है। हालांकि मध्यावधि ऋण वृद्धि उद्योग के मुकाबले 300-400 आधार अंक ज्यादा रहेगी।

भारत का केमिकल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर 300 अरब डॉलर का हो सकता

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जताया अनुमान

नई दिल्ली ।

भारत का केमिकल और पेट्रोकेमिकल सेक्टर 2025 तक बढ़कर 300 अरब डॉलर का हो सकता है। मौजूदा समय में यह 220 अरब डॉलर का है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसकी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2040 तक केमिकल की मांग करीब तीन गुना होने का अनुमान है और भारत की पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है।

केमिकल इंडस्ट्री भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका सकल घरेलू उत्पाद में योगदान करीब 6 प्रतिशत है और इससे 50 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा, भारत में पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में अगले दशक में 87 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश आने का अनुमान है, जो वैश्विक पेट्रोकेमिकल वृद्धि का 10 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करता है।

भारत में केमिकल की वार्षिक खपत 25 से 30 मिलियन टन है, जो कि प्रति व्यक्ति हिसाब से दुनिया के विकसित देशों से काफी कम है। इस कारण से केमिकल सेक्टर में विकास की प्रबल संभावनाएं बन रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत दुनिया का छठा और एशिया में तीसरा सबसे बड़ा केमिकल उत्पादक देश है। भारत की ओर से केमिकल का निर्यात 175 से अधिक देशों को होता है। केंद्रीय मंत्री पुरी ने जोर दिया कि केमिकल और पेट्रोकेमिकल वैश्विक तेल मांग में वृद्धि को बढ़ावा देंगे, भारत की एकीकृत पेट्रोकेमिकल क्षमता इसकी विस्तारित शोधन क्षमताओं से निकटता से जुड़ी हुई है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक: अजय बंगा

वाशिंगटन । विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की वृद्धि दर सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। बंगा ने पत्रकारों से कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत की वृद्धि दर विश्व अर्थव्यवस्था के सबसे उज्ज्वल हिस्सों में से एक है। मुझे लगता है कि इस तरह के माहौल में छह से सात प्रतिशत और उससे अधिक की दर से वृद्धि कर पाना आपको दिखाता है कि उन्होंने वहां तक पहुंचने के लिए कई कदम उठाए हैं।' विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अगले सप्ताह होने वाली वार्षिक बैठक से पहले बंगा ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में हुई अधिकतर वृद्धि घरेलू बाजार के दम पर मुमकिन हो पाई है जो कुछ मायनों में एक अच्छा संकेत है। भारत को जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है और जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि जीवन की गुणवत्ता, जैसे हवा तथा पानी की गुणवत्ता आदि पर काम करना जरूरी है। वहीं विश्व बैंक की प्रबंध निदेशक (परिचालन) एन्ना बेर्डे ने कहा कि बैंक सरकार को वृद्धि को रोजगार तथा टिकाऊ विकास में बदलने में सहायता कर रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लगातार जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव में शे निवार को कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर पहुंचा: आरबीआई

मुंबई । भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की विदेशी अनुषंगियों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं समेत देश का सॉफ्टवेयर सेवाओं का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 205.2 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) के निर्यात पर आरबीआई के वार्षिक सर्वेक्षण 2023-24 से पता चलता है कि भारत का सॉफ्टवेयर सेवाओं का निर्यात (विदेशों में वाणिज्यिक उपस्थिति के माध्यम से उनकी बिक्री को छोड़कर) सालाना आधार पर 2.8 प्रतिशत बढ़कर 190.7 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका 54 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारतीय सॉफ्टवेयर निर्यात का प्रमुख गंतव्य रहा। उसके बाद यूरोप (31 प्रतिशत हिस्सेदारी) का स्थान था जिसमें ब्रिटेन की अहम मौजूदगी रही।सर्वेक्षण में 7,226 सॉफ्टवेयर निर्यात कंपनियों से संपर्क किया गया। इनमें से 2,266 कंपनियों ने जवाब दिए जिनमें अधिकांश बड़ी कंपनियां शामिल थीं। भाग लेने वाली कंपनियों की कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में लगभग 89 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। आरबीआई सर्वेक्षण कहता है कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में कंप्यूटर सेवाओं का हिस्सा दो-तिहाई से अधिक था और आईटीईएस निर्यात में बीपीओ सेवाएं प्रमुख घटक रहीं।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे हफ्ते गिरावट रही

- सेंसेक्स 156 अंक गिरावट के साथ 81,224 पर बंद
- निफ्टी 110 अंक की गिरावट के साथ 24,854 पर बंद

मुंबई ।

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में बिकवाली और उम्मीद से कम दूसरी तिमाही के नतीजों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट देखी गई। जिस वजह से शुक्रवार को सेंसेक्स 0.19 फीसदी और निफ्टी 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। पिछले सप्ताह बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सेंसेक्स हफ्ते के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 300 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 81,697 पर खुला और 591.69 अंक उछलकर 81,973.05 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 94 अंक मजबूत होकर एक बार फिर 25000 के पार खुला और 163.70 अंक मजबूत होकर 25,127.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में बढ़त हासिल करने के बाद घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली हावी होती दिखी। इस दौरान दिन के ऊपरी स्तरों से बेंचमार्क सूचकांकों ने गोता लगा दिया। रिलायंस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में बिकवाली के कारण ऊपरी स्तरों से सेंसेक्स 600 अंकों तक नीचे फिसल गया और 152.93 अंकों की गिरावट के साथ 81,667.19 पर बंद हुआ। निफ्टी भी कमजोर होकर 25100 के नीचे खुला और 70.60 अंकों की गिरावट के साथ 25,057.35 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दौर देखा गया। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 240.75 अंक गिरकर 81,579.37 अंक पर खुला और 318.76 टूटकर 81,501.36 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 62.7 अंक गिरकर 24,994.65 अंक पर खुला और 86.05 अंक फिसलकर 25000 के नीचे पहुंच गया और 24,971.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में तेजी आई, लेकिन जल्द ही विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से बाजार कमजोर पड़ गया है और सूचकांक गिरावट के साथ कारोबार करने लगे। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 280.04 अंक चढ़कर 81,781.40 अंक पर खुला और 494.75 अंक गिरकर 81,006.61 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 58.2 अंक की बढ़त के साथ 25,029.50 अंक पर खुला और 58.2 अंक की बढ़त के साथ 25,029.50 अंक पर बंद हुआ।

विदेशी फंडों की लगातार निकासी और इंफोसिस के शेयरों में बिकवाली के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 570.45 अंक गिरकर 80,436.16 पर खुला और 156.61 अंक यानी 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 81,224.75 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी इंडेक्स 84 अंक की गिरावट के साथ 24,664.95 अंक पर खुला और 110.25 अंक यानी 0.44 फीसदी की गिरावट के साथ 24,854 के स्तर पर बंद हुआ।

कोटक महिंद्रा बैंक खरीदेगा स्टैंडर्ड चार्टर्ड का भारत में पर्सनल लोन कारोबार

सौदे के बाद यूके स्थित स्टैंडर्ड चार्टर्ड भारत में अपनी वेल्थ और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग पर फोकस करेगी

नई दिल्ली । कोटक मे हिंद्रा बैंक ने कहा है कि वह स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक का पर्सनल लोन कारोबार खरीदने पर विचार कर रहा है। इस सौदे के बाद यूके स्थित स्टैंडर्ड चार्टर्ड भारत में अपनी वेल्थ और इन्वेस्टमेंट बैंकिंग पर फोकस करेगी। कोटक महिंद्रा बैंक के मुताबिक स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक का पर्सनल लोन बुक 30 सितंबर तक 4,100 करोड़ (488 मिलियन) का था। भारत का पर्सनल लोन बाजार मजबूत उपभोक्ता मांग के चलते काफी प्रतिस्पर्धी हो गया है। पिछले साल नवंबर में भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को पर्सनल लोन के लिए अधिक पूंजी रिजर्व रखने के निर्देश दिए थे, क्योंकि बढ़ती मांग के चलते जोखिम बढ़ने की आशंका जताई गई थी। इससे बैंकों के पर्सनल लोन की वृद्धि दर में कुछ गिरावट आई है, जो अगस्त में सालाना 17 फीसदी रह गई, जबकि एक साल पहले यह 18.3 फीसदी थी। कोटक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत का अनसिक्योर्ड लेंडिंग बाजार कोटक के लिए अधिक आय वाले ग्राहकों के बीच यह अच्छे ग्रोथ के मौके देता है। यह प्रस्तावित सौदा उन लोन पर आधारित है जो आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार अच्छे से चल रहे हैं और जिनमें डिफॉल्ट या संकट के कोई संकेत नहीं हैं। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के भारत और दक्षिण एशिया के वेल्थ और रिटेल बैंकिंग प्रमुख ने कहा कि हमने पर्सनल लोन कारोबार बेचने का फैसला इसलिए किया है ताकि बैंक वेल्थ, उच्च आय वर्ग और छोटे-मध्यम व्यवसायों में तेजी से ग्रोथ पर ध्यान दे सकें। उन्होंने यह भी बताया कि भारत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना रहेगा और बैंक यहां निवेश और ग्रोथ जारी रखेगा। कोटक ने कहा कि यह सौदा अगले तीन महीनों में पूरा होने की उम्मीद है, जो नियामक मंजूरी और अन्य शर्तों पर निर्भर करेगा।

गोदावरी बायोरिफाइनरीज का आईपीओ 23 अक्टूबर को खुलेगा

आईपीओ के लिए 334-352 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय

नई दिल्ली । एथनॉल तथा जैव-आधारित रसायन बनाने वाली गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड ने 555 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 334-352 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी बयान के अनुसार, आईपीओ 23 अक्टूबर को खुलेगा और 25 अक्टूबर को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 22 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ 325 करोड़ रुपये के ताजा शेयर और प्रवर्तकों तथा एक निवेशक के 230 करोड़ रुपये मूल्य के 65.27 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इस प्रकार आईपीओ का कुल आकार 555 करोड़ रुपये बैठता है। मंडला कैपिटल एजी लिमिटेड बिक्री पेशकश के जरिये 49.27 लाख शेयर बेच रही है। नए निर्गम से हासिल 240 करोड़ रुपये का इस्तेमाल ऋण भुगतान के लिए और शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने मैक्सिको के वित्त एवं सार्वजनिक मंत्री से व्यापार एवं निवेश बढ़ाने पर चर्चा की

मैक्सिको सिटी ।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां मैक्सिको के वित्त एवं सार्वजनिक ऋण मंत्री डॉ. रोजेलियो रामिरेज़ डे ला ओ से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार एवं निवेश बढ़ाने पर चर्चा की। सीतारमण ने डॉ़ डे ला ओ को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी तथा विवेकपूर्ण राजकोषीय नीतियों के अनुसरण में पिछले 6 वर्षों में मैक्सिकन अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत को मैक्सिको सरकार के साथ अपने अनुभव साझा करने तथा भारत के डिजिटल परिवर्तन के आधार पर सहयोग की संभावना तलाशने में खुशी होगी। भारत ने एक अरब से अधिक बैंक खातों, मोबाइल फोन तथा डिजिटल पहचान (आधार), एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की नींव का लाभ उठाकर एक नई डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण करने, कमजोर वर्ग के साथ-साथ बड़े समाज को सशक्त बनाने में सफलता प्राप्त की है। डॉ. डे ला ओ ने समग्र रूप से आबादी की मदद करने के लिए मैक्सिकन प्रशासन के आधारभूत स्तंभों को साझा किया। इनमें निम्न आय वाले परिवारों को सहायता, सार्थक बुनियादी ढांचे में विकास, आपूर्ति पक्ष के उपाय शामिल हैं जो राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए अत्यधिक लालफीताशाही से निटपने में मदद करते हैं।श्रीमती सीतारमण ने सभी भारतीयों को बुनियादी सुविधायें कम से कम उपलब्ध कराने के मामले में भारत और मैक्सिको के बीच समानताएं बताईं - जैसे खाद्य सुरक्षा, आवास, बिजली, रसोई गैस, तकनीक-संचालित वित्तीय समावेशन, और आय का पूरक आदि। उन्होंने लगभग 1,500 पुराने कानूनों और विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 6,000 अनुपालन विनियमों को हटाकर बुनियादी ढांचे से संबंधित खर्च के साथ-साथ व्यापार करने में आसानी पर भारत के निरंतर ध्यान को भी साझा किया। सीतारमण ने भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से इंडिया मैक्सिको के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी का प्रस्ताव रखा और इस बात पर जोर दिया कि युवा नवोन्मेषी और प्रभावी समाधान लाने में सक्षम हैं, और विचारों के ऐसे आदान-प्रदान से दोनों देशों को मदद मिल सकती है।

शेमारू उमंग में शो के शीर्षक और उनके पसंदीदा गीत से अनोखा रिश्ता

रांची : संगीत की शक्ति अक्सर हमारे दिलों को छूने और हमें उस गीत के बोल से जोड़ने में सक्षम होती है, जिसे कई बार हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते। इस शो ने न केवल अपनी भावनात्मक कहानी से दर्शकों का दिल जीता है, बल्कि इसके शीर्षक ने भी उनके बीच एक गहरा भावनात्मक कनेक्शन बनाया है। शो में मुख्य किरदार इससे जुड़े एक प्रसिद्ध गाने के बारे में दिलचस्प खुलासा किया है।

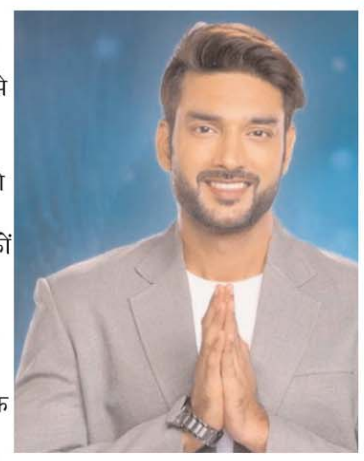

वे कहते हैं, मैं किशोर कुमार का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं! जब मैंने शो साइन किया और फाइनल नाम 'मैं दिल तुम धड़कन' सुना, तो मुझे तुरंत किशोर दा का वो अमर गीत याद आ गया - यह गीत शो के असली भाव को पूरी तरह से दशार्ता है।

महाराष्ट्र, झारखंड में हरियाणा दोहराया जाएगा

एस. सुनील

आदिवासी हों या पिछड़े या सदान या सामान्य जाति के लोग पांच साल के जेएमएम, कांग्रेस और राजद के राज में सबने किसी न किसी तरह की मुश्किल झेली है। सरकार का पूरा कार्यकाल भ्रष्टाचार के आरोपों और लूट पाट वाला रहा है। चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार ने खजाना खोल कर अनेक सेवाएं और वस्तुएं मुफ्त देने का वादा किया है लेकिन इस मामले में भी भाजपा का रिकॉर्ड बाकी पार्टियों से बहुत बेहतर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के चुनाव प्रचार में कहा था कि हरियाणा कांग्रेस के लिए मध्य प्रदेश साबित होगा। उनकी बात सौ फीसदी सही साबित हुई। जिस तरह से मध्य प्रदेश में कांग्रेस हारी वैसे ही हरियाणा में जीत का पूरा माहौल बनाने और नैरेटिव सेट करने के बावजूद कांग्रेस हार गई क्योंकि वह न तो हरियाणा की 10 साल की डबल इंजन सरकार के प्रति बने प्रो इन्कम्बैंसी को समझ पाई और न कांग्रेस विरोध की अंतधार्रा को समझ पाई। जम्मू कश्मीर में भी नेशनल कॉन्फ्रेंस की जीत हुई है, कांग्रेस तो बुरी तरह से हारी ही है। उसकी सीटें 12 से घट कर छह रह गईं और भाजपा की 25 से बढ़ कर 29 हो गईं। असल में इस वास्तविकता को ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक नजरअंदाज कर रहे हैं कि भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों की सरकारों के खिलाफ अपवाद के तौर पर ही कहीं एंटी इन्कम्बैंसी यानी सत्ता विरोधी माहौल पैदा हो रहा है। ज्यादातर जगहों पर प्रो इन्कम्बैंसी यानी सत्ता समर्थन की लहर पैदा हो रही है, जिससे एनडीए की सरकारें बार बार सत्ता में वापसी करती हैं।

इस बात को आंकड़ों के आधार पर भी समझा जा सकता है। केंद्र में ही देखिए तो 50 साल के बाद ऐसा हुआ कि कोई सरकार लगातार तीसरी बार जीती। नरेंद्र मोदी ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने के पंडित नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी की। 1977 में कांग्रेस जब पहली बार हार कर सत्ता बाहर हुई तो उसके बाद किसी भी पार्टी की सरकार लगातार तीसरी बार नहीं लौटी। वह रिकॉर्ड पीएम नरेंद्र मोदी ने तोड़ा। इसी तरह अनेक राज्यों में देखा जा सकता है। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की ज्यादा बहुमत और ज्यादा वोट के साथ सरकार बनी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, असम, त्रिपुरा, गोवा, मध्य प्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड यानी 12 राज्यों में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों ने लगातार दो बार या उससे ज्यादा बार सरकार बनाई। इसके मुकाबले कुछ प्रादेशिक पार्टियों की तो सरकारें वापस लौटी हैं लेकिन कांग्रेस ने पिछले 10 साल में किस भी राज्य में लगातार दो बार सरकार नहीं बनाई है। इसका मतलब है कि कांग्रेस की जहां भी सरकार बनती है वहां पांच साल में उसके खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल बन जाता है और लोग उसे हरा देते हैं। एक दिलचस्प आंकड़ा यह भी है कि दिल्ली जैसे अपवाद को छोड़ दें तो भाजपा लगातार 10 साल तक किसी भी राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी नहीं रही है। यानी वह जहां एक बार मुख्य विपक्षी पार्टी बनती है वहां वह पांच साल में सत्ता में वापसी करती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि इसकी मिसाल हैं।

इन दोनों आंकड़ों को प्रकट करने का उद्देश्य यह बताना था कि झारखंड में भाजपा पांच साल से मुख्य विपक्षी पार्टी है और इस बार उसके वहां सत्ता में वापसी करने का समय है तो महाराष्ट्र में भाजपा के गठबंधन की सरकार है, जिसके खिलाफ कोई सत्ता विरोधी माहौल नहीं है क्योंकि आमतौर पर एनडीए सरकारों के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी नहीं होती है। इसलिए वहां भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगी। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि 2019 में भी भाजपा चुनाव नहीं हारी थी। पांच साल तक यानी 2014 से 2019 तक सरकार चलाने के बाद जब भाजपा और शिव सेना गठबंधन चुनाव में गया तब कहा जा रहा था कि एंटी इन्कम्बैंसी है और एनडीए चुनाव हार जाएगा। लेकिन इसका उलटा हुआ। एनडीए को 161 सीटें मिलीं, जिसमें भाजपा ने 105 और शिव सेना ने 56 सीटें जीतीं। दोनों को मिला कर 42 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। लेकिन चुनाव के बाद श्री उद्धव ठाकरे ढाई ढाई साल की सत्ता के लिए अड़ गए, जिसकी वजह से गठबंधन टूटा और कांग्रेस, एनसीपी ने जनादेश को धोखा देकर श्री उद्धव ठाकरे के साथ सरकार बनाई। महाराष्ट्र की जनता उस धोखे का भी इस बार बदला लेगी।

कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार का गठबंधन यानी महा विकास अघाड़ी लोकसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर इस उम्मीद में है कि उसकी जीत हो जाएगी। लेकिन लोकसभा चुनाव का नतीजा एक अपवाद था। उसमें भी अगर वोट के आंकड़े देखें तो भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन यानी महायुति को कांग्रेस गठबंधन के मुकाबले सिर्फ तीन फीसदी कम वोट मिले हैं। यानी वोट का अंतर सिर्फ तीन फीसदी है और उतने पर ही तकनीकी कारणों से सीटों का अंतर दोगुने का हो गया। अगर आंकड़ों की बात करें तो लोकसभा में भाजपा को सिर्फ नौ सीटें मिलीं, जबकि पिछली बार उसे 23 सीटें मिली थीं। यानी उसकी 14 सीटें कम हो गईं लेकिन उसको वोट का नुकसान सिर्फ 1.66 फीसदी का हुआ था। 2019 में भाजपा को 27.84 फीसदी वोट मिले थे और 2024 में 26.18 फीसदी वोट मिले। ध्यान रहे भाजपा ने पिछले चार चुनावों में 25 से 27 फीसदी का अपना वोट प्रतिशत बचाए रखा है।

जहां तक शिव सेना की बात है तो वह भी महाराष्ट्र के लोगों ने दिखा दिया कि असली शिव सेना श्री एकनाथ शिंदे की है। लोकसभा चुनाव में श्री उद्धव ठाकरे की शिव सेना 21 सीटों पर लड़ कर सिर्फ नौ सीट जीत पाई, जबकि एकनाथ शिंदे की शिव सेना ने 15 सीटें लड़ कर सात पर जीत हासिल की। ठाकरे के मुकाबले शिंदे की शिव सेना का स्ट्राइक रेट बेहतर रहा। शिव सैनिक पूरी तरह से उनके साथ रहे। उद्धव ठाकरे को कांग्रेस और एनसीपी का वोट मिला, जिसमें एक बड़ा हिस्सा उनके मुस्लिम वोट आधार का है। तभी हैरानी नहीं है कि श्री उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी के नेता स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे के हिंदुत्व का रास्ता छोड़ कर मुस्लिम तुष्टिकरण के रास्ते पर चल रहे हैं। जैसा केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि श्री उद्धव ठाकरे कांग्रेस और एनसीपी की सोहबत में औरंगजेब को अपना नायक बना रहे हैं। सो, तुष्टिकरण की राजनीति चाहे उद्धव ठाकरे करें या शरद पवार करें या कांग्रेस करे उसका कोई फायदा महाराष्ट्र में नहीं होना है। महाराष्ट्र में श्री एकनाथ शिंदे की भाजपा समर्थित सरकार ने 'माझी लड़की बहिन योजना' के तहत महिलाओं को डेढ़ हजार रुपया महीना देना शुरू किया है। लाड़ला भाई योजना के तहत युवाओं को छह से 10 हजार रुपए महीना दिए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को पांच लाख रुपए तक की मुफ्त चिकित्सा की घोषणा की है। किसानों के लिए रबी की फसलों पर एमएसपी में बढ़ोतरी हुई है। एकीकृत पेंशन की योजना आई है। ऐसी तमाम सकारात्मक योजनाओं के दम पर भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों ने सत्ता के समर्थन की अंतधार्रा पैदा की है।

उधर झारखंड में पांच साल के जेएमएम, कांग्रेस और राजद के भ्रष्ट और परिवारवादी शासन से लोग ऊबे हुए हैं। वहां लोकसभा चुनाव में भाजपा को पिछली बार के मुकाबले तीन सीटों का नुकसान जरूर हुआ लेकिन अगर विधानसभा सीटों के हिसाब से देखें तो वह 50 से ज्यादा सीटों पर जीती थी। यानी लोकसभा चुनाव की तरह भी भाजपा गठबंधन का प्रदर्शन हो तो उसे 50 से ज्यादा सीटें मिलेंगी। झारखंड का विश्लेषण जो लोग भी 2019 के विधानसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर कर रहे हैं उनको समझदारी का नया चश्मा लगाने की जरुरत है। 2019 में भी भाजपा हारी नहीं थी। पांच साल के शासन के बाद भी कोई एंटी इन्कम्बैंसी की लहर नहीं थी। उलटे श्री रघुवर दास के नेतृत्व में भाजपा का वोट 2.11 फीसदी बढ़ा था, जबकि जेएमएम के वोट में 1.71 फीसदी की कमी आई थी। इसके बावजूद जेएमएम को ज्यादा सीटें इसलिए मिल गईं क्योंकि भाजपा की गठबंधन की पुरानी सहयोगी आजसू अलग चुनाव लड़ी थी। उसने 53 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए और उसे आठ फीसदी से ज्यादा वोट मिले। इस बार का चुनाव पिछली बार से अलग इसलिए है क्योंकि आठ फीसदी की वोट पूंजी वाली आजसू भाजपा के साथ है और साढ़े पांच फीसदी वोट की पूंजी वाले श्री बाबूलाल मरांडी की भाजपा में वापसी हो गई है। यानी भाजपा के खाते में 13 फीसदी से ज्यादा वोट जुड़ा है। तभी लोकसभा में एनडीए का वोट 47 फीसदी पहुंच गया था।

यह जरूर है कि भाजपा आदिवासी सीटों पर नहीं जीत पाई लेकिन इसका यह कतई मतलब नहीं है कि आदिवासी भाजपा के विरोधी हैं। अगर सबसे बड़े वोट समूह यानी आदिवासी का वोट भाजपा को नहीं मिलता तो उसका वोट प्रतिशत 47 तक कैसे पहुंचता? भाजपा ने झारखंड के सबसे बड़े आदिवासी नेता और विकास पुरुष की छवि वाले बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है और दोनों पड़ोसी राज्यों छत्तीसगढ़ व ओडिशा में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया है। यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि झारखंड में आदिवासियों के सामने अस्तित्व का संकट है। बांग्लादेशी घुसपैठ से आदिवासी बहुल झारखंड की जनसंख्या संरचना बदल रही है। आदिवासियों की आबादी कम हो रही है। रोटी, बेटी और माटी का संकट खड़ा हो गया है। इसलिए भी आदिवासी समाज तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों से पीछा छुड़ा कर भाजपा का साथ देगा। आदिवासी हों या पिछड़े या सदान या सामान्य जाति के लोग पांच साल के जेएमएम, कांग्रेस और राजद के राज में सबने किसी न किसी तरह की मुश्किल झेली है। सरकार का पूरा कार्यकाल भ्रष्टाचार के आरोपों और लूट पाट वाला रहा है। चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार ने खजाना खोल कर अनेक सेवाएं और वस्तुएं मुफ्त देने का वादा किया है लेकिन इस मामले में भी भाजपा का रिकॉर्ड बाकी पार्टियों से बहुत बेहतर है।

(लेखक सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के दिल्ली स्थित विशेष कार्यवाहक अधिकारी हैं, या लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

संपादकीय

युद्ध नहीं, सिर्फ बुद्ध

भारत दुनिया को युद्ध नहीं, बल्कि बुद्ध की शिक्षाएं दी हैं, दुनिया का समाधान बुद्ध में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अभिधम्म दिवस और पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिये जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यह कहा। संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन को याद करते हुए कहा हमने दुनिया को बुद्ध की शिक्षाएं दी हैं। यह हमें याद दिलाता है कि करुणा और सद्भाव ही दुनिया को बेहतर स्थान बनाने की कुंजी है। अभिधम्म दिवस भगवान बुद्ध के अभिधम्म की शिक्षा देने के बाद अवतरण की याद दिलाता है, जिसे मूल रूप से पाली भाषा में लिखा गया है। पाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने को उन्होंने भगवान को बुद्ध को श्रद्धांजलि बताया। इस कार्यक्रम में चौदह देशों के शिक्षाविदों व भिक्षुओं ने भाग लिया। केंद्र सरकार ने अलग साहित्यिक परंपराओं वाली भाषाओं, जो मौलिक हों और जिन्हें किसी अन्य भाषा समुदाय से उधार नहीं लिया गया है, उन्हें शास्त्रीय भाषा के तौर पर चिह्नित किया है। पाली, प्राकृत, मराठी, असमिया व बंगाली को इसी माह शास्त्रीय भाषा के तौर पर चिह्नित किया है। इनमें से पाली भाषा को बुद्ध की विरासत माना जाता है। भगवान बुद्ध की शिक्षाएं व प्रमुख ग्रंथ त्रिपिटक मूल रूप से पाली भाषा में ही उपलब्ध हैं। यह भारत की प्राचीनतम ज्ञात भाषाओं में से है। जिसे ब्राह्मी लिपि में लिखा जाता है। फिलवक्त रूस-यूक्रेन, इस्त्राइल-फिलिस्तीन जैसे मुल्कों के बीच जारी युद्ध में बेगुनाह लोग मारे जा रहे हैं, वे विस्थापन झेलने को मजबूर हैं, उनको आवास, भोजन, पीने का पानी, जरूरी दवाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में बुद्ध की शिक्षाओं के माध्यम से शांति का पथ-प्रशस्त करके अस्थिरता व अशांति से मुक्ति का मार्ग पाया जा सकता है। विश्व शांति के लिए बुद्ध को याद करना जख्म पर मलहम लगाने जैसा हो सकता है। इस सख्त वक्त में मोदी ने बुद्ध के ज्ञान को दोहरा कर बड़ा संदेश देने का सार्थक प्रयास किया है। हालांकि बौद्ध धर्म के दुनिया में जितने अनुयायी हैं, उस अनुपात में यदि उनकी शिक्षाओं पर तनिक भी आस्था होती तो इस अशांति से मानव यूं त्रस्त न होता।

चिंतन-मनन

भगवान का सबसे प्रिय आहार अहंकार

अहंकार शब्द बना है अहं से, जिसका अर्थ है मैं। जब व्यक्ति में यह भावना आ जाती है कि जो हूं सो मैं, मुझसे बड़ा कोई दूसरा नहीं है तभी व्यक्ति का पतन शुरू हो जाता है। द्वापर युग में सहस्त्रबाहु नाम का राजा हुआ। इसे बल का इतना अभिमान हो गया कि शिव से ही युद्ध करने पहुंच गया। भगवान शिव ने सहस्त्रबाहु से कह दिया कि तुम्हारा पतन नजदीक आ गया है। परिणाम यह हुआ कि भगवान श्री कृष्ण से एक युद्ध में सहस्त्रबाहु को पराजित होना पड़ा। रावण विद्वान होने के साथ ही महापराप्रमी था। उसे अपने बल और मायावी विद्या का अहंकार हो गया और उसने सीता का हरण कर लिया। इसका फल रावण को यह मिला कि रावण का वंश सहित सर्वनाश हो गया। अंत काल में उसका सिर भगवान राम के चरणों में पड़ा था। भगवान कहते हैं मेरा सबसे प्रिय आहार अहंकार है अर्थात अहंकारियों का सिर नीचा करना भगवान को सबसे अधिक पसंद है। अहंकारी का सिर किस प्रकार भगवान नीच करते हैं इस संदर्भ में एक कथा है कि, नदी किनारे एक सुन्दर सा फूल खिला। इसने नदी के एक पत्थर को देखकर उसकी हंसी उड़ायी कि, तुम किस प्रकार से नदी में पड़े रहते हो। नदी की धारा तुम्हें दिन रात ठोकर मारती रहती है। मुझे देखो मैं कितना सुन्दर हूं। हवाओं में झूमता रहता हूं। पत्थर फूल की बात को चुपचाप सुनता रहा। पानी में घिसकर पत्थर ने शालिग्राम का रूप ले लिया था। किसी व्यक्ति ने उसे उठाकर अपने पूजा घर में स्थापित किया और उसकी पूजा की। पूजा के समय उस व्यक्ति ने फूल को शालिग्राम के चरणों में रख दिया। फूल ने जब खुद को पत्थर के चरणों में पाया तो उसे एहसास हो गया कि उसे अपने अहंकार की सजा मिली है। पत्थर ने अब भी कुछ नहीं कहा वह फूल की मन स्थिति को देखकर मुस्कुराता रहा।

वैश्विक जलचक्र असंतुलन से जुड़ी चुनौतियां की गंभीरता

ललित गर्ग

संतुलित जलचक्र के कारण समूची दुनिया के समुख पानी एक बड़ी गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण समस्या बन रही है। पृथ्वी के चारों ओर पानी के घूमने की प्रणाली को जल-चक्र कहा जाता है, जीवन को संचालित करने के लिए जिसका सुचारु होना आवश्यक होता है। पूरी दुनिया में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाओं की चेतावनी लम्बे समय से दिये जाने के बावजूद हम नहीं चेत रहे हैं। पानी के दुरुपयोग, जल संसाधनों के कुप्रबंधन, बदलते जलवायु, भूमि के बढ़ते उपयोग और वन क्षेत्रों में कटौती ने समूचे जल-चक्र को असंतुलित कर दिया है। कहते हैं कि पानी की असल अहमियत वही शख्स समझता है, जो तपते रेगिस्तान में एक बूंद पानी की खोज के लिए मीलों भटका हो। वह शख्स पानी की कीमत क्या जाने, जो नदी के किनारे रहता है। भारत के कई राज्यों में पीने के पानी की भारी समस्या है और उसके अधिक विकराल होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में अगले ही साल 21 शहरों में भूजल खत्म होने की आशंका व्यक्त करते हुए एक बार फिर चेताया है।

नीति आयोग की रिपोर्ट बड़े खतरे का संकेत दे रही है। अब जलचक्र के असंतुलित होने का असर भारत पर भी पड़ना निश्चित है। इसलिये भारत में जल-समस्या जीवन-संकट बन सकती है। भारत में पुराने जमाने में तालाब, बावड़ी और नलकूप थे, तो आजादी के बाद बांध और नहरें बनाईं। वक्त के बदलने के साथ-साथ सोच भी बदली, अति भोगवाद, सुविधावाद बढ़ा तो प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी घनघोर होती गयी। संयम का सूत्र छूट गया। आधुनिक सभ्यता की सबसे बड़ी मुश्किल यही है कि वह प्रकृति में निहित संदेश को हम सुन नहीं पा रहे हैं। जलसंकट पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। समय-समय पर प्रकृति चेतावनियां देती है पर आधुनिकता के कोलाहल में हम बहरा गये हैं। आज देश का कोना-कोना जल समस्या से ग्रस्त है। वर्ष 2018 में कर्नाटक ने अभूतपूर्व बाढ़ देखी थी, किंतु अब 2019 में उसके 176 में से 156 तालुके सूखाग्रस्त घोषित हो चुके हैं। महाराष्ट्र, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ भयंकर जल समस्या का सामना कर रहे हैं। विश्लेषकों द्वारा तृतीय विश्वयुद्ध की आशंका पानी के लिए व्यक्त की जाती रही है। निकट भविष्य में पानी का प्रयोग अस्त्र रूप में भी संभावित है। कुछ समय पहले पाकिस्तान से तनाव हो जाने पर भारत द्वारा सिंधु नदी के प्रवाह को रोक कर पानी की उपलब्धता बाधित करने की चेतावनी दी गई थी। जबकि देश में ही पानी की अनुपलब्धता की समस्या पूरे राष्ट्र में पिछले 10-15 साल से चल रही है। इसके मूल में नियमित रूप से वर्षा का न होना तथा सूखा पड़ते रहना तथा सरकार की गलत नीतियां भी हैं। पानी की उपलब्धता की स्थिति को देखते हुए यह लगने लगा है कि विश्वयुद्ध हो या न हो, पर हर गली-मोहल्ले में, शहर -शहर में, गांव- गांव में पानी के लिए 10-15 वर्ष में ही युद्ध होंगे और भाईचारे के साथ रह रहे पड़ोसी पानी के लिए आपस में लड़ेंगे।

भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश जल-समस्या से पीड़ित है। पृथ्वी पर तीन अरब लोग पहले से जल संकट का सामना कर रहे हैं। अब जल-चक्र असंतुलन से न जाने और कितने लोग संकट में आ जाएंगे। बड़ी चिंता यह भी कि इससे दुनिया की जीडीपी को आठ से पंद्रह प्रतिशत तक नुकसान हो जाएगा। दरअसल, प्रकृति की उपेक्षा के साथ-साथ सिर्फ अपना लाभ देखने की दुष्प्रवृत्ति ही इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। जल की बबार्दी, वन क्षेत्रों का खात्मा, पेड़-पौधों का लगातार काटना, ओजोन परत को नुकसान, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु संकट और इन सब के कारण अंततः जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर ही आती आंच के रूप में इसके दुष्परिणाम सामने है। एक तथ्य यह भी है कि इन दुष्परिणामों की चिंता तो खूब होती रही है, लेकिन सरकारें एवं आमजन इस समस्या के प्रति उतना गंभीर नहीं है, जितनी अपेक्षा है। देश के जो क्षेत्र जल संकट की भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं, उन क्षेत्रों में एक घड़े पानी की कीमत व्यक्ति या मनुष्य के जीवन से अधिक है। वहां गर्मी में तो महिलाएं प्रातःकाल से ही जल की व्यवस्था में जुट जाती हैं। बदलते जलवायु परिवर्तन का आलम यह है कि देश में जहां सूखा पड़ता था, अब वहां बाढ़ आ रही है। चरम जलवायु घटनाओं का स्वरूप बदल रहा है। जल चक्र पर भी इसका असर पड़ रहा है। बीते समय में चरम घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इन्हीं घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और इसका मुकाबला करने के लिए मोदी सरकार ने मिशन मौसम शुरू किया है। 'मिशन मौसम' के तहत सरकार टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मौसम की भविष्यवाणी को बेहतर बनाने का काम करेगी। हर साल चक्रवात, बाढ़, सूखा और हीटवेव जैसे जलवायु परिवर्तन से उपजी आपदाओं के चलते करीब 10,000 लोगों की मौत हो जाती है। 'मिशन मौसम' की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मौसम की सटीक भविष्यवाणी से इनमें से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सरकार ने 'मिशन मौसम' के लिए 2,000 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इतना ही नहीं ये सरकार को आपदा के आने से पहले तैयार होने और उसके बाद जनजीवन को जल्द से जल्द सुचारु करने में भी मदद करेगा। मिशन 'मौसम प्रबंधन' तकनीकों का पता लगाएगा और इसमें कृत्रिम रूप से बादलों को विकसित करने के लिए एक प्रयोगशाला बनाना, रडार की संख्या में 150 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना और नए उपग्रह, सुपर कंप्यूटर और बहुत कुछ जोड़ना शामिल है। भारतीय मौसम वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अगले पांच सालों में उनके पास इतनी विशेषज्ञता होगी कि वे न केवल बारिश को बढ़ा सकेंगे बल्कि कुछ क्षेत्रों में ओलों और बिजली के साथ-साथ इसे भी रोक सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जलचक्र के असंतुलित होने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर भी आवाज बुलंद होती रही हैं, पर जैसे हालात बनते जा रहे हैं इन चिंताओं का असर ढाक के तीन पात जैसा ही है। इससे भी गंभीर बात यह कि जल-चक्र बिगड़ने से दुनिया का आधा खाद्य उत्पादन ही खतरे में आ गया है। तब उन देशों का क्या होगा, जो पहले से खाद्यान्न संकट को झेल रहे हैं। जाहिर है, संकट में शामिल देशों की सूची बढ़ती ही जाएगी। कहना न होगा कि अब भी नहीं संभले और विकास का वैकल्पिक रास्ता नहीं खोजा, तो भयावह स्थिति को कोई नहीं रोक सकता। जलचक्र के असंतुलन की स्थिति का आकलन कोरी कल्पना पर आधारित नहीं है। विशेषज्ञों के समूह 'ग्लोबल कमीशन ऑन द इकोनॉमिक्स ऑफ वॉटर' ने तथ्यों और परिस्थितियों के गहन वैज्ञानिक अनुसंधानों और विश्लेषणों के माध्यम से भयावह हालात की ओर आगाह किया है।

वैश्विकी: संकट के दौर में ब्रिक्स सम्मेलन

डॉ. दिलीप चौबे

रूस की मेजबानी में आयोजित होने वाला ब्रिक्स सम्मेलन कई अर्थों में ऐतिहासिक है। यदि ब्रिक्स नेताओं ने राजनीतिक सूझबूझ और साहस का परिचय दिया तो यह सम्मेलन नहीं विश्व व्यवस्था के निर्माण की शुरूआत बन सकता है। संगठन के मूल पांच सदस्य देशों के साथ इस बार विस्तारित ब्रिक्स के अन्य देश भी इसमें शिरकत करेंगे। दुनिया के अनेक देश ब्रिक्स में शामिल होना चाहते हैं। यह मौजूदा देश के लिए यह एक अवसर और चुनौती है। सामान्य सोच यह है कि जितने अधिक देश होंगे संगठन उतना ही प्रतिनिधिमूलक और प्रभावशाली होगा, लेकिन सर्वसम्मति या मतैक्य से चलने वाली संगठन में निर्णय प्रक्रिया की समस्या पैदा हो सकती है। विशेषकर ऐसे समय जब विभिन्न देशों के अलग-अलग राजनीतिक हित हैं। उदाहरण के लिए सैन्य संगठन नाटो का सदस्य देश तुर्की ब्रिक्स में शामिल होना चाहता है। रूस और चीन नाटो को यूरोप और पूर्व एशिया में चुनौती दे रहे हैं। ऐसे समय ब्रिक्स में तुर्की का शामिल होना नाटो के एक 'भेदया का जोखिम' उठाना है। पश्चिम एशिया में ईरान और सऊदी अरब के बीच वर्चस्व की लड़ाई भी एक बड़ा सिरदर्द है। आने वाले दिनों में यदि इस्त्राइल ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करता है तो इस क्षेत्र में नई लामबंदी शुरू हो जाएगी। ब्रिक्स इन देशों के परस्पर विरोधी हितों में कैसे सामंजस्य स्थापित करता है यह अन्य देशों के नेताओं की राजनीतिक सूझ-बूझ की परीक्षा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस यात्रा पर भी सबकी नजर रहेगी। तीन महीने के दौरान मोदी दूसरी बार रूस यात्रा पर जा रहे हैं। इस अवधि में काफी कुछ बदल गया है। कनाडा और अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में तनाव पैदा हुआ है। कनाडा के साथ तो टकराव की स्थिति है। वहीं खालिस्तानी आतंकवादी गुरु पतवंत सिंह पन्नू को मोहरा बनाकर अमेरिका भारत पर दबाव बना रहा है। लगता है मोदी सरकार उसके निशाने पर है। कुछ राजनीतिक समीक्षा का आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं कि आखिर अमेरिका मोदी सरकार को क्यों अस्थिर करना चाहता है जबकि यह सरकार भारत में अब तक की सबसे अधिक अमेरिकी अनुकूल सरकार है। इन समीक्षकों का यह भी मानना है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी विरोधी प्रलाप के पीछे भी अमेरिका है। ट्रूडो को यह खुशफहमी है कि वह कनाडा एक बड़ा शक्तिशाली देश है। हकीकत यह है कि कनाडा हर महीने में अमेरिका का पिछलग्गू देश है। 'फाइव आईज' के अन्य देशों ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पर भी यही बात लागू होती है। हाल के घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट हो गया है कि जर्मनी, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश भी अमेरिकी कुनबे के सक्रिय सदस्य बन गए हैं। इसे यूरोप और पश्चिम एशिया में तनाव के नये हालात बन गए हैं।

हाल में ऐसी रिपोर्ट सामने आई कि उत्तर कोरिया के दस हजार से अधिक सैनिक यूक्रेन में रूस की ओर से मोर्चा संभालने वाले हैं। यदि उत्तर कोरिया रूस की मदद करने के लिए अपने सैनिक भेज रहा है तो यह भी स्वाभाविक है कि उसे रूस की ओर से यह आश्वासन मिला होगा कि दक्षिण कोरिया और जापान से संभावित संघर्ष में उसे रूस की मदद मिलेगी। इससे पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा हालात खतरनाक हद तक बिगड़ जाएंगे। भारत के लिए भी यह एक चुनौती होगी कि वह क्वॉड में अपनी भूमिका पर गौर करे। कजान (रूस) में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच यदि शिखर वार्ता होती है तो उसे पता चलेगा कि भारत अमेरिका और रूस के साथ अपने संबंधों में कैसे संतुलन बनता है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए चीन के साथ अपने संबंधों को पटरी पर लाने का एक अवसर है। ब्रिक्स आयोजन के समय दुनिया को किसी अनहोनी के लिए भी तैयार रहना चाहिए। संभव है कि इसी दौरान इस्त्राइल ईरान को निशाना बनाएं यदि ऐसा होता है तो ईरान भी जवाबी कार्रवाई करेगा। इस्त्राइल अपने बलबूते ईरान की चुनौती का सामना करने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में अमेरिका सैनिक मदद के लिए संघर्ष में सीधे रूप से शामिल हो सकता है। चुनाव में लड़खड़ा रही डेमोक्रेटिक प्रत्याशी कमला हैरिस के लिए यह फायदे का सौदा हो सकता है। यह बात दूसरी बात है कि दुनिया में भारी तबाही का कारण बन सकता है?

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

भूल भुलैया 3-सिंघम अगेन के टकराव से नाखुश हैं बज्मी? रोहित शेट्टी की फिल्म को लेकर कहा

निर्देशक अनीस बज्मी वर्तमान में अपनी फिल्म भूल भुलैया 3 की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। हॉरर कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त में रूह बाबा के रूप में कार्तिक आर्यन की वापसी है। फिल्म में कार्तिक, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित नेने के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे।

भूल भुलैया 3, 1 नवंबर, 2024 को अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन के साथ टकराने के लिए तैयार है। इस टकराव पर अब अनीस बज्मी ने खुलकर बात की है। साथ ही अपने बयान से हर का ध्यान आकर्षित करते नजर आए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने कहा कि वह रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन को देखने वाले पहले व्यक्ति होंगे। अनीस बज्मी ने साफ किया कि दो बड़ी फिल्में पहले भी एक ही दिन रिलीज हुई हैं और सफल भी रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन दोनों ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

अनीस बज्मी ने कहा, मैं क्लैश जैसे शब्दों पर विश्वास नहीं करता। सिंघम अगेन से जुड़े बहुत से लोग मेरे दोस्त हैं। मुझे यकीन है कि उन्होंने जबर्दस्त एक्शन वाली एक महंगी फिल्म बनाई है। मैं सिंघम अगेन देखने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक दोनों फिल्में देखेंगे। उसी बातचीत में, अनीस ने आगे खुलासा किया कि क्या उन्होंने भूल भुलैया 2 के बाद तीसरी किस्त में तब्बू को कास्ट करने पर विचार किया। निर्देशक ने कहा, तब्बू जी एक शानदार अभिनेत्री और मेरी प्रिय मित्र हैं। भूल भुलैया 2 की सफलता में उनके प्रदर्शन की बहुत बड़ी भूमिका थी। लेकिन वह बिंदु जहां मैंने उनके किरदार को छोड़ दिया था, उसे आगे ले जाना उचित नहीं होगा। आकाश कौशिक द्वारा लिखित और अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित भूल भुलैया 3 दिवाली 2024 के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन के अलावा, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, राजपाल यादव, तृप्ति डिमरी, विजय राज, संजय मिश्रा और अश्विनी कालसेकर जैसे सितारे भी मुख्य भूमिका में हैं। कथित तौर पर भूल भुलैया 3 का बजट 150 करोड़ रुपये है।

आलिया भट्ट ने कृति सेनन को उनके प्रोडक्शन की पहली फिल्म दो पत्ती के लिए दी बधाई

आलिया भट्ट फिलहाल जिगरा में नजर आ रही हैं, जिसमें उनके साथ वेदांग रैना भी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिल रहे हैं। इस बीच आलिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कृति सेनन को उनके प्रोडक्शन की पहली फिल्म दो पत्ती के लिए बधाई दी और साथ ही एक खास नोट भी लिखा। हाल ही में मेकर्स ने दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज किया। प्रशंसकों को दो पत्ती का सस्पेंस से भरपूर ड्रामा काफी पसंद आ रहा है। आलिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ट्रेलर साझा किया और लिखा, आपके पहले प्रोडक्शन के लिए बधाई-कृति सेनन। इसे देखने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती। दो पत्ती इस साल की सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक है। इस फिल्म में काजोल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जबकि कृति इस फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगी। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित, दो पत्ती को कृति और कनिका ढिल्लन द्वारा समर्थित किया गया है। देवीपुर में सेट, दो पत्ती रहस्य, रोमांच और ड्रामा से भरपूर एक मर्डर मिस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमती है। काजोल एक पुलिस वाली की भूमिका में हैं, जिसे एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने का काम सौंपा जाता है, जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, दर्शकों को कृति की सौम्या और शहीर शेख की ध्रुव से मिलवाया जाता है। यह जोड़ा एक-दूसरे से बहुत प्यार करता है, लेकिन जब सौम्या की जुड़वां बहन तस्वीर में आती है तो कहानी एक अलग मोड़ लेती है। उनके निजी और वैवाहिक जीवन में तबाही मचा जाती है, जिससे चीजें बिगड़ जाती हैं।

कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कैसे ध्रुव को हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया जाता है और कैसे काजोल जुड़वां बहनों के मामले को सुलझाती है। दो पत्ती से कृति और कनिका ढिल्लन ने निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत की हैं। कनिका ने एक इंटरव्यू में कहा, दो पत्ती एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है और अपने दर्शकों को एक बेहतरीन कहानी देने से बड़ी संतुष्टि और कुछ नहीं हो सकती, जो रोमांचकारी और देखने में काफी दिलचस्प हो। इस फिल्म में आप कृति को एक ऐसे अवतार में देखेंगे, जो रोमांच से भरा होगा, जिसे आपने पहले कभी अनुभव नहीं किया होगा। वहीं काजोल को लेखक-निर्माता के रूप में देखना बहुत खुशी की बात है।

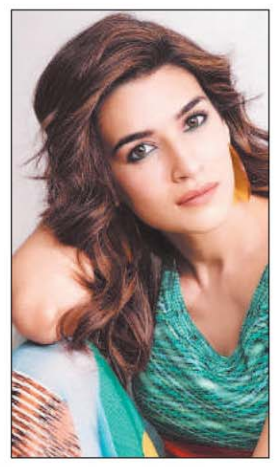

श्रद्धा कपूर नहीं कियारा आडवाणी और शरवरी वाघ होंगी धूम 4 का हिस्सा

धूम फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त धूम 4 उत्साह की लहर पैदा कर रही है। हालांकि, आधिकारिक घोषणा का अभी भी इंतजार है। रणबीर कपूर के एक्शन से भरपूर फ्रेंचाइजी में शामिल होने की अफवाहों के साथ यह फिल्म कई महीनों से चर्चा का विषय बनी हुई है। शुरुआती रिपोर्टों में सुझाव दिया गया था कि श्रद्धा कपूर को उनकी को-स्टार के रूप में लिया जा सकता है, जिससे चर्चा पैदा हो सकती है। यह जोड़ी साल 2023 में तू झूठी मैं मक्कार में अपनी ऑन स्क्रीन केमिस्ट्री से धमाल मचा चुकी है। हालांकि, नवीनतम अफवाहें एक अलग कास्टिंग लाइनअप का सुझाव देती हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, श्रद्धा कपूर अब धूम 4 की दौड़ में नहीं हैं। श्रद्धा के बजाए कियारा आडवाणी और शरवरी वाघ को फिल्म की प्रमुख महिलाओं के रूप में माना जा रहा है। इसमें एक अभिनेत्री कॉप और दूसरी खलनायक की भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट से ये साफ नहीं हो सका है कि कौन सी अभिनेत्री पुलिसवाली और कौन सी खलनायक की भूमिका निभाएंगी। वहीं, इन रिपोर्ट्स पर अभी आधिकारिक मुहर लगना भी बाकी है।

सोशल मीडिया यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

प्रशंसकों ने अपनी राय व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, कुछ ने शरवरी वाघ की संभावित भागीदारी के लिए उत्साह दिखाया, जबकि अन्य ने कियारा आडवाणी की कास्टिंग पर निराशा व्यक्त की। एक यूजर ने कियारा की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी लोकप्रियता के बावजूद उनकी भूमिकाओं में दोहराव महसूस होता है। दूसरी ओर, ऐसा लगता है कि शरवरी के नाम पर अधिक सकारात्मक प्रतिक्रियाएं आई हैं, कई लोग उन्हें धूम जैसी प्रमुख फ्रेंचाइजी में देखने के लिए उत्सुक हैं।

पिता मुकेश गौतम के लिए बेहद खुश और भावुक हैं यामी गौतम

अभिनेत्री यामी गौतम अपने पिता मुकेश गौतम के राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने से बेहद खुश हैं। सोशल मीडिया पर अपने पिता की प्रशंसा करने के बाद अभिनेत्री ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर पिता के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ दो तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर यामी गौतम ने बताया कि वह अपने पिता के राष्ट्रीय पुरस्कार पाने पर काफी खुश हैं। इसके साथ ही वह इस पल को लेकर वह भावुक भी हैं। यामी गौतम के पिता मुकेश गौतम ने अपनी फिल्म बागी दी धी के लिए सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर अभिनेत्री ने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा 'काश मैं बता पाती कि इस समय मेरा दिल कितना खुश और भावुक है।' 'मेरे पिता मुकेश गौतम का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना, इस बात का सच्चा प्रमाण है कि समय की कसौटी पर खरा उतरने और इसे साकार करने के लिए आपको किसी और की नहीं बल्कि अंतरात्मा की जरूरत होती है।' 'मेरे पिता की नैतिकता, काम के प्रति जुनून और जीवन में ईमानदारी उनकी सबसे बड़ी संपत्ति है और उनके बच्चों के लिए सबसे महत्वपूर्ण विरासत भी है।' यामी ने बताया 'मेरे सबसे अच्छे मार्गदर्शक होने से लेकर ट्रेन में अकेले चढ़ने के लिए सबसे स्पष्ट निर्देश देना हो, सफर के दौरान उनके कुछ सबसे यादगार अनुभव, चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियां रही हों, अपना सर्वश्रेष्ठ देने की क्षमता, हर हाल में खुश रहना हमें आपने ही सिखाया।

सेंसर बोर्ड से पास हुई कंगना रनौत की इमरजेंसी, जल्द होगा प्रदर्शन तिथि का ऐलान

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को लेकर हुए विवाद की वजह से फिल्म की रिलीज टाल दी गई थी। ये फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होनी थी लेकिन सिख समुदाय की आपत्ति की वजह से इसे टाल दिया गया था। मामला कोर्ट में था। हालांकि, अब कंगना और उनके फैंस के लिए खुशी की खबर ये है कि फिल्म को सेंसर बोर्ड ने हरी झंडी दे दी है। फिल्म की रिलीज की तारीख अब जल्द ही तय होगी। कंगना रनौत ने एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए लिखा, हमें ये बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमें सेंसर बोर्ड से हमारी फिल्म इमरजेंसी के लिए सर्टिफिकेट मिल गया है। हम जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगे। आपके सब्र और सपोर्ट के लिए शुक्रिया। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर ये बताया गया था कि फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होगी। लेकिन फिल्म पर सिख समुदाय ने आपत्ति की थी, जिसके बाद फिल्म की रिलीज को टाल दिया गया था। मामला मध्य प्रदेश की हाईकोर्ट तक पहुंच गया। इसके बाद फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी गई। जानकारी के मुताबिक सेंसर बोर्ड ने फिल्म को सर्टिफिकेट देने के लिए कुछ शर्तें भी रखी थीं, और कुछ सीन में आपत्ति जताते हुए मेकर्स को कुछ उनमें बदलाव के लिए सुझाव भी दिए थे।

अंकिता लोखंडे ने बताया सेल्फ लव है सबसे बेहतरीन

टीवी जगत की खूबसूरत अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने हाल ही में साड़ी में सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की हैं। लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने एक वीडियो शेयर की है। पवित्र रिश्ता की अर्चना ने बताया कि सेल्फ लव सबसे बेहतरीन तरह का प्यार है। इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो साझा कर पवित्र रिश्ता से घर-घर लोकप्रिय हुई अंकिता लोखंडे ने कैप्शन में लिखा 'सेल्फ लव सबसे बेहतरीन तरह का प्यार है, मैं जैसी हूं, बिल्कुल वैसी ही हूं और सेल्फ लव मुझ पर अच्छा लगता है। साथ ही उन्होंने लिखा, सेल्फ लव स्वार्थ नहीं है, यह महत्वपूर्ण है और सेल्फ लव मुझ पर अच्छा लगता है। साड़ी के साथ अंकिता ने मुलायम, कर्ल बालों को स्टाइल किया, जो उन पर काफी फब रहा है। वीडियो के अलावा अंकिता ने कुछ खूबसूरत साड़ी की तस्वीरें भी साझा कीं, इसमें एक्ट्रेस पोज देती नजर आ रही हैं। तस्वीरों में टीवी कलाकार खूबसूरत लग रही हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसक अंकिता की तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन को अंकिता लोखंडे की प्रशंसा से भर दिया। वर्ष 1984 में जन्मीं अंकिता लोखंडे को पवित्र रिश्ता से घर-घर पहचान मिली। शो में उनका नाम अर्चना था और उनके साथ लीड रोल में सुशांत सिंह राजपूत थे।

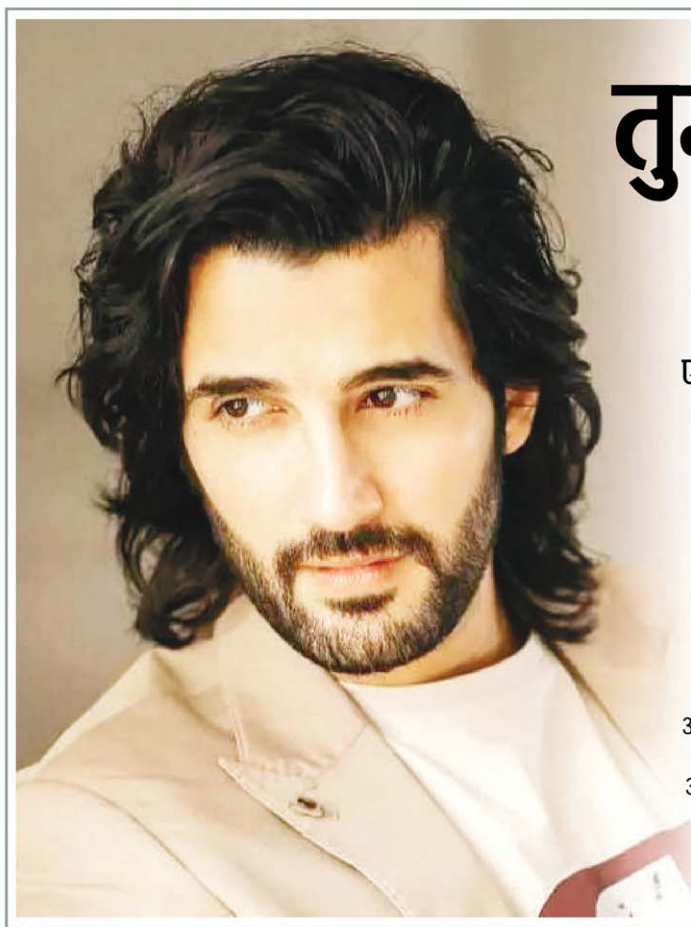

तुम बिन 2 से उम्मीदें थीं, किस्मत ने साथ नहीं दिया

एक्टर आदित्य सील हाल ही में फिल्म अमर प्रेम की प्रेम कहानी में नजर आए। एक्टर की मानें तो फिल्म इंडस्ट्री में टिके रहना और कामयाबी हासिल करना आसान नहीं होता। हाल ही में आदित्य ने अपने करियर के मुश्किल पलों, असफलताओं और सक्सेस के सफर पर बात की।

तुम बिन 2 से उन्हें काफी उम्मीदें थीं आदित्य ने बताया कि उनकी फिल्म तुम बिन 2 से उन्हें काफी उम्मीदें थीं, लेकिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर वो कमाल नहीं किया जिसकी उम्मीद थी। उन्होंने कहा, जब तुम बिन 2 आई, तो उस समय मुझे लगा था कि अब मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट आ गया है। फिल्म में सबकुछ सही था ङ्क हमारे डायरेक्टर अनुपम सिन्हा थे, प्रोड्यूसर टी-सीरीज था, म्यूजिक भी बहुत बढ़िया था। पुराना गाना तेरी फरियाद भी रीक्रिएट किया गया था। लेकिन बदकिस्मती से, फिल्म नोटबंदी के समय रिलीज हुई। इसका हमें बड़ा नुकसान हुआ। उस वक्त, मुझे लगा कि किस्मत ने साथ नहीं दिया, जबकि फिल्म में मेरा परफॉर्मेंस अच्छा था।

फिल्म रिलीज के बाद का स्ट्रगल

तुम बिन 2 के बाद रिजेक्शन से निपटना आदित्य के लिए कठिन रहा। उन्होंने कहा, उस फिल्म से मेरे परिवार और मुझसे बहुत उम्मीदें थीं। मैं सोच रहा था कि अब शायद ऑडिशन देने की जरुरत नहीं पड़ेगी, और काम आसानी से मिलना शुरू हो जाएगा। लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ, तो मुझे समझ नहीं आया कि कैसे डील करूं। घर पर रहना और परिवार से बात करना मुश्किल हो गया था। मैं पूरा दिन बाहर रहता था, रात को देर से घर आता था ताकि मां-पापा से सामना न हो। मुझे डर था कि कहीं घरवालों में से कोई कह दे कि हमने गलत फैसला लिया, और ये बात मुझे तोड़ देती।

उस वक्त किसी भी तरह का निगेटिविटी नहीं झेल सकता था

उन्होंने आगे कहा, मैं पूरा दिन घर से बाहर रहता, सड़कों पर घूमता या दोस्तों को कॉल करता। अगर कोई फ्री होता, तो मिल लेता। नहीं तो गाड़ी में बैठकर कहीं कुछ खाने चला जाता। मुझे पता था कि घर जाना मतलब रिजेक्शन सुनना। मैं उस वक्त किसी भी तरह का निगेटिविटी नहीं झेल सकता था। लेकिन मुझे ये भी पता था कि कुछ और मुझे करना नहीं आता, और एक्टिंग ही मेरी जिंदगी है। मेरी मां बहुत चिंता करती थीं, लेकिन पापा ने मुझे समझाया कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं और मुझे बस लगे रहना चाहिए। पापा के इन शब्दों ने मुझे वो हिम्मत दी, जिसकी मुझे सख्त जरूरत थी। उन्होंने कहा कि तू बस अपना काम करता रह, बाकी चीजों की टेंशन मत ले। ये सुनने के बाद मैंने खुद को संभाला और फिर से कोशिश शुरू की।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 बना टर्निंग पॉइंट

आदित्य के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट स्टूडेंट ऑफ़ द ईयर 2 साबित हुआ। इस फिल्म को हासिल करने का उनका सफर भी काफी दिलचस्प रहा। उन्होंने कहा, जब स्ह्अड्ड 2 की कास्टिंग चल रही थी, तो मुझे लगा था कि किसी और को कास्ट कर लिया गया है। मुझे ऑडिशन पाने के लिए भी काफी मेहनत करनी पड़ी। लेकिन जब मुझे ऑडिशन का मौका मिला, तो मैंने पूरी मेहनत से दिया। फिर पुनीत मल्होत्रा (डायरेक्टर) से मिला, और उन्होंने मेरा ऑडिशन देखकर कहा कि मुझे पसंद आया, लेकिन आखिर फैसला करण जौहर का होगा।

करण जौहर का फैसला

आदित्य ने बताया कि कुछ दिन बाद न्यूज में पढ़ा कि किसी और एक्टर को कास्ट कर लिया गया है। उन्होंने पुनीत और करण सर को मैसेज किया और कहा कि अगर ऐसा है तो मुझे साफ-साफ बता दीजिए। लेकिन करण ने जवाब दिया, तू फाइनल है मेरे लिए। उस वक्त पेपर पर साइन नहीं हुए थे, लेकिन करण सर के उस एक लाइन ने मुझे बहुत राहत दी।

स्क्रीन पर खलनायक बनने का सपना

आदित्य ने अपने ड्रीम रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मैं संजय दत्त साहब की फिल्म खलनायक के बल्लू बलराम वाले रोल से बहुत इंस्पायर हूं। मुझे हमेशा से वो किरदार करना है। बचपन से ही इस रोल को देखकर बड़ा हुआ हूं, और ये मेरा ड्रीम रोल है।

भारत /न्यूजीलैंड : आखिरी दिन नहीं हुआ कोई चमत्कार, न्यूजीलैंड ने भारत में 36 साल बाद टेस्ट जीता

बेंगलुरू (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने जसप्रीत बुमराह के खतरनाक स्पैल का डटकर सामना करते हुए आखिरी दिन किसी चमत्कार की भारत की कोशिशों पर पानी फेर दिया। पहला टेस्ट आठ विकेट से जीतकर न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद भारतीय सरजमीं पर पारंपरिक प्रारूप में सफलता का स्वाद चखा। आखिरी बार न्यूजीलैंड ने भारत को 1988 में जॉन राइट की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम पर 136 रन से हराया था। जीत के लिये 107 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने शुरूआती झटकों के बाद कोई कोताही नहीं बरती। विल यंग 48 रन बनाकर और रचिन रविंद्र 39 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 75 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को तीन मैचों की श्रृंखला में 1.0 से बढत दिला दी।

पहली पारी में 46 रन पर आउट होने के बावजूद भारत ने जिस तरह मैच में वापसी की थी, वह काबिले तारीफ है। उसे अब पुणे में 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में इस हार को भुलाकर अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा। गले की जकड़न से उबरने के बाद शुभमन गिल की दूसरे टेस्ट में वापसी तय लग रही है लेकिन पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 150 रन बनाने वाले सरफराज खान को अब अनदेखा नहीं किया जा सकता।

भारत को यह भी देखना होगा कि तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरना है या तीन स्पिनर ही उतारने है। यह फैसला एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर कारगर साबित नहीं हुआ। आखिरी दिन गीली आउटफील्ड के कारण मैच एक घंटा विलंब से 10 बजकर 15 मिनट पर शुरू हुआ। नयी गेंद संभालते हुए बुमराह ने 29 रन देकर दो विकेट लिये। टॉम लाथम खाता खोले बिना पहले ही ओवर में आउट हो गए। अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दिया जिस पर उन्होंने रिव्यू लिया। डीआरएस में भी उनके आउट होने की पुष्टि हो गई।

भारत को तीसरे तेज गेंदबाज की कमी महसूस हुई होगी क्योंकि विकेट से बुमराह और मोहम्मद सिराज को मदद मिल रही थी। भारत ने तीसरे स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव को उतारा था जिन्होंने तीन ओवर में 26 रन दिये। डेवोन कोंवे भी बुमराह के सामने असहज लग रहे थे और 17 रन बनाकर पगबाधा आउट हो गए। न्यूजीलैंड का स्कोर उस समय दो विकेट पर 35 रन था लेकिन यंग और रविंद्र ने इसके बाद संभलकर खेला। आसमान खिलने के बाद बल्लेबाजी में दिक्कत नहीं हुई और दोनों ने ढीली गेंदों को नसीहत दी। पहली पारी में शतक जमाने वाले रविंद्र ने कुलदीप को छक्का भी लगाया।

हम वापसी करना जानते हैं : रोहित शर्मा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को विश्वास है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में आठ विकेट से हारने के बावजूद उनकी टीम वापसी करेगी, जैसे इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार चार मैच जीतकर की थी। भारतीय टीम पहली पारी में घरेलू टेस्ट में अपने न्यूनतम स्कोर 46 रन पर आउट हो गई थी, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने कुछ हद तक वापसी की। हालांकि, न्यूजीलैंड ने अंततः उन्हें 8 विकेट से हरा दिया। मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में रोहित ने कहा, ऐसे मैच होते रहते हैं। हमें इसे पीछे छोड़कर आगे बढ़ना होगा। हमने इंग्लैंड के खिलाफ भी एक मैच हारने के बाद लगातार चार मैच जीते थे, इसलिए हमें पता है कि हर खिलाड़ी को क्या करना है। उन्होंने स्वीकार किया कि हालात को समझने में उनसे गलती हुई, लेकिन यह भी कहा कि उन्होंने यह कल्पना नहीं की थी कि भारतीय टीम पहली पारी में सिर्फ 46 रन पर आउट हो जाएगी।

रोहित ने कहा, मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हमें शुरुआत में मुश्किलें हो सकती हैं, लेकिन हमने यह नहीं सोचा था कि टीम 46 रन पर सिमट जाएगी। न्यूजीलैंड ने बेहतरीन गेंदबाजी की और हम विफल रहे। उन्होंने दूसरी पारी में भारतीय टीम की वापसी की सराहना की और कहा, जब आप 350 रन से पीछे हों तो ज्यादा कुछ नहीं कर सकते। लेकिन कुछ अच्छी साझेदारियां बनीं। हम सस्ते में आउट हो सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरफराज और ऋषभ ने शानदार बल्लेबाजी की। सरफराज ने बहुत ही परिपक्व पारी खेली। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेलने वाले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी रचिन रविंद्र ने पहली पारी में शतक जमाया। उन्होंने कहा कि चेन्नई में लाल और काली मिट्टी पर खेलने का अनुभव उन्हें रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा का डटकर सामना करने में मददगार साबित हुआ। रविंद्र ने कहा, चेन्नई में अलग-अलग पिचों पर, लाल और काली मिट्टी पर हमने अभ्यास किया, जिससे काफी फायदा हुआ। रविंद्र के दादा-दादी अभी भी बेंगलुरु में रहते हैं, और परिवार के सामने खेलते हुए शतक बनाना उनके लिए भावुक क्षण था। उन्होंने कहा, यह एक अच्छा शहर है और बल्लेबाजी के लिए अच्छी विकेट थी। परिवार के सामने खेलना बेहद खास था, जिससे मेरी पारी और भी खास हो गई।

रचिन की नेटवर्थ 2 मिलियन डॉलर के आस पास

– रचिन रवींद्र ने की शानदार बैटिंग, लगाया शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के खिलाफ पहली पारी में न्यूजीलैंड के लिए शानदार बैटिंग करते हुए खिलाडी रचिन रवींद्र ने शानदार शतक लगाया। टीम इंडिया फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। रचिन रवींद्र ने 157 गेंदों में 134 रन की पारी खेली और अंत तक खड़े रहे। अपनी पारी में उन्होंने 14 चौके और 4 छक्के मारे। रचिन का कनेक्शन भारत से रहा है। उनके माता पिता भारत से ही थे। बाद में वह न्यूजीलैंड में जाकर बस गए। रचिन ने 5 साल की उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। वह क्लब क्रिकेट खेलने के लिए बैंगलोर भी आया करते थे। वर्ल्डस कप के उद्घाटन मैच में ही उन्होंने इंग्लैंदड के खिलाफ शतक जड़ दिया था। इसके बाद यह बात सामने आई थी कि भारतीय टीम के दिग्गएज प्लेयर राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर के शुरुआती नाम को जोड़कर रचिन का नाम रखा गया है। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं था। रचिन नाम रचिन की मां ने सुझाया था

इस बात का खुलासा उनके पिता ने किया था। न्यूजीलैंड के युवा बैटर रचिन रवींद्र जिन्होंने वर्ल्ड कप 2023 के बाद से क्रिकेट में अपनी गहरी पहचान बनाई है। रचिन रवींद्र ने 2023 में ही डेब्यू किया और ईश सोढ़ी के चोटिल होने पर वर्ल्ड कप स्क्वॉड के लिए पहले ऑप्शन बने थे। उन्होंने वर्ल्ड कप में 10 मैच में 578 रन ठोके, जिसमें दो फिफ्टी और 3 शतक शामिल थे। वह शतक बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर थे। रचिन के नेटवर्थ की बात करें तो उनकी कमाई कई रिपोर्ट के अनुसार 2 मिलियन डॉलर (भारतीय रुपयों में करीब 16 करोड़) के आस पास है।

शतक जड़कर श्रेयस अय्यर ने दिखाई दम, टीम में वापसी की जताई इच्छा

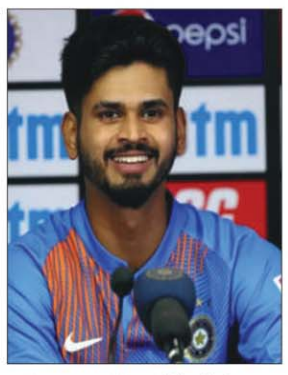

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी के मैच में शानदार शतक बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की अपनी प्रबल इच्छा जताई है। महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में अय्यर ने शानदार शतक जड़ा, जो उनके लिए एक भावनात्मक पल था। पीठ की सर्जरी के बाद श्रेयस ने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की है और टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से जगह बनाने के लिए तैयार हैं।

श्रेयस अय्यर को पिछले कुछ समय पहले बार-बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके चलते वह कई महीनों तक क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जड़ा था, और अब लगभग तीन साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक बनाया है। अय्यर ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, बहुत लंबे समय बाद वापसी करना मेरे लिए खास है। चोटों के कारण मैं थोड़ा निराश महसूस कर रहा था, लेकिन अब शतक बनाना बेहद संतोषजनक है। अय्यर ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि वह भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं वापसी के लिए पूरी तरह से उत्सुक हूं, लेकिन मुझे केवल उन्हीं चीजों पर ध्यान देना है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मेरा काम है निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना और जितना हो सके उतना क्रिकेट खेलना। इसके साथ ही शरीर की फिटनेस बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। अय्यर का मानना है कि केवल निरंतर अच्छा प्रदर्शन ही उन्हें फिर से भारतीय टेस्ट टीम में जगह दिला सकता है।

श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में आखिरी बार भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था। चोटों के कारण वह अधिक खेल नहीं पाए, और इस साल की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की केंद्रीय अनुबंध सूची से भी बाहर हो गए थे। हालांकि, उन्होंने अगस्त 2024 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा लिया था।

श्रेयस अय्यर ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और यह उनके लिए प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मैं टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए बेताब हूं। यही कारण है कि मैं खेल रहा हूं। अगर ऐसा नहीं होता तो मैं आराम से बैठ सकता था। अय्यर की यह वापसी भारतीय क्रिकेट के लिए एक सकारात्मक संकेत है, और उनके प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह जल्द ही राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह फिर से पक्की करेंगे।

जोकोविच ने नडाल को, सिनेर ने अल्काराज को हराया

रियाद। इटली के यानिक सिनेर ने कार्लोस अल्काराज को 6.7, 6.3, 6.3 से हराकर सिक्स किंग्स स्लैम नुमाइशी टेनिस चैम्पियनशिप जीती जबकि नोवाक जोकोविच ने तीसरे स्थान के मैच में रफेल नडाल को 6.2, 7.6 से हराया। नडाल अपने कैरियर में आखिरी बार यह चैम्पियनशिप खेल रहे थे। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नडाल अगले महीने डेविस कप में स्पेन के लिए खेलने के बाद टेनिस को अलविदा कहेंगे। इस नुमाइशी टूर्नामेंट के पिछले दौर में अल्काराज ने नडाल और सिनेर के अलावा जोकोविच को भी हराया था। इस टूर्नामेंट में पुरस्कार राशि मिलती है लेकिन एटीपी अंक नहीं।

वह दिन नदीम का था , पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल पर बोले नीरज चोपड़ा

लखनऊ । पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से चूकने वाले भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि उनके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी लेकिन वह दिन पाकिस्तान के अरशद नदीम का था जो उन्हें पछाड़कर चैम्पियन बने। चोपड़ा ने आठ अगस्त को हुए फाइनल में 89 . 45 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता लेकिन नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए पहले ही प्रयास में 92 . 97 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बने। चोपड़ा ने यहां पीटीआई को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' कुछ भी गलत नहीं था, सब कुछ सही था। थ्रो भी अच्छा था। ओलंपिक में रजत प्राप्त करना भी कोई छोटी चीज़ नहीं है, लेकिन, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता बहुत अच्छी थी और स्वर्ण पदक उसी ने जीता है जिसका वह दिन था। वह नदीम का दिन था ।卐 यहां फीनिक्स प्लासियो मॉल में अंडर आर्मर के नए प्रारूप वाले ब्रांड हाउस स्टोर का उद्घाटन करने आये चोपड़ा ने इस धारणा को खारिज किया कि हॉकी और क्रिकेट के बाद भाला फेंक भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता का गवाह बनने वाला नया खेल बन गया है।

सुल्तान जोहोर कप : भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराया जोहोर

बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। दिलराज सिंह और शारदा नंद तिवारी के 2-2 गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराकर सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। मोहम्मद कोनैन दाद (7वें मिनट) ने भारत का खाता खोला। इसके बाद दिलराज (17वें, 50वें मिनट), शारदा नंद (20वें, 50वें मिनट) ने गोल किए। इसके अलावा मनमीत सिंह (26वें मिनट) ने भी भारत की तरफ से गोल किया। ब्रिटेन की तरफ से रोरी पेनरोज (दूसरे, 15वें मिनट) और माइकल रॉयडेन (46वें, 59वें मिनट) ने 2-2 गोल करके मैच को रोमांचक बनाए रखा।

भारत ने शनिवार को जापान को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। उसने अपनी वही लय बनाए रखी। लेकिन वह ब्रिटेन था जिसने पहला गोल किया। उसकी तरफ से खेल के दूसरे मिनट में ही पेनरोज ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। भारत ने हालांकि इसके कुछ देर बाद ही दाद के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से बराबरी कर ली। ब्रिटेन ने 15वें मिनट में फिर से बढ़त हासिल कर ली जब पेनरोज ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

भारत ने हालांकि दूसरे क्वार्टर में अपना दबदबा बनाया और लगातार तीन गोल किए। स्ट्राइकर दिलराज ने 17वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर किया। शारदा नंद ने इसके बाद दिलराज की मदद से पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। उन्होंने 26वें मिनट में मनप्रीत की भी गोल करने में मदद की जिससे भारत 4-2 से आगे हो गया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीम को पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन वह उनका नहीं उठा पाए।

ब्रिटेन ने चौथे क्वार्टर के शुरू में रॉयडेन के गोल की मदद से वापसी की कोशिश की। भारत को 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। फॉर्म में चल रहे ड्रैगफ्लिकर शारदा नंद ने मौका नहीं गंवाया और गोल कर दिया। इसके कुछ सेकेंड बाद दिलराज ने मैदानी गोल करके स्कोर 6-3 से भारत के पक्ष में कर दिया। रॉयडेन ने 59वें मिनट में अपना दूसरा और ब्रिटेन की तरफ से चौथा गोल किया लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हो पाया। भारत ने लगातार दूसरा मैच जीत पर तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

लुका मोड्रिक रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए

पॉंटेवेद्रा (स्पेन)। कप्तान लुका मोड्रिक विगो में रियल मैड्रिड के इतिहास में एक आधिकारिक मैच में प्रतिस्पर्धा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। क्रोएशियाई खिलाड़ी 39 साल और 40 दिन की उम्र में बैलाडोस में सेल्टा के खिलाफ मैच में उतरे और फेरेंक पुस्कस के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 39 साल और 40 दिन की उम्र में बैलाडोस में मैदान पर उतरने वाले कप्तान ने पुस्कस के 1966 से बने रिकॉर्ड को 4 दिनों से हरा दिया। हंगेरियन ने हमारे क्लब के लिए अपना आखिरी आधिकारिक मैच 1966 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में खेला था। इसके अलावा, लुका ने रियल मैड्रिड के खिलाड़ी के रूप में अपनी 250वीं लालिगा जीत भी दर्ज की। मिडफील्डर, जिसने प्रतियोगिता में अपना 369वां गेम खेला, क्लब में अपने 13वें सीज़न में इस मील के पत्थर तक पहुंचा। 2 सितंबर 2012 को लालिगा में पदार्पण करने के बाद से, मॉड्रिक ने टीम को 4 मौकों (2017, 2020, 2022 और 2024) में चैंपियनशिप जीतने में मदद करने के लिए 28 गोल किए हैं। जिस टीम के खिलाफ उन्होंने लीग में सबसे अधिक जीत हासिल की है वह सेल्टा है, जिसे उन्होंने 19 मौकों पर हराया है। मॉड्रिच रियल मैड्रिड के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 547 खेलों में 27 खिताब जीते हैं- 6 यूरोपीय कप, 5 क्लब विश्व कप, 5 यूरोपीय सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप और 5 स्पेनिश सुपर कप।

ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफीका दौरे के लिए इस खिलाड़ी पर दांव खेल सकता हैं पीसीबी

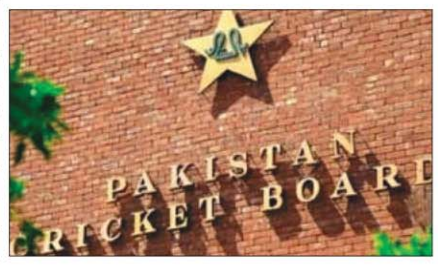

मुंबई। पीसीबी द्वारा ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में होने वाली सीरीज के लिए टीम की घोषणा करने पर अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान सफेद गेंद के प्रारूप में पाकिस्तान टीम के कप्तान बन सकते हैं। पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने पिछले दो दिनों में पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ बैठक की है, और टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन से भी सलाह ली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के सूत्र ने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा टेस्ट 28 अक्टूबर को समाप्त होगा और टीम को अगले दिन ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी। इसलिए चयनकर्ता रविवार तक टीम की घोषणा करनी होगी। सूत्र ने कहा, रिजवान अपनी वरिष्ठता, एक खिलाड़ी के रूप में अपनी विश्वसनीयता और घरेलू क्रिकेट और पीएसएल में टीमों का नेतृत्व करने के अपने अनुभव के कारण कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं।बाबर आजम ने माह की शुरुआत में पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ कर कहा था कि वे अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहते हैं। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका में नौ वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने हैं। स्वदेश लौटने से पहले उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैच भी खेलने हैं। सूत्र ने कहा कि चूंकि बोर्ड ने अब चयनकर्ताओं को कप्तान चुनने का अधिकार दे दिया है। आकिब, अजहर अली और अलीम डार ने जाहिर तौर पर रिजवान से बातचीत की है और उनसे यह जिम्मेदारी संभालने की इच्छा जाहिर की है। सूत्र ने कहा कि चयनकर्ता बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों के लिए आराम दिए जाने के बाद सफेद गेंद की टीम में शामिल कर सकते हैं।

फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं जेवियर

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के 25 वर्षीय उभरते तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट पूरी तरह से फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान बार्टलेट को साइड स्ट्रेन की समस्या हुई थी, जब वह इंग्लैंड की धरती पर अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे। उन्होंने मात्र के 3.4 ओवर ही गेंदबाजी किया था। चोट के कारण वह टी20 सीरीज के बाकी मैच और उसके बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए। बार्टलेट के लिए यह निराशाजनक क्षण था, जिन्होंने फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में लगातार 4 विकेट चटकाए थे। चोट और उसके ठीक होने के बारे में बताते हुए बार्टलेट ने कहा, मुझे उस साइड स्ट्रेन से उबरने में लगभग 5 सप्ताह हो गए हैं। मैं अब पूरी तरह से तैयार हूं, इसलिए यह वास्तव में आकार लेने लगा है। मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया है... यह वास्तव में निराशाजनक था। पाकिस्तान के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम में जगह बनाने से चूकने के बावजूद बार्टलेट को इसके बाद होने वाली टी20 श्रृंखला में वापसी की उम्मीद है। सिडनी, होबार्ट और ब्रिस्बेन में होने वाले मैचों के साथ बार्टलेट की नजरें 14 नवंबर को गाबा में होने वाले पहले टी20 पर टिकी हैं। एक ऐसा स्थान जहां उन्होंने ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलते हुए एक प्रभावशाली रिकॉर्ड बनाया है। बार्टलेट ने कहा, यह कुछ ऐसा है जिसका आप बचपन में सपना देखते हैं, ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने घरेलू मैदान पर खेलने की कोशिश करना। इसलिए अगर ऐसा अवसर आता है, तो यह एक बहुत अच्छा पल होगा। बार्टलेट ने गाबा में शानदार प्रदर्शन किया है, हीट के लिए सिर्फ 13 मैचों में 20 विकेट लिए हैं, औसतन हर 13 गेंदों पर एक विकेट। ऑस्ट्रेलिया के लिए अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा जिससे उन्हें अपनी रिकवरी के लिए प्रेरणा मिलेगी। राष्ट्रीय टीम में वापसी करने से पहले बार्टलेट को क्वींसलैंड के लिए आगामी शेफील्ड शील्ड और एक दिवसीय मैचों में खेलने की उम्मीद है ताकि वह मैच फिटनेस हासिल कर सकें।

मैं बचपन से ही सपना देख रहा था इस शतक का : सरफराज खान

बेंगलुरु (एजेंसी)। खेले जा रहे न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़कर न केवल भारतीय टीम को मुश्किल हालात से बाहर निकालने की कोशिश किया हैं, बल्कि यह भी साबित कर दिया कि वह महज स्थानापन्न खिलाड़ी नहीं हैं। शुभमन गिल की चोट के कारण अंतिम एकादश में शामिल हुए सरफराज ने शानदार 150 रन बनाए और ऋषभ पंत (99) के साथ मिलकर 177 रनों की अहम साझेदारी की। उनकी इस पारी ने भारत को पहली पारी में 356 रन से पिछड़ने के बावजूद मैच में बनाए रखा और न्यूजीलैंड के सामने 107 रन का लक्ष्य रखा।

सरफराज खान के लिए यह शतक खास था क्योंकि यह उनके बचपन का सपना था। उनके पिता नौशाद का भी सपना था कि उनका बेटा टेस्ट क्रिकेट में बड़ा स्कोर बनाए। मैच के बाद सरफराज ने संवाददाता सम्मेलन में अपने पिता का जिक्र करते हुए कहा, मैं अपने पिता से अक्सर बात करता हूं क्योंकि वह मुझे हर समय प्रेरित करते रहते हैं। भारत के लिए खेलते हुए यह मेरा पहला शतक था, और यह मेरे लिए बहुत खास है। सरफराज जानते हैं कि भारतीय टीम के मध्यक्रम में जगह बनाना आसान नहीं है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। मैं अब केवल वर्तमान में जीना चाहता हूं, उन्होंने कहा, यह बताते हुए कि भविष्य की चिंता करने से उनका वर्तमान प्रभावित हो सकता है।

सरफराज ने अपनी पारी के दौरान न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों की शॉर्ट पिच गेंदों पर बेहतरीन ऑफ साइड खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने 150 रन में से 83 रन ऑफ साइड में बनाए। उन्होंने कहा, मैं ऊंची उठती गेंदों को खेलना पसंद करता हूं। मुंबई में उछाल भरी पिचों पर मैं नियमित रूप से अभ्यास करता हूं, जिससे मुझे ऐसी गेंदों को खेलने में आसानी होती है। सरफराज ने ऋषभ पंत के साथ चौथे विकेट के लिए 177 रन जोड़े। पंत, जो अपनी चोट से उबर रहे थे, शुरुआत में लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। ऐसे में सरफराज ने पहले घंटे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों का सामना किया और स्पिनरों के आने के बाद पंत को स्ट्राइक दी, जिससे पंत अपनी शैली में बल्लेबाजी कर सके।

संक्षिप्त समाचार

पानी में डूबी प्रवासियों से भरी नाव, बाल-बाल बचे 65 यात्री

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के तट पर प्रवासियों से खचाखच भरी एक नाव डूब गई, जिससे एक बच्चे की मौत हो गई। इस हादसे में अब तक 65 यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया है और एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि नाव पर यात्रियों की संख्या अधिक थी, जिसके कारण अधिक वजन होने से यह हादसा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल था। यात्री चीख-पुकार करते हुए अपनी जान बचाने के लिए पानी में इधर-उधर भागे। नाव पर मौजूद लोगों ने एक-दूसरे की मदद की, जब स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों को इस घटना की सूचना मिली, तो उन्होंने तुरंत बचाव दल को मौके पर भेजा। बचाव दल ने 65 यात्रियों को सुरक्षित दूसरी नाव पर शिफ्ट कर दिया, जिससे उनकी जान बच गई। स्थानीय नौसेना के अनुसार, इस हादसे में एक बच्चा बेहोश मिला। डॉक्टरों ने उसकी जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों का मानना है कि बच्चे की मौत दम घुटने और सदमे के कारण हुई है। उसके परिजनों से पूछताछ की जा रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। फ्रांसीसी समुद्री अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार रात फ्रांस के तट के पास चैनल में ब्रिटेन जा रही प्रवासियों से भरी एक नाव डूब गई। इस घटना का कारण नाव का अधिक वजन बताया जा रहा है। इस वर्ष फ्रांस में समुद्र में डूबने से करीब 52 प्रवासियों की मौत हो चुकी है। इससे पहले 3 सितंबर को 12 बच्चों की भी इसी तरह से डूबने से मौत हुई थी। कई प्रवासी गैर-कानूनी तरीके से फ्रांस में घुसने का प्रयास करते हैं। स्थानीय जांच एजेंसियां समुद्र में गश्त लगा रही हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

खाई में गिरी जापानी पर्यटकों से भरी बस, 22 लोग घायल

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में एक दुखद घटना में जापानी पर्यटकों को ले जा रही एक बस बृहस्पतिवार को सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे उसमें सवार 22 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना अंकारा से लगभग 250 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में अफ्योनकाराहिसर प्रांत के एक राजमार्ग पर हुई। दुर्घटना का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। घायलों को अफ्योनकाराहिसर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी चिकित्सा की जा रही है। इनमें से एक यात्री की हालत गंभीर बताई गई है। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी की चीन को सलाह- रूसी सेना को स्पोर्ट करे बंद, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध से रहे दूर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने चीन द्वारा यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को दिए जा रहे समर्थन पर शुक्रवार को चिंता जताई और अपने चीनी समकक्ष से आग्रह किया कि वह अपने देश की कंपनियों को रूसी सेना को उपकरणों की आपूर्ति करने से रोकें। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डैविड लैमी ने बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ शुक्रवार को बैठक की थी। डेविड लैमी ब्रिटेन में जुलाई में 'लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद चीन की यात्रा करने वाले पहले कैबिनेट मंत्री हैं। उन्होंने चीन के उप प्रधानमंत्री डिंग श्वेशियांग से शुक्रवार को मुलाकात की तथा उसी दिन बाद में विदेश मंत्री वांग यी से भी बातचीत की। ब्रिटेन के विदेश मंत्री बीजिंग के साथ संबंधों को सुधारने के प्रयासों के तहत चीन की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। दरअसल, जासूसी के आरोपों, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का समर्थन करने और हांगकांग में आम नागरिकों की स्वतंत्रता का दमन के मुद्दे पर दोनों देशों के संबंधों में खटास पैदा हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि ब्रिटेन की सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि चीन के साथ संबंध ''व्यावहारिक और आवश्यक हैं।

इराकी मिलिशिया समर्थकों का सऊदी चैनल एमबीसी के कार्यालय पर हमला, जमकर की तोड़फोड़ और आगजनी

रियाद, एजेंसी। ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया समूह के समर्थकों ने सऊदी अरब के एमबीसी चैनल के कार्यालय पर हमला किया। यह हमला तब हुआ जब चैनल के एक कार्यक्रम में एक मिलिशिया कमांडर को आतंकवादी कहकर संबोधित किया गया। इस टिप्पणी से नाराज होकर इराक में इस मिलिशिया के सैकड़ों समर्थकों ने एमबीसी के दफ्तर पर धावा बोल दिया। शनिवार की सुबह लगभग 400 से 500 लोगों का एक बड़ा समूह बगदाद में स्थित एमबीसी के दफ्तर में घुस आया। उन्होंने दफ्तर के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और कंप्यूटर तोड़ दिए और कार्यालय के एक हिस्से में आग भी लगा दी। एक अनाम सुरक्षा अधिकारी ने एजेंस फ्रांस-प्रेस को बताया कि कार्यालय में लगी आग को तुरंत बुझा दिया गया। यह हमला इसलिए हुआ क्योंकि एमबीसी चैनल ने एक कार्यक्रम के दौरान इराकी मिलिशिया के कमांडर को आतंकवादी कहा था। इस कमांडर का संबंध ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया से था, जो कि इराक में एक प्रभावशाली समूह है। इस बयान को मिलिशिया समर्थकों ने अपमानजनक माना और इसके विरोध में दफ्तर पर हमला कर दिया। यह हमला इराक और सऊदी अरब के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और बढ़ा सकता है। सऊदी एमबीसी नेटवर्क पर पहले भी कई बार आरोप लगे हैं कि वे ईरान समर्थित समूहों के खिलाफ कार्यक्रम प्रसारित करते हैं, जिससे इस तरह के गुस्से का माहौल पैदा होता है।

कौन था इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 को हुए हमले के मास्टरमाइंड याह्या सिनवार, हमास का अगला नेता कौन ?

येरूशलम, एजेंसी। इजराइल पर सात अक्टूबर, 2023 को हुए हमले के मास्टरमाइंड याह्या सिनवार को मार गिराया गया है. इजराइल ने इसकी पुष्टि भी कर दी है. याह्या सिनवार हमास का सबसे खूंखार नेता माना जाता था. उसे खान यूनिस का कसाई भी कहा जाता था. सात अक्टूबर के हमले में 1200 लोग मारे गए थे, जबकि 251 लोगों का अपहरण कर लिया गया था. इस हमले के बाद इजराइल के सैनिकों ने याह्या सिनवार को जिम्मेदार ठहराया था. उनका कहना था कि इसने ही साजिश रचकर इजराइलियों की हत्या की, इसलिए उसकी मौत तय है, उसे खत्म किया जाएगा. इजराइल मानता है कि याह्या सिनवार के साथ-साथ इस हमले में मुहम्मद दैफ भी शामिल था. दैफ हमास की सैन्य शाखा में शामिल था. इजराइल का दावा है कि दैफ भी मारा गया. हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं की गई है.

कौन था याह्या सिनवार : याह्या सिनवार को हमास में दूसरे नंबर का नेता माना जाता था. पहले नंबर पर इस्माइल हनिया था. हनिया पहले ही मारा जा चुका है. इजराइली सैनिकों ने जुलाई में उसे मार गिराया था. इजराइल ने जो जानकारी दी है, उसके अनुसार सात अक्टूबर की घटना के बाद सिनवार लगातार अंडर ग्राउंड रह रहा था. इजराइल के अनुसार वह किसी से भी बात नहीं करता था, क्योंकि उसे उसके लोकेशन को लेकर पकड़े जाने का भय था.

कैंप में हुआ था याह्या सिनवार का जन्म : याह्या सिनवार को पहले अबु इब्राहिम के नाम से जाना जाता था. वह दक्षिणी गाजा पट्टी का रहने वाला था. उसका जन्म गाजा के खान यूनिस के एक शरणार्थी शिविर में हुआ था. 1948 में याह्या के माता-पिता शरणार्थी बन गए थे. उसे पुश्तैनी इलाके से निकाल दिया गया था. 1948 में इजराइल ने फिलस्तीनी इलाके पर हमला किया था. इस हमले की वजह से हजारों फिलिस्तीनी शरणार्थी बन गए थे और उन्हीं में याह्या का परिवार भी शामिल था.

इस्लामिक कॉलेज से ली डिग्री : सिनवार ने खान यूनिस में ही स्कूल की पढ़ाई की. गाजा के एक इस्लामिक कॉलेज से स्नातक किया. बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक खान यूनिस में ही याह्या का संपर्क मुस्लिम ब्रदरहुड से हुआ. दरअसल, जिस कैंप में याह्या रहता था, उसी कैंप में मुस्लिम ब्रदरहुड के समर्थक भी रहा करते थे. ऐसा कहा जाता है कि याह्या का व्यवहार तभी से हिंसक हो गया था. हमास के संस्थापक का बन गया चहेता रिपोर्ट के अनुसार 1982 में उसकी पहली बार गिरफ्तारी की गई थी. उस पर इस्लामी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगा था और इजराइली सैनिकों ने गिरफ्तारी की थी. जेल से छूटने के बाद वह हमास के संस्थापक शेख अहमद यासीन का चहेता बन गया. हमास की स्थापना 1987 में की गई थी.

याह्या ने हमास के लिए सैन्य दल का किया गठन : याह्या सिनवार ने 1989 में हमास के लिए एक सैन्य दल का गठन किया. इसका नाम अल मज्द रखा गया था. शुरू में इसका काम अपराध करने वालों को सजा देना होता था. बाद में वह हमास का लड़ाकू विंग बन गया.

क्रूरता की वजह से उसे खान यूनिस का कसाई कहा जाता था : बीबीसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि याह्या बहुत ही खूंखार था. उसकी छवि कट्टर थी. उसे यदि किसी पर शक होता था कि वह इजारइल से मिला हुआ है, तो वह उसकी हत्या कर देता था. उसके आसपास का कोई भी आदमी उससे पंगा लेना नहीं चाहता था. यहां तक कि शक होने पर वह अपने आदमियों को भी मार देता था. इसी कारण से सिनवार को खान यूनिस का कसाई भी कहा जाता था.

23 साल तक लगातार जेल में बंद रहा याह्या सिनवार : 1988 में इजराइल ने याह्या को फिर गिरफ्तार किया. 1988 से लेकर 2011 तक वह जेल में बंद रहा. इस दौरान भी उसकी अकड़ बनी रही. मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि जेल में वह एक तरह से नेता बन गया था और पुलिस के साथ कैदियों की ओर से वह खुद बात करता था. याह्या अरबी के साथ-साथ हिब्रू भी बोलता था.

इजराइली सैनिक के बदले याह्या को जले से किया गया रिहा : इजराइल ने 2011 में अपने सैनिक गिलाड शलिट के बदले याह्या सिनवार समेत 1027 फिलिस्तीनियों को छोड़ा था. शलिट खुद पांच साल तक हमास के हाथों बंधक रहा था. ऐसा कहा जाता है कि उसकी गिरफ्तारी में याह्या के करीबी का हाथ था. गाजा के चुनाव में हमास को जीत हासिल हुई. हमास ने यासिर अराफात की पार्टी अल-फतह का लगभग सफाया कर दिया. उनके नेताओं को भी मार दिया. याह्या ने अन्य कई संगठनों से समझौता करके अपना गुट बड़ा कर लिया था. 2013 में याह्या को गाजा पट्टी में पॉलिटिकल ब्यूरो का सदस्य नियुक्त किया गया था. 2017 में वह इस ब्यूरो का प्रमुख बन गया. 2015 मे अमेरिका ने याह्या को विशेष नामांकित वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था. इजराइली सेना के प्रवक्ता कर्नल रिचर्ड हेख्त ने याह्या को शैतान का चेहरा कहा था. अब हमास का अगला नेता कौन होगा, इस पर संगठन में विचार विमर्श जारी है. कुछ नामों पर विचार किया जा रहा है. इनमें से महमूद अल जहर, मौसा अबु मार्जुक, मोहम्मद सिनवार और खलीफ अल हया के नाम सामने आ रहे हैं।

पाकिस्तान में कॉलेज में रेप के खिलाफ सड़कों पर छात्र, स्कूल कॉलेज बंद

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच सभी स्कूल-कॉलेज को बंद करने का आदेश दिया गया है। पंजाब कॉलेज फॉर वीमेन के कैंपस में एक छात्रा से रेप के आरोपों के बाद पाकिस्तान में छात्र आंदोलन भड़का है। पंजाब पाकिस्तान का सबसे ज्यादा आबादी वाला क्षेत्र है।

अब पंजाब प्रांत के गृह विभाग ने शुक्रवार और शनिवार को लोगों के इकट्ठा होने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। स्कूल कॉलेज बंद होने से पंजाब प्रांत में लगभग 2.6 करोड़ बच्चों और कॉलेज छात्रों की पढ़ाई पर असर पड़ेगा। रावलपिंडी पुलिस का कहना है कि गुरुवार को शहर में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी के आरोप में 380 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सोशल मीडिया पर उपलब्ध फोटो/वीडियो से आगजनी करने वाले छात्रों की पहचान करेगी। छात्रों का प्रदर्शन अब लाहौर के अलग-अलग कॉलेजों से लेकर रावलपिंडी जैसे शहरों तक फैल गए हैं। रावलपिंडी में हो रहे प्रदर्शन पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज भी किया। सोशल मीडिया पोस्ट वायरल होने पर भड़के छात्र पुलिस ने गार्ड को गिरफ्तार पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल होने के बाद छात्रों का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था। वायरल पोस्ट में खबर थी कि पंजाब कॉलेज फॉर वीमेन के कैंपस में एक छात्रा के साथ रेप हुआ है। पुलिस ने इस सोशल मीडिया पोस्ट में दिखे एक सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार भी किया था। लेकिन अब तक कोई पीड़िता सामने नहीं आई है और पुलिस आरोपों की पुष्टि नहीं कर सकी है। मामले पर पंजाब ग्रुप ऑफ कॉलेज के लाहौर निदेशक आरिफ चौधरी का कहना है कि यदि ये घटना सच साबित होती है, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा और छात्रों के साथ खड़ा हो जाऊंगा। वहीं पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ ने कहा है कि जो लोग सोशल मीडिया पर झूठी खबर फैला रहे हैं।

विदेशी महिला इंफ्लूएंसर को पाकिस्तान में नहीं दिखी लड़कियां !

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान का वायरल वीडियो- पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंची एक विदेशी महिला इंफ्लूएंसर का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वह एयरपोर्ट और शहर की सड़कों का दृश्य दिखाते हुए हैरानी जताती हैं कि वहां कोई महिला नजर नहीं आ रही है। इस सवाल ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, और इस पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।यह वीडियो इस्लामाबाद एयरपोर्ट से शुरू होता है, जहां इंफ्लूएंसर और उनकी एक दोस्त फोन के कैमरे से एयरपोर्ट की भीड़ को दिखाती हैं। एयरपोर्ट की इस भीड़ में न कोई महिला नजर आती है और न ही कोई महिला कर्मचारी दिखाई देती है। इसके बाद इंफ्लूएंसर गाड़ी में बैठकर शहर की सड़कों पर घूमने निकलती हैं। जब वह इस्लामाबाद की सड़कों पर आती हैं, तो वहां भी उन्हें एक भी महिला नहीं दिखती। दुकानों, सार्वजनिक स्थानों, और सड़कों पर पुरुषों का जमावड़ा नजर आता है, लेकिन महिलाओं की कोई उपस्थिति नहीं होती। इंफ्लूएंसर इस दौरान अपने वीडियो में बार-बार कहती हैं, यहां की सारी लड़कियां कहां हैं? यह सवाल वीडियो का मुख्य आकर्षण बन गया है। इस वीडियो को अब तक 1 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है और 1 लाख 71 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। इस पोस्ट पर 21 हजार से ज्यादा कमेंट्स भी आ चुके हैं, जिनमें से अधिकांश ने महिलाओं की सार्वजनिक अनुपस्थिति पर हैरानी जताई है।

शहबाज शरीफ ने बाइडन को पत्र लिखा, जेल में कैद में पाकिस्तानी महिला को रिहा करने का आग्रह किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को पत्र लिखकर उस पाकिस्तानी महिला को रिहा करने का आग्रह किया है, जो आतंकवाद के जुर्म में अमेरिका में 86 साल की जेल की सजा काट रही है। सरकारी वकील ने इस्लामाबाद की एक अदालत को शुक्रवार को यह जानकारी दी। शरीफ के पत्र की एक प्रति अदालत में सौंपी गई, जो अमेरिका में प्रशिक्षित तंत्रिका तंत्र विज्ञानी आफिया सिद्दिकी की बहन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आफिया को 2010 में अमेरिकी नागरिकों की हत्या का प्रयास करने सहित अन्य आरोपों में दोषी करार दिया गया था। आफिया आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता को लेकर तब शक के दायरे में आ गई थी, जब उसने अमेरिका छोड़ दिया और 11 सितंबर 2011 को अमेरिका में हुए आतंकवादी हमलों के स्वघोषित साजिशकर्ता खालिद शेख मोहम्मद से निकाह कर लिया। 2008 में वह अफगानिस्तान में अमेरिकी प्राधिकारियों के साथ झड़प में घायल हो गई थी। चश्मदीदों के मुताबिक, उसने अमेरिकी प्राधिकारियों पर गोली चलाई थी।

शरीफ के 13 अक्टूबर को भेजे पत्र की एक प्रति के मुताबिक, पाक प्रधानमंत्री ने बाइडन को बताया कि आफिया जेल में 16 साल की अवधि काट चुकी है। उन्होंने लिखा कि मामले को दया की नजर से देखा जाना चाहिए। शरीफ ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कई पाकिस्तानी अधिकारियों ने उससे राजनयिक मुलाकात की और उसे मिलने वाले उपचार को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की, जिससे उसके पहले से ही कमजोर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। पाक प्रधानमंत्री ने अधिकारियों के आकलन के हवाले से लिखा कि दरअसल, उन्हें डर है कि वह अपनी जान ले सकती है। उन्होंने बाइडन से आफिया की बहन की क्षमादान याचिका स्वीकार करने और मानवीय आधार पर उसकी रिहाई का आदेश देने का आग्रह किया।

जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्यालय पर बम हमला, संदिग्ध गिरफ्तार- मीडिया रिपोर्ट

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 2022 में उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह संसदीय चुनाव के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के एक उम्मीदवार के प्रचार में भाषण दे रहे थे। जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्यालय में शनिवार को एक व्यक्ति ने कई बम फेंके जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सार्वजनिक प्रसारणकर्ता 'एनएचके' और अन्य जापानी मीडिया ने यह जानकारी दी।

इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। टोक्यो पुलिस ने इस घटना के संबंध में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि मामले की जांच अभी जारी है। समाचार रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसमें बताया गया कि आरोपी ने अपनी कार को पास की बाड़ में घुसा दिया था। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमले के पीछे उसका मकसद क्या था।

सत्तारूढ़ 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' संदिग्ध वित्तपोषण और कर चोरी से जुड़े घोटाले के कारण आमजन के बीच तेजी से लोकप्रियता खोती जा रही है। हमले के संबंध में पार्टी ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। देश की संसद के निचले सदन के लिए मतदान 27 अक्टूबर को होगा। कुछ दागी नेताओं से सत्तारूढ़ पार्टी ने आधिकारिक रूप से समर्थन वापस ले लिया है लेकिन वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

'लिबरल डेमोक्रेट्स' लंबे समय से जापान में सत्ता में रही है। द्वितीय विश्व युद्ध की तबाही से जापान को आर्थिक महाशक्ति बनाने में उसकी बड़ी भूमिका है। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 2022 में उस समय हत्या कर दी गई थी जब वह संसदीय चुनाव के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के एक उम्मीदवार के प्रचार में भाषण दे रहे थे। हत्यारे ने हस्तनिर्मित बंदूक का इस्तेमाल किया था और कहा था कि वह आबे से इसलिए नाराज था क्योंकि उसकी मां ने परिवार का सारा पैसा 'यूनिफिकेशन चर्च' को दे दिया था और वह आबे को उस चर्च से जुड़ा मानता था।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए उत्तर कोरिया ने भेज दी सेना, इस देश में मची खलबली

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में अब उत्तर कोरिया भी कूद पड़ा है। दक्षिण कोरिया की मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उत्तर कोरियाई सैनिक रूस की तरफ से युद्ध कर रहे हैं। कम से कम 1500 सैनिक रूस पहुंच चुके हैं। वहीं उत्तर कोरिया अपने 12 हजार सैनिकों को रूस भेजेगा। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी ऐसा ही दावा किया था। उन्होंने कहा था कि 10 हजार उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के लिए युद्ध लड़ सकते हैं।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेतावनी देते हुए कहा है कि उत्तर कोरिया का यह कदम बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। नेशनल इंटेलिजेंस सर्विसेज की बैठक के दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि इस मामले को लेकर यूक्रेन के संपर्क में हैं और एआई का इस्तेमाल करके उत्तर कोरियाई अधिकारियों को पहचानने का प्रयास किया जा रहा है। वे यूक्रेन के दोनेत्स्क में ममौजूद हैं और रूस की तरफ से उत्तर कोरियाई मिसाइल फायर करने में मदद कर रहे हैं।

वहीं एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के मिलिट्री बेस पर पहुंचते हुए दिखाई दे रहे हैं। एजेंसी ने पुष्टि की है कि उत्तर कोरिया ने हथियार भेजने के बाद अब सैनिक भी भेजने शुरू कर दिए हैं। इससे पहले उत्तर कोरिया ने बलिस्टिक मिसाइल, एंटी टैंक रॉकेट और 13 हजार से ज्यादा कंटेनर रूस के सप्लाई किए थे।

दक्षिण कोरिया का मानना है कि 80 लाख आर्टिलरी और रॉकेट राउंट रूस भेजे गए हैं। रूस और उत्तर कोरिया इस समय काफी नजदीक आ गए हं। दक्षिण कोरिआई एजेंसी ने अमेरिका से भी संपर्क किया है और इस मामले में आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि अगर यह बात सच है तो यह खतरे की घंटी है। इससे संघर्ष और बढ़ सकता है। वहीं अमेरिका और नाटो को तत्काल प्रतिक्रिया देने की जरूरत है।

बांग्लादेश के कानून मंत्री बोले- शेख हसीना का प्रत्यर्पण जरूरी, भारत ने मना किया तो विरोध करेंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में कानून मंत्री आसिफ नजरुल ने शुक्रवार को कहा कि अगर भारत पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण से इनकार करने की कोशिश करता है तो इसका कड़ा विरोध किया जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था, इसके बाद नजरुल ने यह टिप्पणी की। बांग्लादेशी अदालत ने गुरुवार को आदेश दिया था कि वे हसीना को 18 नवंबर तक उसके समक्ष पेश करें।

मंत्री नजरुल ने कहा कि बांग्लादेश और भारत के बीच पहले से ही एक प्रत्यर्पण संधि है। भारत नियमों का हवाला देकर शेख हसीना को यहां भेजने से इनकार कर सकता है, लेकिन ईमानदारी से कहें तो भारत हसीना को बांग्लादेश भेजने के लिए बाध्य है। विदेश मंत्रालय बोला- सुरक्षा वजहों से भारत में शेख हसीना शेख हसीना पर छात्र आंदोलन के दौरान हिंसा और मानवाधिकार के उल्लंघन के आरोप हैं। उन पर 200 से ज्यादा मामले चल रहे हैं। शेख हसीना 5 अगस्त को बड़े पैमाने पर हिंसा होने के बाद अपनी छोटी बहन के साथ भारत आ गई थीं। इसके बाद बांग्लादेश ने उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया था। भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा था कि शेख हसीना सुरक्षा वजहों से भारत आई थीं और वह अभी यहीं पर हैं। माना जाता है कि शेख हसीना को किसी अज्ञान जगह पर रखा गया है। तब से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। नजरुल ने पिछले महीने कहा था कि बांग्लादेश औपचारिक रूप से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेगा, जब मुकदमा प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं, शेख हसीना के विरोधी नेता रूहुल कबीर रिजवी ने कहा कि हसीना को शरण देना एक हत्यारे और अपराधी को शरण देने जैसा है। हमें उसे उचित कूटनीतिक प्रक्रिया के माध्यम से वापस लाना होगा। बांग्लादेश के विदेश मंत्री मोहम्मद तौहीद हुसैन ने सितंबर में कहा था कि शेख हसीना को सौंपना है या नहीं यह भारत तय करेगा।

भारत-बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि को और आसान बनाया गया भारत-बांग्लादेश के बीच हुए प्रत्यर्पण संधि के मुताबिक दोनों देशों को गिरफ्तारी वारंट के अलावा अपराध के सबूत भी साझा करने होते थे। हालांकि, साल 2016 में इस नियम को खत्म कर दिया गया था ताकि अपराधियों का प्रत्यर्पण जल्दी हो सके। संधि के मुताबिक अगर किसी व्यक्ति ने राजनीति से जुड़ा कोई अपराध किया है तो उसके प्रत्यर्पण से इनकार किया जा सकता है, लेकिन किस अपराध को राजनीतिक नहीं कहा जाएगा, इसकी लिस्ट काफी लंबी है। इनमें हत्या, गुमशुदगी, बम विस्फोट और आतंकवाद जैसे अपराध शामिल हैं। ऐसे संगीन मामले में प्रत्यर्पित करने से इनकार नहीं किया जा सकता।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने जब्त किया करोड़ों का सोना व नशीला पदार्थ

मुंबई। मुंबई के सीमा शुल्क विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1.45 करोड़ रुपये का नशीला पदार्थ (मारिजुआना) जब्त किया। यह अवैध पदार्थ बैंकॉक के एक यात्री के पास से जब्त किया गया था। यात्री ने वैक्यूम-सीलबंद पैकेट में 1.45 किलोग्राम गांजा छुपाया था। चेक-इन लगेज में कपड़ों में नशीला पदार्थ लपेटा हुआ था। आरोपियों के खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम और नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

दो करोड़ रुपये का सोना जब्त -

मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने सात मामलों में 2 किलो 427 ग्राम सोना जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस सोने की कीमत 1 करोड़ 70 लाख रुपये है। इसके अलावा 42 लाख रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया गया है। इसमें मोबाइल और टैबलेट शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि केन्या, जेद्दा, दुबई, रसूल खैमाह से मुंबई आने वाली उड़ानों के जरिए सोने की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद अधिकारियों ने इन विमानों के बाहर जाल बिछा दिया था। इन उड़ानों से आने वाले कुछ यात्रियों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उनके दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान इस सोने की तस्करी का खुलासा हुआ।

श्रीलंका ने गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

नई दिल्ली। श्रीलंका ने मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया है। दोनों देशों के मछुआरों को एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार किया जाता रहा है। भारतीय उच्चायोग ने एक पोस्ट में कहा कि 17 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया गया है और वे तमिलनाडु, भारत के लिए रवाना हो गए हैं। मछुआरों का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक विवादास्पद विषय रहा है। श्रीलंका नौसेना की आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक इस साल देश की नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए भारतीयों की संख्या बढ़कर 413 हो गई है जबकि 55 नौकाएं जब्त की गई हैं।

बारामूला जिले में सेना ने की घुसपैठ की कोशिश नाकाम

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा पर सेना ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। अधिकारी ने बताया कि जवानों ने उरी सेक्टर के कमलकोट इलाके में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधियां देखीं और घुसपैठियों को ललकारा। घुसपैठियों ने जवानों को आता देख गोलीबारी शुरू कर दी जिसका सेना के जवानों ने जवाब दिया। उन्होंने बताया कि इसमें एक घुसपैठिया मारा गया है। उन्होंने दुर्गम इलाका होने के कारण मारे गए घुसपैठिए का शव अभी तक बरामद नहीं हो सका है।

आरएसएस कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोपी का घर ढहाया

जयपुर। जयपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 10 कार्यकर्ताओं पर चाकू से हमले के आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया गया है। बुलडोजर कार्रवाई को अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई बताया जा रहा है। जानकारी अनुसार रजनी विहार इलाके में एक मंदिर में जागरण के दौरान आरोपी बाप-बेटे ने आरएसएस कार्यकर्ताओं पर हमला किया था। गुरुवार को हुए इस हमले के बाद, शुक्रवार को एसीपी गौरीशंकर शर्मा ने मौके पर मुआयना किया। शनिवार को जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने मकान मालिक नसीब चौधरी को नोटिस जारी किया और 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा। जवाब नहीं मिलने पर, रविवार सुबह 10:40 बजे बुलडोजर कार्रवाई शुरु कर दी गई। एसीपी के अनुसार नसीब चौधरी के घर से सामान हटाते समय क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय निवासियों ने चौधरी को भूमाफिया करार देते हुए बताया कि वह मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों का विरोध करता था। वहीं पूर्व महापौर शील धाभाई ने इसे एक शर्मनाक और दर्दनाक घटना करार दिया है। उन्होंने कहा कि नसीब ने मंदिर पर कब्जा कर रखा था और इसकी कार्रवाई बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। एसीपी शर्मा ने आश्वासन दिया कि मंदिर और पार्क की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

अयोध्या में दीपोत्सव पर निकलेंगी झांकियां, मुस्लिम कारीगर कर रहे तैयार

अयोध्या। इस बार अयोध्या में दीपोत्सव खास होगा। रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं, जिसकी झलक दीपोत्सव में इस बार देखने को मिलेगी। इस बार दीपोत्सव में झांकियां होंगी जिसे दर्जनों मुस्लिम कारीगर बना रहे हैं। रामायण के सातों कांडों पर झांकियां तैयार की जा रही हैं। इसके साथ ही राम मंदिर मॉडल और राम दरबार की झांकियां सबसे खास होगी। युद्ध स्तर पर झांकियां बनाने का काम किया जा रहा है, जो 27 अक्टूबर को रिहर्सल के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगी। दीपोत्सव हर साल एक नया इतिहास रचता है। इस बार दीपोत्सव में सबसे खास अयोध्या के सड़कों पर निकलने वाली झांकियां होंगी। भगवान राम के जीवन पर आधारित यह झांकियां साकेत महाविद्यालय से निकलकर और लता मंगेशकर चौक तक जाएंगी, जहां सीएम योगी झांकियों का स्वागत करेंगे। 18 झांकियां निकलेंगी जिसमें आठ झांकियां पर्यटन विभाग तो 10 झांकियां सूचना विभाग की हैं। इन झांकियों को 30 से ज्यादा मुस्लिम कारीगर बना रहे हैं, जो पिछले तीन सालों से लगातार दीपोत्सव की झांकियां बनाते आ रहे हैं जिनकी कारीगरी देखते ही बनती है लोग इनकी कारीगरी को निखारने के साथ उनकी तारीफ करना भी नहीं भूलते। दीपोत्सव को चार चांद लगाने के लिए यह झांकियां सुबह 9 बजे साकेत महाविद्यालय से निकलकर राम कथा पार्क तक जाएंगी, जो कि करीब 2 बजे समाप्त होगी।

महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन का समय निर्धारित करना भाजपा की चाल है: संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा महाराष्ट्र में नयी सरकार के गठन के लिए केवल 48 घंटे का समय निर्धारित किया जाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चाल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार बनाने का दावा करने में असमर्थ हो जाए। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होना हैं और 23 नवंबर को मतगणना होगी।

राज्यसभा सदस्य ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, ''अमित शाह के साथ-साथ भाजपा ने यह स्वीकार कर लिया है कि पार्टी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। ऐसा लगता है कि महा विकास आघाडी को सरकार बनाने के बारे में चर्चा करने और निर्णय लेने के लिए समय समिति करने की रणनीति है। अगर एमवीए के घटक दावा करने में विफल रहते हैं, तो राज्यपाल छह माह के लिये राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा एमवीए को सत्ता में वापस आने से रोकने के लिए यह कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, भारत निर्वाचन आयोजन ने चुनाव कार्यक्रम इस तरह तय किए हैं कि यह एमवीए के प्रभावी रूप से सरकार बनाने के अवसर को सीमित कर देता है।'' शिवसेना (यूबीटी) नेता ने यह भी कहा कि मतगणना 23 नवंबर को होगी, जिसका मतलब है कि एमवीए के घटक दलों - शिवसेना (यूबीटी), काग्रेस, राष्ट्रवादी काग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और अन्य छोटे दलों के पास सरकार बनाने के लिए केवल 48 घंटे होंगे। उन्होंने कहा कि यह सही नहीं है।

राउत ने आरोप लगाया, ''निर्वाचन आयोग का यह कदम भाजपा प्रवक्ता के समान है। आयोग ईवीएम का समर्थन करता है, लेकिन जब हम हरियाणा चुनावों में इन मशीनों के साथ कथित छेड़छाड़ के बारे में कहते हैं तो यह चुप्पी साध लेता है। आयोग ने लोकसभा चुनावों के दौरान धन के दुरुपयोग की शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं थी।'' राउत ने दावा किया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य के चुनावों की घोषणा से ठीक पहले लगभग 200 विधानसभा क्षेत्रों में 15 करोड़ रुपये वितरित करने का फैसला किया और यह सरकार का धन था।

लोरेंस बिश्नोई एक आतंकवादी है और उसका एन्काउंटर किया जाना चाहिए : राज शेखावत

वडोदरा। करणी सेना के राष्ट्रीय प्रमुख राज शेखावत ने गैंगस्टर लोरेंस बिश्नोई को लेकर बड़ा बयान दिया है। राज शेखावत ने लोरेंस बिश्नोई को आतंकवादी बताते हुए उसका एन्काउंटर करने की मांग की। वडोदरा में आयोजित पत्रकार परिषद में राज शेखावत ने कहा कि जो डर पैदा हुआ है, उसका जिम्मेदार लोरेंस बिश्नोई हो या उसकी गैंग के आदमी, ऐसे लोगों को माफ नहीं किया जा सकता। एक गैंग का मुखिया जेल में बैठकर विदेशों से देश के व्यापारियों को फिरौती के परेशान करता है। राज शेखावत ने जनता से सवाल किया कि देश के बड़े राजनीतिक और सामाजिक नेताओं की हत्या करता, ऐसे गैंगस्टर का एन्काउंटर कर देना चाहिए या नहीं? उन्होंने कहा कि जब मैं सेना में था तब कश्मीर में 8 साल सेवा की है। उस वक्त हम आतंकियों का एन्काउंटर कर देते थे। जिसकी वजह कश्मीर आज सुरक्षित हुआ है। अब केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसे तत्वों को उग्रवादी की श्रेणी में शामिल किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लॉरेंस के लोगों ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद हमारी करणी सेना की ओर से गृह मंत्री को ज्ञापन दिया गया। लेकिन लोकसभा के दौरान आंदोलन के कारण उन्होंने मेरी सुरक्षा रद्द कर दी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लॉरेंस के लोगों ने जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद हमारी करणी सेना की ओर से गृह मंत्री को ज्ञापन दिया गया। लेकिन लोकसभा के दौरान आंदोलन के कारण उन्होंने मेरी सुरक्षा रद्द कर दी।

बीआरएस नेता अपने फार्महाउस खोने के डर से हाइड्रा का विरोध कर रहे हैं: रेवंत रेड्डी

मुंबई (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता राज्य सरकार की नवगठित हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि उनके फार्महाउस ध्वस्त कर दिए जाएंगे।

उन्होंने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह एजेंसी उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी जिन्होंने जल निकायों और सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करके संरचनाएं बना ली हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने सरकारी अनुमति से अपने मकान बनाए हैं, उन्हें डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग राज्य की प्रगति और रियल एस्टेट क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर गलत सूचनाएं फैला रहे हैं।मुख्यमंत्री ने जानना चाहा कि क्या बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव और पार्टी विधायक टी. हरीश राव अपने फार्महाउस की वैधता के सत्यापन की अनुमति देंगे। उन्होंने इस उद्देश्य के लिए एक तथ्य-अन्वेषण समिति गठित करने का भी सुझाव दिया।उन्होंने कहा, ''उन्हें (बीआरएस नेताओं को) डर है कि उनके फार्महाउस को ध्वस्त कर दिया जाएगा। इसीलिए वे एजेंसी का विरोध कर रहे हैं। अगर आपने जल निकायों पर अवैध कब्जा नहीं किया है और सरकारी आदेश का उल्लंघन नहीं किया है तो आपको डरने की क्या जरूरत है।

यूपी उपचुनाव में बीजेपी को हराने सपा प्रत्याशियों का करेगी समर्थन कांग्रेस

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। इस उपचुनाव में कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) को अपना समर्थन देने का फैसला लिया है। कांग्रेस ने पहले पांच सीटों की मांग की थी, लेकिन जब संपा से बात नहीं बनी तो कांग्रेस ने गाजियाबाद और खैर सीटों पर अपनी उम्मीदवारी पर विचार किया। हालांकि यहां भी स्थिति बदलने के बाद कांग्रेस ने अब उपचुनाव में सपा प्रत्याशियों का समर्थन करने का फैसला लिया है।

बता दें इंडिया गठबंधन के तहत सपा ने कांग्रेस के लिए गाजियाबाद और खैर सीट छोड़ दी थी, लेकिन दोनों ही सीटों पर बीजेपी का दबदबा है। गाजियाबाद में 2022 विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 61.37 फीसदी वोट मिले थे, जबकि सपा को सिर्फ 18.25 फीसदी और कांग्रेस को महज 4.81 फीसदी वोट मिले थे।

इस परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उपचुनाव में हारने से बेहतर है कि वे सपा को समर्थन दें, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बना रहे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने लोकसभा चुनाव में 6 सीटें जीतकर अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है और अब उसकी नजरें 2027 के विधानसभा चुनाव पर हैं। कांग्रेस नहीं चाहती कि उपचुनाव में हार से कार्यकर्ताओं का उत्साह कम हो और पार्टी के अंदर निराशा फैले।

कांग्रेस के इस फैसले के पीछे एक और कारण है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने भी कुर्बानी दी थी, जब उसने अपनी सीटें नहीं मांगी और गठबंधन के तहत बीजेपी को हराने के लिए अपना समर्थन दिया था। अब कांग्रेस भी उसी रास्ते पर है और सपा के प्रत्याशियों का समर्थन करके गठबंधन के सिद्धांतों को मजबूत कर रही है। यह फैसला कांग्रेस द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव के दृष्टिकोण से लिया गया है ताकि गठबंधन के सहयोग से अपनी राजनीतिक स्थिति को बेहतर किया जा सके और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का मनोबल बना रहे।

अधिक बच्चे वाले परिवारों को इन्सेंटिव देगी आंध्र प्रदेश सरकार

हैदराबाद(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट की योजना पर काम कर रही है। इसी वजह से राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के निवासियों को अधिक बच्चे पैदा करने की सलाह दी है। नायडू ने प्रदेश में उम्रदराज लोगों की बढ़ती आबादी को देखते हुए यह सलाह दी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट की योजना बना रही है। इसके तहत विधेयक लाने के बारे में भी सोचा जा रहा है, जिसमें अधिक बच्चे वाले परिवारों को इन्सेंटिव दिया जाएगा। सिर्फ इतना ही नहीं, एक ऐसा कानून बनाने पर भी विचार चल रहा है, जिसके तहत सिर्फ वही लोग स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पाएंगे, जिनके दो से अधिक बच्चे हैं।

मुख्यमंत्री ने दक्षिणी राज्यों में गिरती प्रजनन दर पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यहां फर्टिलिटी रेट 1.6 परसेंट है जो राष्ट्रीय दर 2.1 से काफी कम है। अगर यही हाल रहा तो हमारे यहां 2047 तक बुजुर्गों की आबादी काफी ज्यादा हो जाएगी। उन्होंने कहाकि आंध्र प्रदेश ही नहीं, देश के कई गांवों में अब सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। नायडू ने जनसंख्या नियंत्रण पर अपने पहले के प्रयासों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहाकि तब हालात कुछ और थे। तेजी से बढ़ती आबादी के चलते प्राकृतिक संसाधन खतरे में थे। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

चंद्रबाबू नायडू ने कहाकि पहले हमने ऐसा कानून बनाया था जिसमें अधिक बच्चे वाले लोग चुनाव नहीं लड़ सकते थे। लेकिन अब हमने उस कानून को खत्म कर दिया है और इसे रिवर्स करने की सोच रहे हैं। अधिक बच्चों वाले परिवारों को सरकार अधिक सुविधाएं देने के बारे में विचार कर रही है। नायडू ने कहाकि वैसे तो हमारे पास 2047 तक डेमोग्राफिक एडवांटेज है। लेकिन दक्षिणी राज्यों खासकर आंध्र प्रदेश में बढ़ती उम्र वालों की आबादी चिंता में डालने वाली बात है। उन्होंने कहाकि जापान, चीन समेत कुछ यूरोपीय देश भी इस समस्या से जूझ रहे हैं। दक्षिण भारत में यह समस्या इसलिए हो रही है क्योंकि युवा लोग देश के दूसरे हिस्सों में या फिर विदेश चले जा रहे हैं।

जनता की अदालत का मतलब यह नहीं कि संसद में विपक्ष बन जाए: सीजेआई

पणजी(एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका 'जनता की अदालत' के रूप में बनाए रखना चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय को संसद में विपक्ष की भूमिका निभानी पड़े। दक्षिण गोवा में सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन में बोलते हुए उन्हें ये बातें कही हैं। न्यायामूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जब समाज बढ़ता है समृद्ध और संपन्न होता है, तो ऐसी धारणा बनती है कि आपको केवल बड़ी-बड़ी चीजों पर ही ध्यान देना चाहिए। हमारा न्यायालय ऐसा नहीं है। हमारा न्यायालय जनता की अदालत है और मुझे लगता है कि लोगों की अदालत के रूप में शीर्ष न्यायालय की भूमिका को भविष्य के लिए संरक्षित रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अब, जनता की अदालत होने का मतलब यह नहीं है कि हम संसद में विपक्ष की भूमिका निभाएं।''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'मुझे लगता है, विशेष रूप से आज के समय में, उन लोगों के बीच एक बड़ा विभाजन है जो सोचते हैं कि जब आप उनके पक्ष में निर्णय देते हैं तो उच्चतम न्यायालय एक अद्भुत संस्था है, और जब आप उनके खिलाफ निर्णय देते हैं तो यह एक ऐसी संस्था है जो बदनाम है।' न्यायमूर्ति ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक खतरनाक प्रवृत्ति है क्योंकि आप परिणामों के परिप्रेक्ष्य से शीर्ष न्यायालय की भूमिका या उसके काम को नहीं देख सकते हैं। व्यक्तिगत मामलों का नतीजा आपके पक्ष में या आपके खिलाफ हो सकता है। न्यायाधीशों को मामला-दर-मामला आधार पर स्वतंत्रता की भावना के साथ निर्णय लेने का अधिकार है।÷ उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को कानूनी सिद्धांत की असंगतता या त्रुटि के लिए न्यायालय की आलोचना करने का अधिकार है।प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'मैं आश्वस्त हूं कि न्यायाधीशों को इससे कोई परेशानी नहीं है, लेकिन समस्या तब होती है जब वही लोग देखते हैं कि अदालत एक विशेष दिशा में जा रही है और वे सभी इसकी आलोचना करने को तत्पर हो जाते हैं क्योंकि परिणाम आपके खिलाफ गया है।''

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उग्रवादियों ने पुलिस स्टेशन पर किया हमला

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले में उग्रवादियों ने एक बार फिर हिंसक हमला किया है। बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन पर उग्रवादियों ने गोलियां चलाईं और बम फेंके। यह घटना असम सीमा के पास स्थित एक स्कूल को जलाए जाने के एक दिन बाद शनिवार सुबह हुई। उग्रवादियों ने अल सुबह पुलिस थाने पर अंधाधुंध फायरिंग की और हथियार लूट ले गए, जिसका सुरक्षाबलों ने तुरंत जवाब भी दिया। हालांकि, इस हमले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, उग्रवादियों ने आधुनिक हथियारों से हमला किया और बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले एक गांव को निशाना बनाया। इस दौरान सीआरपीएफ और पुलिसकर्मियों ने भी भारी गोलीबारी की। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं और बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। इस घटना को लेकर मणिपुर के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने कहा कि पुलिस सुरक्षा बलों से लूटे गए हथियारों को बरामद करने के प्रयास कर रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 अक्टूबर को गुजरात दौरे पर आएंगे

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह दिवाली से पहले गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। 22 अक्टूबर की सुबह अमित शाह गुजरात आएंगे और आणंद के मेहमान बनेंगे। इसके अलावा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 31 अक्टूबर को साळंगपुर हनुमानजी मंदिर में होने वाले मारुति यज्ञ में भाग लेंगे। जानकारी के मुताबिक अमित शाह 22 अक्टूबर को वह आणंद के मेहमान होंगे और एनडीडीबी के डायमंड जुबली समारोह के साथ-साथ अमूल के संस्थापक त्रिभुवनदास पटेल की जयंती में भी शामिल होंगे। आपको बता दें कि 22 अक्टूबर को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का जन्मदिन भी है। अपने जन्मदिन पर गृह मंत्री एनडीडीबी के अतिथि होंगे। एनडीडीबी के डायमंड जुबली समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी, मंत्री जगदीश विश्वकर्मा समेत अन्य मंत्री, नेता और नेता भी मौजूद रहेंगे।

एक तीर से दो शिकार करना चाहता था भारत: कनाडाई उच्चायुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडाई उच्चायुक्त ने भारत के खिलाफ जहर उगला है। कनाडा के उच्चायुक्त कैमरॉन मैके ने कहा कि भारत एक तीर से दो शिकार करना चाहता था लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया। भारत एक साथ कनाडा, उत्तर अमेरिका और यूएसए में निशाना साध रहा था। वहीं निज्जर की हत्या और खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश एक ही प्लॉट का हिस्सा हैं। बता दें कि कैमरॉन अब भी भारत में उच्चायुक्त के पद पर हैं।

मैके ने कनाडा के सरकारी एजेंसी को शनिवार को बताया, जिस तरह के अमेरिका ने भारत पर आरोप लगाए हैं उससे पता चलता है कि नई दिल्ली से ही एक ही प्लॉट के तहत निज्जर और पन्नू की हत्या की साजिश की गई थी। ऐसे में कनाडा और अमेरिका के सबूतों को एक साथ रखा जा सकता है। इससे पता चल जाएगा कि बीते एक साल से क्या चल रहा है। मैके ने कहा कि भारत ने बड़ी रणनीतिक भूल कर दी है। वह सोचता है कि कुछ एजेंट उत्तर अमेरिका में हिंसा करेंगे और फिर बच जाएंगे। मैं कनाडा और अमेरिका दोनों की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि रेड लाइन भारत ने क्रॉस कर दी है।बता दें कि अमेरिका ने आरोप लगाया था कि रॉ के लिए काम करने वाले विकास यादव ने पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। एफबीआई ने उन्हें मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में रखा है। वहीं इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया है कि विकास यादव पहले ही रॉ से अलग हो चुके हैं। वहीं किडनैपिंग और उगाही के आरोप में उन्हें दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था।

पहली बार ऐसा हुआ है कि कनाडा के किसी राजनयिक ने इस तरह के आरोप भारत पर लगाए हैं। बता दें कि बीते साल जून में कनाडा में ही खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कुछ अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। वहीं अमेरिका में गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप अमेरिका ने भारत पर लगाया है। भारत ने इन सभी आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज कर दिए हैं।बता दें कि मैके के उप उच्चायुक्त स्टेवार्ट व्हीलर का भी नाम उन राजनयिकों में शामिल है जिन्हें भारत से निष्कासित किया गया है। वहीं नई दिल्ली ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को कनाडा से वापस बुला लिया है। कनाडा की सरकार ने उन्हें निष्कासित करने की बात कही थी। भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा भी कनाडा छोड़ चुके हैं।